सिलाई-कटाई-शिक्षा

सिलाई-कटाई-शिक्षा

लेखिका—

श्रीमती शुभाषिनी देवी

प्राप्तिस्थान—
बम्बई बुक डिपो
१६४, हरिसन रोड,
कलकत्ता।

प्रकाशक—
कल्याणदास एण्ड ब्रादर्स,
१६४, हरिसन रोड,
कलकत्ता ।

द्वितीय संस्करण
१९४१ ई०
मूल्य १॥)

मुद्रक—
उमादत्त शर्मा,
रत्नाकर प्रेस,
११ए, सैयदसाली लेन,
कलकत्ता ।

विषय-सूची

सिलाई कटाई शिक्षा

नाप शिक्षा (measurement)

पोशाक तैयारी करनेकी शिक्षा प्राप्त करनेमें कटिंग और सिलाई (Cutting and Tailoring) यही दो विद्या अच्छी तरह जानने से होगा। यही दोनोंको एक साथ नहीं सीखने पर अच्छा दर्जीका काम नहीं कर सकता। कटिंग शिक्षा आरम्भ करनेके समय पहले नाप लेकर तब सीखोगे। नाप किस तरहसे लिया जायगा और कौन

नाप शरीरमें किस जगहसे किस जगह तक लेना होगा, उसे नी लिखते हैं अच्छी तरह उसे सीख लो।

मान लो तुम्हें कोई एक लड़केके शरीरसे नाप लेकर सीख होगा। सबसे पहले लड़केका पीछा भागमें फीता लेकर शरीर देखकर नाप लेना आरम्भ करो। अब देखो कि लड़का ठीक सी खड़ा है कि नहीं। अब जिस तरह नाप लिया जाता है नी लिखता हूं।

सेस्त—गलाके ठीक पीछा भागमें जिस स्थानसे पीठका रि आरम्भ हुआ है उसी स्थानसे टेप (फीता) लेकर उसके छोर दबाकर धरकर जिस स्थान तक कपड़ा पहनता है अर्थात् कमर त नाप लेकर देखो कि कितना लम्बा हुआ। जितना इश्च लम्बा हु वही सेस्त हुआ (या Natutal waist) कहते हैं।

लम्बा—ठीक कंधाके ऊपरसे फीता लेकर लम्बा (Lengt जितना नीचे तक चाहेगा उतना तक नाप लो।

पुट—जिस जगहसे सेस्तके नाप लेनेके लिये आरम्भ कि था ठीक उसी जगहसे और जहाँसे हाथका बाँह शुरू हुआ है जगह तक जितना होता है वही पुट (Put) का नाप हुआ।

पुटआस्तीन—जिस जगहसे पुट नापा है ठीक उसी ज से लेकर जहाँ तक हाथका गट्टा है उतना तक नाप लेकर देखो कितना इंच लम्बा हुआ। जितना इंच होगा वही हुआ पुटआस का नाप। जिसको (Sleeve) कहते हैं।

सीना—अब लड़केके सामनेमें आकर उसके ठीक बगलसे नीचे छाती और पीठमें घुमाकर नापनेसे जितना लम्बा होगा वही सीना (Chest) का नाप हुआ।

कमर—सीनाके ऐसा कमरमें भी चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही कमर (Waist) का नाप हुआ।

पीछा—अभी जिसको हम लोग पीछा कहते हैं ठीक उसके चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही पीछा या (Seat) का नाप हुआ।

गला—गलामें घुमाकर नाप लेनेसे जितना इञ्च होगा वही गला या (Neck) का नाप हुआ।

मोहरी—हाथके गट्टामें चारों तरफ नापनेसे जितना होता है वही मोहरी या (Wrist) का नाप हुआ।

पैंटका लम्बा—सामनेमें जिस जगहसे कपड़ा पहना जाता है उसी जगहसे फीता रखकर पैरकी एड़ी तक जितना लम्बा होगा उसीको पैंटकी लम्बाईका नाप कहते हैं। जिसको (Side lenth) कहते हैं।

सेकम—जिस जगह हमलोग कोंचा धोतीका उल्टा कर पहनते हैं उस जगहसे पैरकी एड़ी तक जितना नापनेसे होता है उसीको सेकम या (Leg length) कहते हैं।

घुटना—पैंटके घुटनाका नाप लेनेके समय उसके चारों

तरफ फीता इस तरह ढीला करके नापना चाहिये कि उसमें अंगुल घुस जा सके।

मोहरी—एड़ीके नापसे पैंटका मोहरी (Bottom) नाप ३ या २ इंच कम करके लेना होगा और अधिक कोई चीज नापनेकी जरूरत नहीं है।

नाप लेनेके समय खूब अच्छी तरहसे देख लेना होगा कि पर कोई भूल नहीं हो। गलाका नाप लेनेके समय भीतरमें एक अंगु रखकर नापना चाहिये। जिस समय सीना, कमर या पीछा नाप लोगे उस समय भीतरमें चार अंगुल रखकर नाप लोगे। नाप लेने ही के ऊपर कपड़ेका अच्छा या खराब होना निर्भ रहता है। सभी नापमें कुछ ढीला करके लेना होता है। ख्याल कि अधिक कसा हुआ नहीं होना चाहिये।

कटिंग सीखनेकी जरूरी सामग्री

कटिंग सीखनेके समय पौने दो गज प्रमाणका काला गरम काला खद्दरका कपड़ा लो। इसी कपड़ेके ऊपर दर्जीके चाकसे डा करके कटिंग सीखना होगा। एक दर्जीको स्केल १, फीता १, अच्छ कैंची, नम्बरी सूई और सूता इन्हीं, सब चीज़ोंका दरकार है। प सब चीज अर्थात् कमीज, कोट, कुर्त्ता, फतुहा यानी सभी चीज इ कपड़ीके ऊपर ड्राइङ्ग करके सीखना होगा। जब ड्राइङ्गमें हाथ प हो जायगा तब कागजको काटना होगा। कागज ठीक तरहसे क लेने पर कपड़ा काटोगे।

इस काममें सिलाईके ऊपर अधिक नज़र रखना होगा। सिलाईमें यदि हाथ खूब नहीं बैठेगा तो कपड़ा खराब हो जायगा। काज घर तैयारी करनेके लिये खूब अच्छी तरह सीख लेना होगा। दर्ज़ीके काममें पहले अच्छा और खराब काज बनाने ही में पहचाना जाता है। दर्ज़ीके कामके व्यवहारमें कितने नाम हैं उन नामोको नहीं जाननेसे किताब पढ़नेमें असुविधा होगी। इसीलिये सबसे पहले उन सब शब्दोंको नीचे बतलाता हूं।

मोढ़ा—कपड़ेमें जिस जगह दोनों आस्तीन या बाँही सिलाई किया जाता है उसी दोनों जगहके मुंहको मोढ़ा कहते हैं। जिसको (Scye depth) बोलते हैं।

आस्तीन—दोनों बाँहके कपड़ोंको आस्तीन (Sleeve) कहते हैं।

प्लेट—कमीज या कुर्त्तामें सीनाके सामनेके ऊपरसे जो भांज करके कपड़ा सिलाई किया जाता है जिसमें बटनका घर बनता है उसीको प्लेट (Pleat) कहते हैं।

गज—टेप फीतामें ३६ इञ्चका एक गज, दो हाथका एक गज १६ गिरहका एक गज और २¼ इञ्चका एक गिरह होता है।

मोहरी—हाथके गट्टामें जिस जगह कपड़ेके आस्तीनका मुँह रहता है और पैन्टके पैरके नीचे जिस जगह पैन्टका मुँह रहता है उसीको मोहरी (Bottom) कहते हैं।

सामना—कपड़ाके सामने भागको (Front) सामना कहते हैं।

पीछा—कपड़ेके पीछेके भागको पीछा (Back) कहते हैं।

दामन—कपड़ेके नीचेके भागको दामन (Down) कहते हैं।

बगल—कपड़ेके दोनों बगलके जोड़को बगल (Side) कहते हैं।

दराज—बीच या पीठकी तरफकी सिलाईको दराज (Seam) कहते हैं।

पीठका दराज—कोट या इसी तरहके और कोई कपड़ेके पीछाके बीचकी सिलाईके स्थानको पीठका दराज कहते हैं।

बगलका दराज—उस तरह कपड़ेके बीचकी सिलाईको बगलकी सिलाई कहते हैं।

लव—कपड़ेके आखिर या किनारेको लव कहते हैं।

तीरा—कमीजका सामना और पीछा जिस पट्टीसे जोड़ा जाता है। उसीको तीरा कहते हैं।

टेकिन—(To be taken in) या पैंटके जिस स्थानमें सिलाई करके भीतर रखना होता है उसीको टेकिन कहते हैं।

पट्टी—जो कपड़ा अलगसे लगाया जाता हैं जिसमें बटन या काजघर रहता है उसीको पट्टी या फ्लाई कहते हैं।

स्ट्राप—बाँधने वाला (Strap) जिसके साथ बकलेस लगा रहता है।

जेब—पाकिटको (Pocket) कहते है।

ताज—जो पाकीटको ऊपरसे ढका रहता है। (Flap)

बकरम—जो दो कपड़ोंके भीतर दिया जाता है। जो कोटमें जालीके ऐसा कपड़ा दिया जाता है जिससे मजबूत और टाइट बना हुआ रहता है।

नैपुल—जो कोटके सामने भागके भीतरमें उसी कपड़ेका जोड़ा जाता है।

सेकम—पैंटके पीछाके नीचेके स्थानसे पैरके तलवा तकके स्थानको।

म्यान—पैंटके पीछाके बीचके हिस्सामें जो दो जोड़ा हुआ सिलाई रहता है उस स्थानको।

सीस्ती—पैंटके कमरके साथ जो टुकड़ा कपड़ा सिलाई किया रहता है।

फोल्डिग—पैंटके पैरके तरफ जो कपड़ा उल्टाया हुआ रहता है।

सलग—बिना जोड़का जो एक ही कपड़ा होता है।

लपेट—नापसे जितना अधिक कपड़ा लिया जाता है।

दबाट—चिह्नसे बाहरमें जो अधिक कपड़ा रहता है।

स्टेक—सादा सीधा फीता जो कोटके भीतरमें लगाया जाता है। इससे लत्रपर अधिक कड़ा रहता है जो खीचनेपर बढ़ना नहीं।

हिप पाकीट—पीछे चूतरके ऊपर जो पाकीट रहता है।

हाई—(High) पैंटके पीछाका लाइन या सीटके लाइनके ऊपरका हिस्सा। इसी रेखाके नीचेका हिस्सा सेकम (Leg length) हुआ।

कुर्ता (पंजाबी)

जिस समय किसीका कुर्त्ता काटना होगा उसके पहले उसके शरीरका नाप ले लेना होगा कि ख्याल रक्खो कि कुर्त्तामें किस-किस चीजका नाप लेना होता है। नाप—ल० ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी २४। सभी नाप इञ्चीसे लोगे।

अभी इसी नापसे कितने कपड़ेकी जरूरत पड़ेगी उसका हिसाब करके लेना होगा। हिसाबसे कपड़ा ठीक होना चाहिये। अगर खरीदारके सामने हिसाबसे कम कपड़ा लोगे तब अपने पाससे खरीदकर कपड़ा लगाना पड़ेगा।

लम्बाईका नाप जितना है उसका दूना कपड़ा लो। उसके बाद पु० अ० के नापसे पुट घटाकर जितना होगा उतना दो आस्तीनके लिये जोड़कर कपड़ा लो। अब पाकीट वगैरहके लिये और ४ गिरह कपड़ा लो। अभी देखना होगा कि कपड़ेका साधारण हिसाब २ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह अधिक।

लेकिन सब समय एक ही नियमसे नहीं चलेगा। कारण शरीर-के मोटा पतलाके ऊपर भी ध्यान देना होगा।

हमने जिस नापको लिया है उसका लम्बा है ३२ इं० अभी कपड़ा होगा ३२ का डबल ६४ इं० अर्थात् २८ गिरह वा १ गज १२ गिरह। इसके साथ जोड़ना होगा पु० अ० ३० से पु० ८ बाद करके हुआ २२ इं० या ११ गिरह। अब १ गज १२ गिरह और ११ गिरह सब हुआ २ गज ७ गिरह और ४ गिरह बराबर हुआ सब २ गज ११ गिरह। आस्तीन लेकर अभी कपड़ा हुआ २ गज ११ गिरह। अभी इसी कपड़ासे लम्बामें १ गिरह अधिक कपड़ा लेकर काटना होगा। १ गिरह अधिक कपड़ा लेनेका यही कारण है कि ऊपर और नीचे मोड़कर भांज करके सोना होगा अगर अधिक कपड़ा नहीं लिया जायगा तो ठीक नापका तैयारी नहीं होगा।

यदि किसीका शरीर कुछ अधिक मोटा हो और सीनाका नाप ३६ से अधिक हो तब लम्बा २ आस्तीन २ और इस गजह ४ गिरह अधिक कपड़ा नहीं लेना होगा। अभी इसके लम्बामें डबल कपड़ासे किस तरह सामना और पीछा भाग काटना होगा देखो। अभी इस कपड़ाको कितना चौड़ा रखना होगा उसका हिसाब देखो। सीनाका नाप ३६ से $\frac{1}{६}$ और ४ इं० बाद देकर जो हिस्सा बचेगा (३२ इं०) उसके बराबर कपड़ा चौड़ा करके रखना होगा। लेकिन देखो कुर्त्ताके नीचेका घेरा सीनाके बराबर नहीं रहेगा। वह चार इञ्च बाद नहीं होगा घेरामें।

अभी इस कपड़ाको ३२ इं० चौड़ा करके उसके बाद चौड़ाको

आधा भांज करके लम्बाके बराबर तक भांज कर दो। अब यह भांज
किया हुआ कपड़ा चार भाग हुआ कि नहीं गिनकर देखो। अ
इस कपड़ेको अच्छी तरह विछा लो जिसमें किनारा तक कोई छोट
बड़ा नहीं हो।

अब इस जगह कपड़ाके ऊपर चाकसे कुर्त्ताका ड्राइंग किस तर
करके काटोगे लिखते हैं। ड्राइंग करनेके सबसे पहले देखना चाहि
कि मोढ़ा कितना चौड़ा रहेगा। हर समय मोढ़ा सीनाका $\frac{1}{4}$ रख
होगा। इस जगह हमारा नाप लिया गया है उसका सीनाका न
हुआ ३६ इंच। इसका $\frac{1}{4}$ हुआ ९ इं० मोढ़ाका नाप।

ख्याल करो भांज किया पीछाका कपड़ा हुआ ०, १८, ३६, ४
० से ३६ हुआ लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक। ०, १८ और ३
१ हुआ चौड़ा ३२ इं० का आधा १६ इं०। चित्रको अच्छी त
देखो।

०से ९ हुआ मोढ़ाका नाप सीनाका $\frac{1}{4}$ या ९ इं०। यही मे
गलासे बगलके नीचे भाग तक। यह रेखा सीनाके नापके बर
होगा। ध्यान से देखो ठीक बगलके नीचे सीनाका नाप लिया
११ बिन्दू ठीक बगलके नीचे।

० से २$\frac{1}{2}$ हुआ २$\frac{1}{2}$ इं० दूर पर। यह गलाका $\frac{1}{4}$ और १
कम। यहां पर गलाका नाप १४ इं० है इसका $\frac{1}{4}$ हुआ ३$\frac{1}{2}$ इं०
१ इं० कम २$\frac{1}{2}$ इं०।

० और ९ से पुटका नाप ८ इं० और $\frac{1}{2}$ इं० ८$\frac{1}{2}$ इं० दू
८$\frac{1}{2}$ रखकर चित्रके ऐसा एक सीधा रेखा जोड़ दो। हर

चित्रको देख कर काम करना चाहिये। ६ से सीनाका १/४, ६ इञ्च और २ इञ्च अधिक ११ इञ्च दूर पर ११ रक्खो। इस जगह समझ लो कि सीनाका १/४ और २ इञ्च क्यों अधिक रक्खा गया। उसका कारण यही है कि यदि ठीक सीना १/४ रहेगा तो शरीरमें एकदम कसा होगा। किन्तु कुर्त्ता शरीरमें ढीला रखनेके लिये मोट ८ इञ्च अधिक लिया गया। सिलाई करने पर १ इञ्च कम होनेसे ७ इञ्च रहेगा।

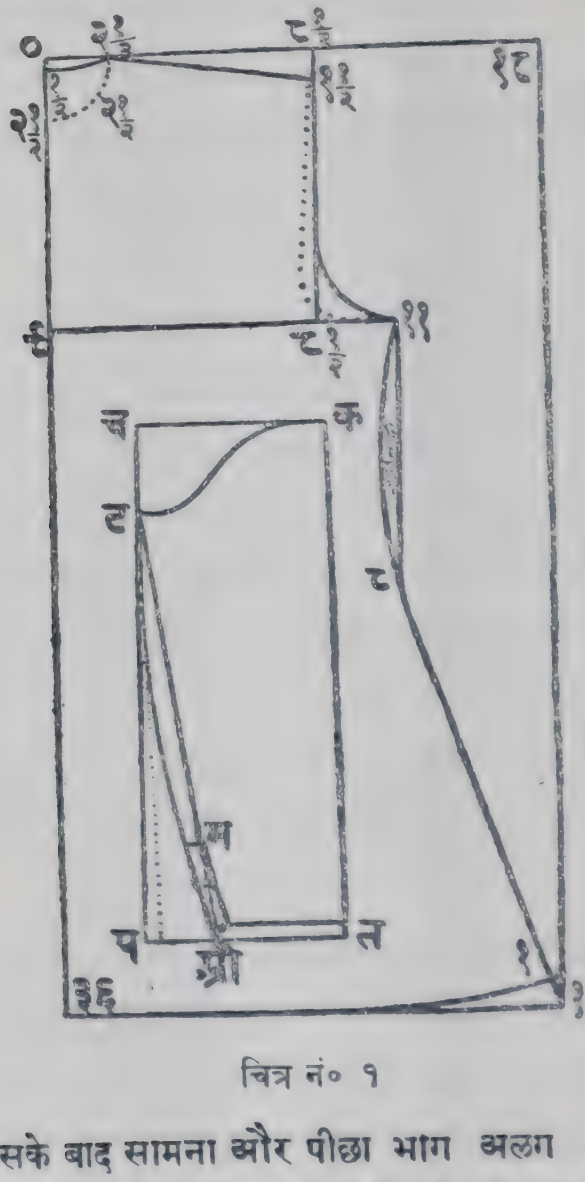
ऊपरमें ८१/२ से ११/२ इञ्च नीचे ११/२ रखकर २१/२ और ११/२ ठीक चित्रके ऐसा नीचे करके जोड़ दो। यही स्थान हुआ गलासे कंधा जो नीचे हट कर आया है वही जगह।

उसके बाद ११/२ और ११ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दोगे। उसके बाद ११ से ८ इञ्च नीचे ११ और ८ एक सीधी रेखा खींचो।

अब ८ और ११ इसके बीचमें भीतरकी तरफ, आधा इञ्च दूर पर १/२ एक दाग देकर ११ और वही १/२ दाग और ८ ठीक चित्रके ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ दो। उसके बाद ८ और १ ठीक एक सीधा रेखा जोड़ दोगे। तब कुर्त्ताका सामना और पीछा भाग हो जायगा।

० से १/२ ठीक आध इञ्च नीचे रख कर चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से २१/२, २१/२ जो गोल रेखा खींचा गया है गलाका जगह। १ से एक इञ्च ऊपरमें एक विन्दु रख कर ३६ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके करनेसे कुर्त्तेका दोनों कोण (छोर) नीचे लटकेगा नहीं। अब एक कैंची लेकर १/२ से २१/२, २१/२ से ११/२ रेखाके

ऊपरसे ११, ½, १ रेखा काट लो। उसके बाद ३६ और १ रेखांक
ऊपरसे काट लो। उसके बाद सामना और पीछा भाग काटना



चित्र नं० १

होगा। उसके बाद सामना और पीछा भाग अलग करके उस
सामना भागमें २½, २½ और २½ जो बिन्दी बिन्दी रेखा खीं

हुआ है ठीक उसके ऊपरसे होकर काट दो। उसके बाद १½ और ११ जो ठीक उसी तरह बिन्दी बिन्दी रेखा खींचा है उसको भी काट लो। इसको काटनेका यही मतलब है कि मनुष्यके सामने भागसे पीछेका भाग कुछ अधिक चौड़ा रहता है। सामनेके बगलके निकट का जगह पीछे से कुछ कम चौड़ाके वजहसे थोड़ा सा काट दिया जाता है। नहीं तो बगलके निकटका कपड़ा भांज हो जायगा।

इसी समय २½ से १२ इं० नीचे तक सीधा सामना भागमें खुला रहनेके लिये जगह काट दो। उसी जगहमें काज पट्टी या बटन पट्टी लगाया जायगा।

सामना और पीछा भागको अलग करके खोल कर क्या देखोगे ? देखोगे चित्रके ऐसा दो टुकड़ा कपड़ा। एक सामना और एक पीछा। अभी इसी दोनों भागको किस तरह जोड़ कर सिलाई करोगे लिखते हैं। उसके बाद आस्तीन काट कर जोड़ोगे।

सामना भाग पीछा भागके साथ जोड़नेके समय सामना भाग पीछा भागके ऊपर इस प्रकार रक्खोगे जो सामना भागके क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, बिन्दू पीछा भागके ठीक २½, १½, ११, ८, ६, २ और १८ बिन्दूके साथ मिल जाय। उसके बाद सामना भागके ऊपर के बगलके ट, ञ, झ, ज बिन्द और पीछा भागके नीचे बगलके १, २, ३ और ६ बिन्दूके साथ मिल जाय।

ख्याल करो जिस तरह सामना और पीछा भाग ठीक पहलेके ऐसा एक कपड़ाके ऊपर दूसरा कपड़ा रक्खा गया है। अभी घेरा

के ऊपरका पीछा भागके १$\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$, सामना भागके क, ख, रेख
साथ और पीछाके १, २, रेखा सामनाके ट, च, रेखाके साथ सि
करोगे। उसके बाद ११ से ६ इं० परिमाण ८ तक सिलाई क
और ५ इं० परिणाम ८ से ६ हिस्साको पाकीटके मुंहके ऐसा ख
रक्खोगे। ६ से २ या २$\frac{१}{२}$ इं० एक साथ सिलाई करके बाकी
खुला रख कर उस खुले हुयेको फिर मोड़कर भांज करके सि
कर दोगे। इसका नीचेका बगल भी ठीक इसी तरह सि
करोगे।

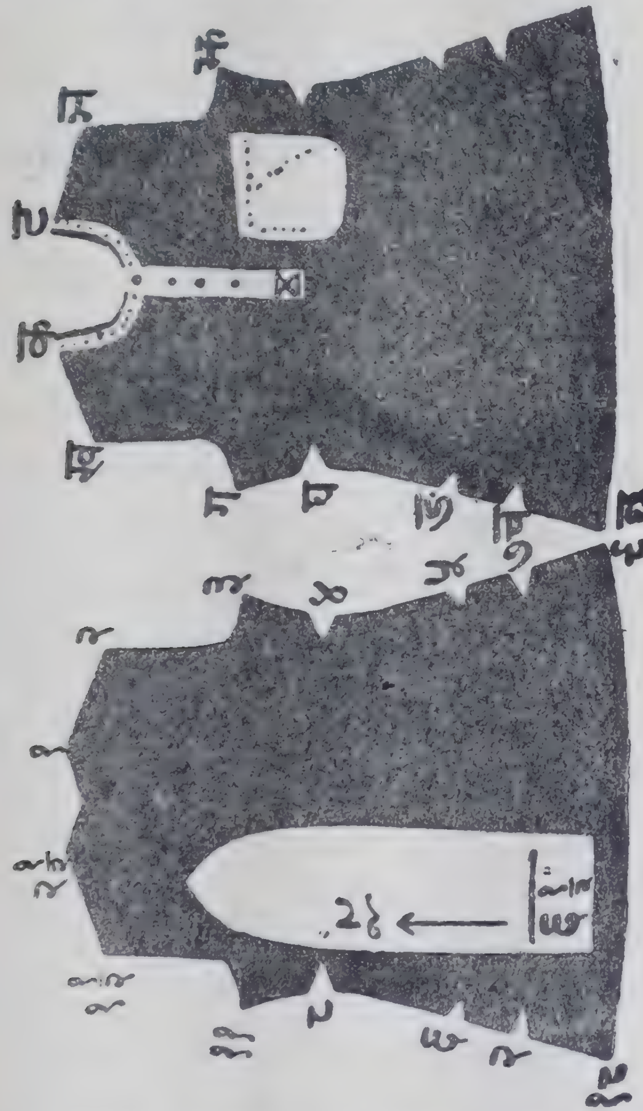
सामना और पीछाके कंधा और बगल सिलाई कर दो।
भागके १$\frac{१}{२}$, ११, और २, ३ और सामना भागके ख, ग, और
झ यही दोनों मुख खुला रक्खोगे। इसी दोनों स्थानको
कहते हैं और उसके साथ आस्तीन जोड़ा जायगा।

सामना भागसे गला काट कर छातीके ऊपरके सामने जो १
खुला रक्खा हुआ है उसके एकमें बटनका घर सिलाई करना
और ऊपरमें बटन पट्टी सिलाई करना होगा। बटन पट्टी बट
के नीचे रहेगा। इसी तरह देख कर सिलाई करना होगा।

दोनों तरफ पाकीटके ऐसा जो मुँह खुला हुआ है उसी
हुआ मुँहके भीतर से बगलका पाकीट लगाओगे। बगलका
लम्बा १८ इं० और चौड़ा ६$\frac{१}{२}$ इं० रखना होगा। उस
एक तैयारी कुर्तेको देख लोगे।

उसके बाद बुक (सामने) पाकीट लगाओ। बुक
लम्बा ७ इं० चौड़ा नीचेमें ६$\frac{१}{२}$ इं० और ऊपरमें ६ इं० रख

गलाके बिन्दूसे ६ इं० नीचे कुछ टेढ़ा करके पाकीट लगाओ। बटन पट्टीके नजदीकके पाकीटके मुँहसे उस तरफका मुँह आधा इं०



चित्र नं० २

ऊपर रहेगा। चित्रमें देखो। अभी गलाका नाप जो १४ इं० है उससे १ इं० बड़ा और ½ इं० चौड़ा कपड़ेको काट कर गलामें एक

पट्टी सिलाई कर दो। इसी तरह गला तैयारी हो गया। अब आस्तीन काट कर किस तरह सिलाई करोगे लिखते हैं।

मोढ़ा जितना चौड़ा रक्खा गया है। आस्तीनका कपड़ा ठीक उसका दूना चौड़ा रखोगे। आस्तीनके ऐसा जिस तरह कपड़ा रहता है उससे पु० अ० ३० से पु० ८ इं० घटाकर २२ इं० और १ इं० २३ इं० लम्बा कपड़ा काट लो। उसका चौड़ा होगा मोढ़ाका दूना १८ इं० आस्तीनमें देखो, आस्तीनके लिये दो टुकड़ा कपड़ा १८ इं० चौड़ा या १ टुकड़ा ३६ इं० चौड़ा कपड़ा चाहिये अभी इस कपड़ाकी चौड़ाईको चार भांज करके बिछालो।

हमारा मोढ़ाका नाप ६ इं० चौड़ा रक्खा गया है। आस्ती १८ इं० चौड़ा किस तरह रक्खा जायगा तुम बतला सकते हो एक बार कपड़ेका मोढ़ा पकड़ कर देखो अभी मोढ़ाके नापके बराब करके कपड़ेको दूना करदो उसके बाद दूसरे कपड़ेको भी उसो तर बना लो। तब देखो सामना और पीछा भाग मिल गया या उसव डबल हो गया। इसीलिये आस्तीनका चौड़ा मोढ़ाके नापसे डब रक्खा गया था।

ख्याल रक्खो, क, च, त, प यही दोनों आस्तीनका कप बिछा कर रखते हैं। इसको १८ इं० चौड़ा कपड़ेको आधा ६ इं० क के भांज कर लिया है। क से च और त से प ६ इं० चौड़ा। अ यही क, च उसका आधा जितना होता है च से ठीक उतना ही अर्थात् ८ $\frac{1}{2}$ इं० नीचे ट रख कर क, ट चित्रमें जिस तरह है उ तरह टेढ़ा करके जोड़ दो।

त से मोहरीका का नाप ७ इं० का आधा ३½ इं० और ½ इं० अधिक सब चार इं० दूरपर उ रक्खो। उसके बाद ८ और उ एक सीधी रेखा जोड़ करके उसके ठीक बीचसे आधा इं० दूर बाहरमें एक बिन्दी रखकर ८ और उ जोड़ दो। इसी तरह चूड़ीदार कुर्त्ताका आस्तीन तैयार होगा। चूड़ीदारके आस्तीनमें जिस तरह सीधा फीता लगाया हुआ है ठीक उसी तरह फीता लेकर सिलाई कर दो। ट से म तक सिलाई करके उसे म तक खुला रक्खोगे। दोनों मुँहमें एकमें बटन लगाओगे और ऊपरमें काज घर बनाओगे। पहले चूड़ीदार कुर्त्तामें तीन बटन लगाया जाता था लेकिन आज कल दो लगाया जाता है। यदि ढीला आस्तीनका पंजाबी कुर्त्ता होगा। तब ट से प तक सिलाई करके त, प को मोड़ कर भांज करके सिलाई करना होगा। आस्तीन तैयार हो जाने पर अब कुर्त्ताके मोढ़ाके साथ आस्तीनको सिलाई कर दो। मोढ़ाके अ बिन्दूके ऊपर आस्तीन का क बिन्दू और झ बिन्दूके ऊपर ट बिन्दू रखकर सिलाई कर दो। आस्तीन सिलाई कर लेने पर कुर्त्ताका सिलाई हो गया।

जिस समय किसीका सीना और कमरका नाप बराबर रहता है उस तरहके आदमीका कुर्त्ता काटना होगा उस समय ११ और ८ रेखा सीधा काटकर १ तक नीचेमें काट लोगे। ११, ½ और ८ इसी रेखाको खींचकर भीतरमें जो टेढ़ा शेप दिखलाई देता है, सिर्फ उसी स्थानको ११ और ८ सीधा रेखाके ऊपरसे काटकर रखना होगा; क्योंकि यही सभी आदमीके सीना और कमरका ठीक सीधा लाइन देखा जाता है।

कलीदार कुर्त्ता

साधारण कुर्त्ताके ऐसा इसका भी नाप लेना होता है। कप
भी पहले हीके नियमके ऐसा लेना होगा। इसके काटनेमें उत
कठिनाई नहीं है। परन्तु सिलाई करना इसका कुछ कठिन है। इ
कुर्त्तामें साधारणतः ४ कली रहती हैं। कभी-कभी आठ कलीका
होता है। कलीदार कुर्त्ता पतला और मुलायम कपड़ेका अच्छा हो
है। मोटा कड़ा कपड़ा उतना अच्छा नहीं होता है। इसकी लम
अधिक बड़ी होती है।

नाप—लम्बा ३६, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६,
१८, मोहरी १८।

मान लो कि हिसाबसे कपड़ा ले लिया गया है। अभी सा
और पीछा भाग काटना होगा।

कुर्त्ता काटनेके समय सीनाके नापके बराबर इसका घेरा
लिया जाता है। इसमें जितना सीनाका नाप है उतना ही इ
घेरा लोगे। इसी चौड़ामें कली जोड़ना होगा।

पहले पुटके नापसे डबल और १ इं० अधिक चौड़ा र
लम्बाका डबल और २ इं० अधिक कपड़ा लोगे। इस जगह
नाप ८ इं० अभी कपड़ा चौड़ा होगा, ८ का डबल १६ इं०
१ इं० अधिक १७ इं० चौड़ा या लम्बाईका डबल।

अभी इस कपड़ेको जिसका चौड़ाईका आधा भांज कर
यह भांज ठीक कुर्त्ताके ऐसा होगा। कलीदार कुर्त्तामें पहलेके

ऐसा कंधा सिलाई नहीं होगा। इस जगहमें एक कपड़ेको रक्खोगे। चित्र देखनेसे यह सब बात अच्छी तरह समझ जाओगे।

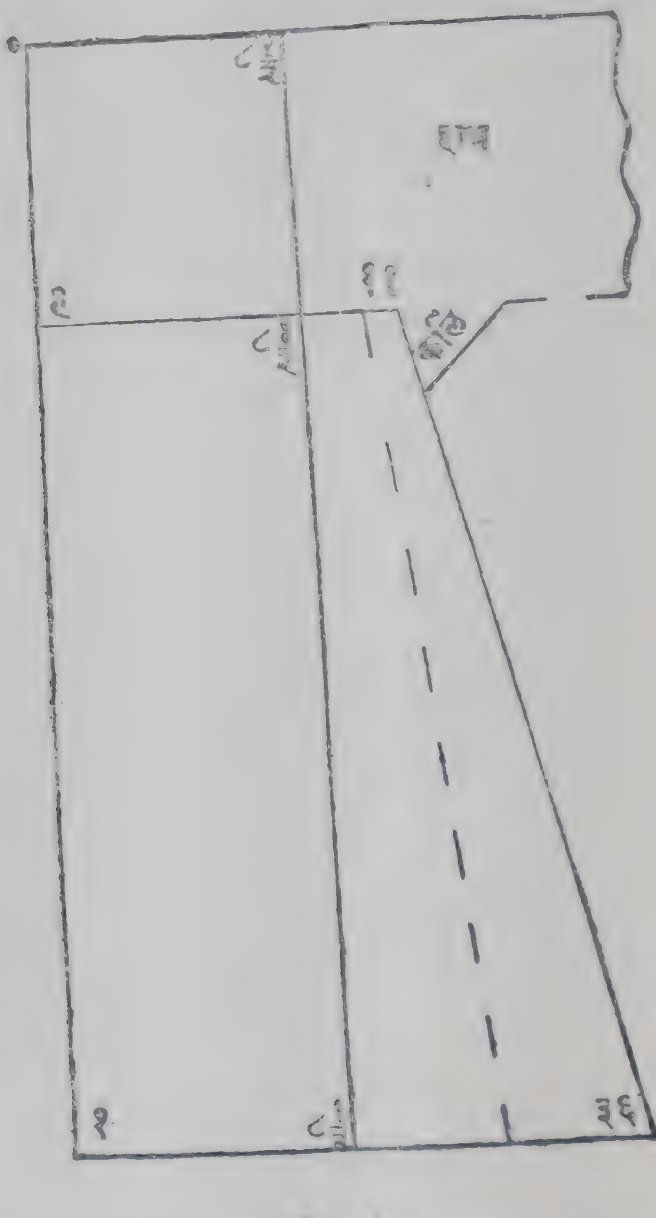
० से १ लम्बाका नाप ३६ से १ इं० अधिक।

० से ८½ और १ से ८½ पुटका नाप ८ उसका डबल १६ इं० और १ इं० सब १७ इं० का आधा।

० से मोढ़ा सीनाका ¼, ९ इं०। सामना और पीछाका दोनों कपड़ा हो गया। अब इसके बीचके घेराका कपड़ा सीनाके बराबर कपड़ा रखना होगा। तब देखो जिसके साथ १७ इं० चौड़ा कपड़ाके साथ और २० इं० चौड़ा कपड़ा जुटने पर तब उसे सीनाके नापके समान रक्खोगे। इसमें १ इञ्च अधिक रखना होगा। क्योंकि कलीके साथ जोड़नेमें कपड़ेकी जरूरत पड़ती है। यह एक इं० सिलाई करनेमें कम जाने पर तब सीनाके नापके बराबर ३६ इञ्च रक्खोगे।

अभी इसके नापके बराबर करनेसे हुआ उसके साथ ८½, ११, और ८½, ३६ इसी नापका चार टुकड़ा कपड़ा अलगसे जोड़ देना होगा। इसीको कली कहते हैं। ९ से ११ होगा सीनाका नाप ३६ इञ्च का ¼, ९ इं० और २ इञ्च अधिक ११ इं०। अभी देखा जाता है ८½ से ११ यही भाग सिर्फ ८½ से ११ जितना इं० है ठीक उतना ही अधिक अर्थात् २½ इं०। उसके बाद देखा जाता है ८½ से ३६ ९½ इञ्च चौड़ा। क्योंकि कुर्त्तामें देखा गया है उसका घेरा जितना चौड़ा है उसका आधा कपड़ा भांज करके होता है। इस जगह १ से ३६ हुआ ३६ का आधा १८ इञ्च। उसी १८ से ८½ बाद हो जाने

पर बाकी रहा ६$\frac{१}{२}$ इञ्च। इसी तरहका टुकड़ा कपड़ाके सामनेमें और कपड़ाके पीछेमें २ टुकड़ा जोड़ देना होगा।



चित्र नं ३

सामना और पीछा भाग काटा हुआ हो गया अभी पहलेके कुर्त्ताके ऐसा इसका भी आस्तीनका नाप लो। उसको पहले ही ऐसा मोढ़ाका डबल कपड़ा रक्खोगे। चित्र में देखो कि जो कुछ कहा जाता है उसे अच्छी तरहसे समझ जाओगे। आस्तीन वा आस्तीनके नीचे सिलाई ठीक ८½ और ११ के साथ धर कर सिलाई करना होगा। इसका बगल ठीक साधारण कुर्त्ताके ऐसा जोड़कर सिलाई करना होगा। इसीमें साइड वा बगलका पोकेट होगा। अभी आस्तीनसे ११ जिस जगह तक मिला है वही हुआ गलाका जगह। इसी जगह जो कली कह कर त्रिभुजके ऐसा त्रिकोण कपड़ा है उसी तरह ठीक एक कपड़ा तैयार करके दो टुकड़ेको दोनों बगलमें सिलाई कर दो।

साधारण कुर्त्ताके ऐसा इसके सामना भागसे गला काटकर बटनके लिये १२ इञ्च खुला रक्खोगे। उसके बाद उसमें बटन पट्टी और काजघर पट्टी लगादो। चार कलीका वर्णन किये हैं। अब आठ कली होगा तब दो कलीके आधाके जगहको काटकर आठ कली कर देना होगा। चित्र देखो बिन्दु-बिन्दु के ऐसा रेखा खींच कर कलीका भाग बनाया हुआ है।

फतुहा

फतुहा काटनेके पहले नाप ले लेना चाहिये।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २६, पुट ८, पु० अ० २०, सीना ३६, कमर ३२, गला १४, मोहरी १४, अभी हिसाब करके कपड़ा

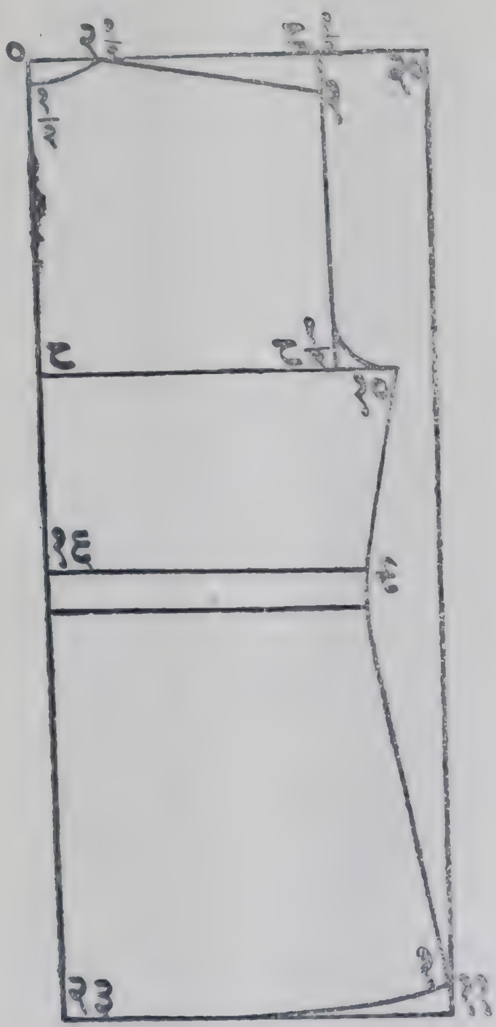
जितना लगेगा लिया जाता है। कपड़ेका परिमाण होगा २ लम्बा, १ आस्तीन और ३ या ४ गिरह और अधिक। इसका आस्तीन केहुनी के ऊपर रहता है। उसको हाफ आस्तीन कहते हैं। इस कपड़ेसे लम्बाईका नाप २६ से १ इञ्च अधिक लम्बा एक टुकड़ा कपड़ा लेना होगा। इसको चौड़ा रखना होगा सीनाका आधा और ३ इञ्च अधिक। अर्थात् इसको इस तरह चौड़ा को दो भांज करो कि जो एक एक भाग सीनाका ¼ और ३ इञ्च अधिक हो। उसके बाद भांज करके देखो समूचा कपड़ा चौड़ा हुआ सीनाका आधा और ३ इञ्च अधिक। अभी हमारे सीनाका नाप है ३६ इञ्च इसका आधा १८ इञ्च और ६ इञ्च कुल २४ इञ्च लेकर उसका आधा १२ इञ्च पर भांज करो।

०, २०, २३, ११ यही हमारा भांज किया हुआ कपड़ा बिछाया हुआ है। अभी ० से सीनाका नाप ३६ इञ्ज का ¼=९ इञ्ज से १ इं० कम करके ८ इं० मोढ़ाका नाप लेकर ८ इं० नीचे ८ रक्खो। हमने कुर्त्ता काटनेके समय देखा है मोढ़ा सीनाका ¼ है इसके आस्तीनसे १ इं० कम क्यों हुआ ? इसका कारण यही है कि कुर्त्ते के मोढ़ासे यह कपड़ा कुछ अधिक कसा रहता है। कमीज, ब्लाउज, सेमीज, फ्राक, जाकिट, सब फतुहाके हिसाबसे मोढ़ा होगा। और कोट, वेस्टकोटका मोढ़ा ठीक चार भागका एक भाग होगा।

पीछा भाग (Back part)

० से गलाका नाप १४ का ¼=३½ साढ़े तीन इं० से १ इं०

कम करके जो २½ इं० बचता है वही २½ इं० दूर पर २½ इं० रक्खो।



चित्र नं० ४

० से ½ इं० नीचे ½ रख कर ½ और २½ ठीक चित्रके ऐसा टेढ़ा रेखा जोड़ दो ० से ८ मोढ़ा ८ इं० नीचे।

८ और ० से पुट का नाप ८ इं० और ½ इं० कुल ८½ इ
दूर पर ८½ रक्खो। कुर्त्तेमें ठीक इसी तरहसे पुट का नाप लि
जाता है।

० से सेस्तका नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खो। इसी जगह
कमरका नाप लिया जाता है। ऊपर के ८½ से १ इं० नीचे १ र
कर २½ और १ ठीक चित्रके ऐसा सीधा रेखा जोड़ दो। कुर्त्त
यही जगह १½ इं० नीचे है। ८ से ३६ सीनाका नाप उसका ¼ ९ इ
कुल १० इं० लेकर १० इं० दूर पर १० रक्खो।

१६ से कमरका नाप ३२ और उसका ¼ ८ इं० और १ इ
कुल ९ इं० लेकर ९ इं० दूर पर ९ रक्खो। अभी देखा गया १६
९ हुआ ९ इं० दूर पर। १६ से ९ जितना दूर है २३ से उतना ह
अर्थात् ९ इं० और २ इं० अधिक मोट ११ इं० दूर पर ११ रक्ख
उसके बाद देखा गया फतुहाके नीचेका घेर चौड़ा है, कमर जित
चौड़ा है उससे २ इं० अधिक।

११ से १ इं० ऊपर १ रख कर २३ और १ ठीक चि
ऐसा जोड़ दो।

अभी चित्रके ऐसा १ से ९, ९ से १० जोड़ करके रख दे
फतुहाका पीछा भाग बन गया। अभी कैंची लेकर ½ से २½
२½ से १ रेखा, १ से १०, ९ और ११ रेखा काट कर रख
इसी तरह पीछा भाग काटा हुआ हो गया अभी सामना
काटना होगा।

सामना भाग (Front Part)

पीछे भागके ऐसा लम्बाके नापसे १ इं० अधिक एक खण्ड कपड़ा लेना होगा। उसका चौड़ा पीछाका सीना का आधा और ६ इं० अधिक लेनेसे जितना होता है उतना ही लेकर इसी कपड़ाके बीचमें लम्बा करके भांज करके रख दो।

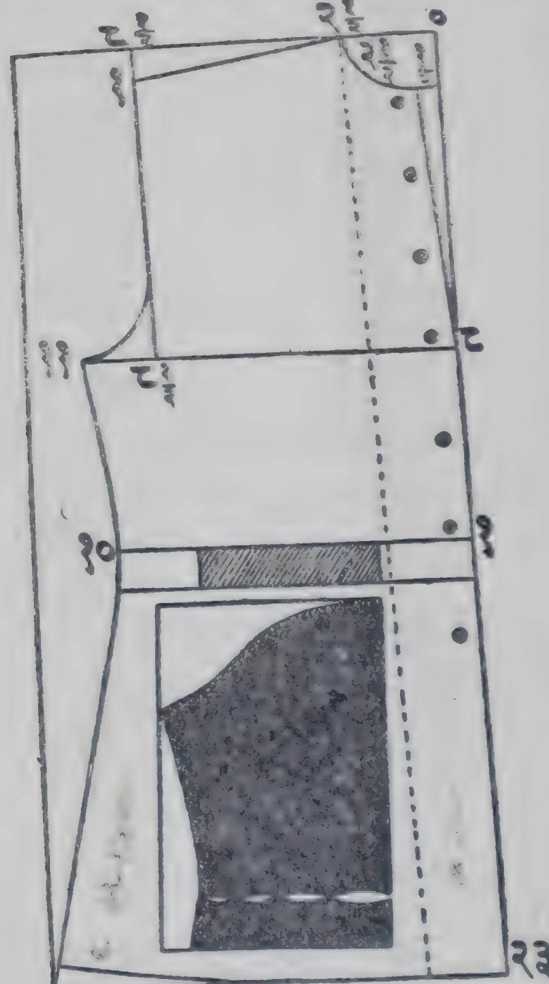
० से ८ इं० नीचे मोढ़ाका नाप ८ रक्खो।

० से १६ इं० नीचे सेस्तका दाग देकर १६ रक्खो।

८ और ० से ८½, पुटका नाप ८ और ½ इं० अधिक ८½ इं० दूर पर ० से २½ गलाका नाप १४ इं० का ¼=३½ इं० से १ इं० कम २½ इं० दूर पर भी कुर्त्ताके ऐसा गलाका दाग देना होगा। ८ से सीनाका नाप ३६ इं० का ¼=९ इं० और २ इं० अधिक मोट ११ इं० लेकर ११ इं० दूर पर ११ रखना होगा। ख्याल करके देखो पीछे का सीनाका ¼ और १ इं० अधिक रक्खा गया है। अभी सामना भागके १ इं० के स्थानमें २ इं० अधिक रक्खा गया है। उसके बाद मोटाके ऊपर सीनाके नाप से ६ इञ्च अधिक रक्खा गया है। इसका १ इं० सिलाई यही कम जाने पर ५ इं० पर पक्का सिलाई करोगे। कमीज कुर्त्तासे मोट ८ इं० अधिक ढीला रक्खा जाता है उसमें से सिलाईमें १ इं० कम जाने से ७ इं० ढीला है। अभी देखनेसे मालूम होता है कमीज कुर्त्तासे फतुहाका एलाउएन्स (allowance) २ इञ्च कम रहता है।

१६ से १० कमरका नाप ३२ इं० का ¼=८ इञ्च और २ इञ्च

मोट १० इञ्च। २३ से १२ हुआ १६ से १० जो १० इञ्च है उस
और २ इञ्च अधिक मोट १२ इञ्च। १२ से १ इं० ऊपरमें १ रख



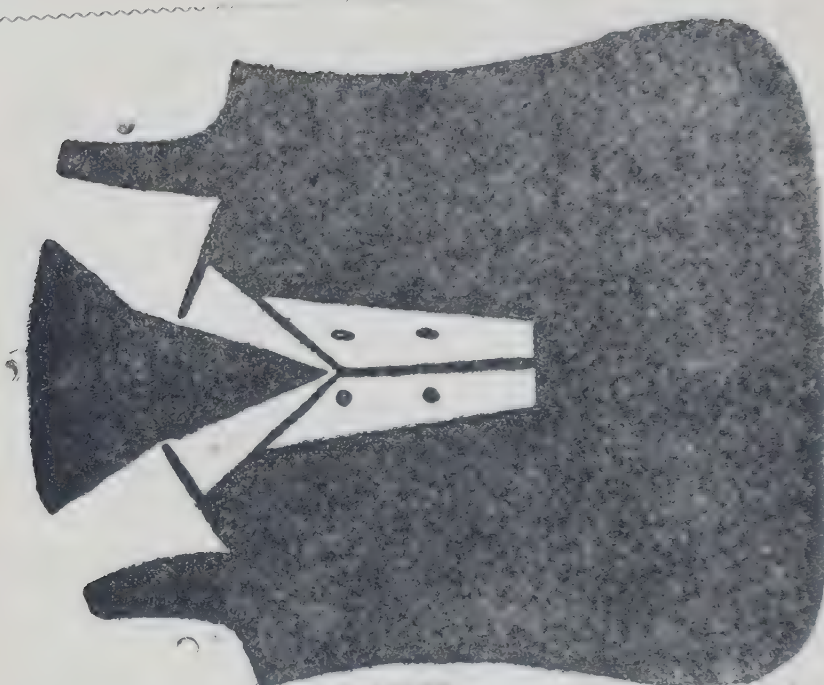
चित्र नं० ५

२३ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ देना होगा। अभी
भागसे कुर्त्ताके ऐसा हिसाब करके गलाका बिन्दु दिया हुअ
काट लोगे ऐसा होनेसे सामनाका दोनों भाग काटा हो गया

तैयार करनेके समय सामने भागमें जिस जगह बटनका घर तैयार होगा अर्थात् जो हिस्सा बांया तरफ रहेगा उसमें ८ और ½ रेखा जिस तरहसे है उसी तरहसे काट लोगे। उसके बाद दो सामना भागके चित्रमें जो लम्बा ऐसा बिन्दो-बिन्दी दिया हुआ रेखा ड्राइङ्ग किया हुआ है इसी तरह दो कपड़ा काट कर दोनों सामना भागके नीचे या भीतरमें जोड़ कर सिलाई करना होगा। दोनों सामनाके दोनों बगलके लिये दो पाकिट तैयार करना होगा। उसके बाद ठीक पाकिटके मुँहके ऊपर भीतरमें अर्थात् कमरका नाप जिस जगहमें लिया है उस जगह एक फीताके ऐसा सिलाई करना होगा उसीके साथ पाकिटका जोड़ रहता है। नीचे वा (Down) में एक इंच परिमाणका कपड़ा जोड़कर सिलाई कर दोगे। दो सामना भागके दोनों बगलमें १ से २½ इञ्च ऊपर तक खुला रक्खोगे। यह तुम्हारा फतुहेका सामना भाग हो गया। अच्छी तरहसे सामना और पीछा भागके चित्रमें देखनेसे सब समझमें आ जायगा।

कमीज

आजकल बहुत किस्मकी कमीज प्रचलित है। उसमें अधिक-तर केवल कालर ही में फर्क रहता है। कौन-कौन किस्मके फैशन में फर्क रहता है। टेनिस कमीज, स्मार्ट कालर कमीज, स्पोर्टिंग कमीज इत्यादिमें केवल कालरका फर्क रहता है। डबल कफ, स्कायर कफ, ड्रेसिंग कमीज, मलेटरी कमीज इत्यादिमें फैशनका फर्क है लेकिन सभी कमीजके काटनेका तरीका एक ही है।





साधारणतः डबल कफ वा अमेरिकन कमीजका कफ डबल रहता है। इच्छानुसार इसमें वेन्ड कालर और टेनिश कालर भी होता है। स्कायर कफ कमीजके कफको लम्बाई १० इं० और चौड़ाई ३ इं० होती है। भीतरमें कड़ा कपड़ा देकर तैयार करना होगा। इसमें साधारणतः लं० क्लौथका रहता है।

ड्रेसिंग कमीज और डबल ब्रेष्ट कमीज—इसके सीना के ऊपरसे होकर डकल ब्रेष्ट नहीं होकरके डबल ब्रेष्ट सेपका प्लेट रक्खा जाता है। चित्र देखो तब समझ जाओगे।

मलेटरी कमीज और एक प्रकारका टेनिस कमीज

यह साधारणतः खाकी कपड़ाका होता है। सीनाका प्लेट २ या २½ इञ्च चौड़ा होता है। कन्धेके ऊपर बीचमें दो स्ट्राप रहता है।

ख्याल करो तुम्हारी कमीज काटनेके समय नीचे लिखे नापसे होगा।

नाप—लम्बा ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी ७।

जिस हिसाबसे कुर्त्ताका कपड़ा लिया गया है ठीक उसी हिसाबसे इसका भी कपड़ा ले लोगे। हिसाब हुआ २ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह अधिक। अभी इसी कपड़ासे पहले लम्बाईके डबलके बराबर और २ इञ्च अधिक कपड़ा काट लो। उससे सामना और पीछा

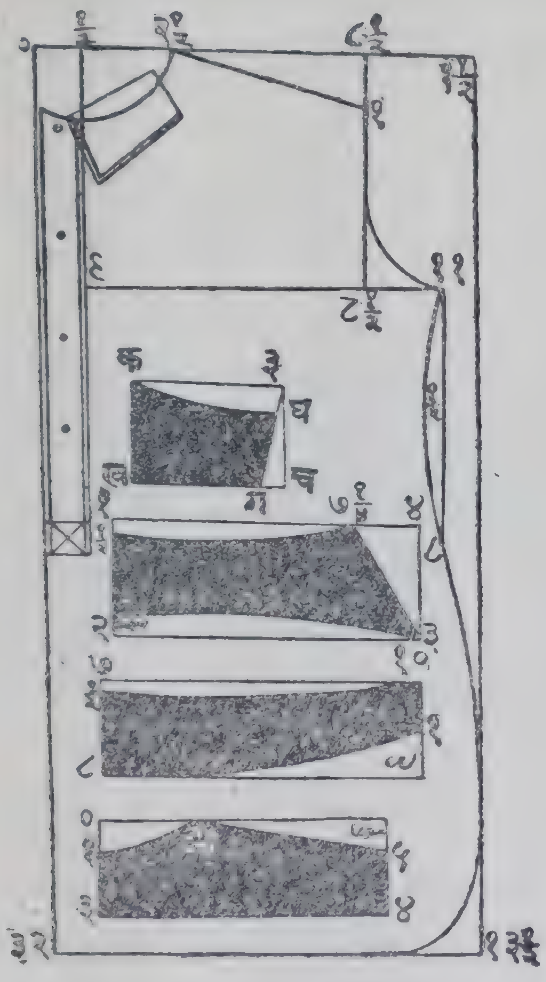
का काटोगे। अभी कमीजके सीनाका नाप ३६ से उसका ¼ ६
बाद देकर रहा २७ इं०। कमीजके कपड़ेका घेर रक्खोगे २७ इ
यदि कोई कपड़ा २७ इं० से अधिक होगा तो २७ इं० र
बाकी कपड़ा काटकर रख दोगे। अभी समझना होगा कमी
घेर होगा सीनाके नापका ¼ बाद देकर जितना बचेगा उतन
अभी कमीजके कपड़ेको कुर्त्ताके ऐसा चौड़ा २७ इसका आधा
लम्बा-लम्बा करके भांज कर लो।

७ से १½ और ३२ से १३½ मान लो कि जो वही भांज
हुआ कपड़ाको बिछा लिया है।

७ से ३२ हुआ लम्बा और १ इं० अधिक सब ३३ इं०।
१½ और ३२ से १३½ हुआ घेराका आधा १३½ इं० अथ
इं० चौड़ा कपड़ा जो रक्खा हुआ उसका आधा १३½ इं०।
कपड़ासे पहले १½ इं० परिमाणका कपड़ा रखकर १½ इं०
½ और ६ एक रेखा खींचो। यही कपड़ा कमीजके सीना
लिये रख दोगे। अभी कमीजका नाप यही १½ और ६ रेखा
होगा। ½ से ६ मोढ़ाका रेखा। कमीजका मोढ़ा सीनाके
¼=६ इञ्चसे १ इञ्च कम होगा। या ½ से ६ हुआ ८ इञ्च
फतुहामें भी मोढ़ाका नापमें ठीक यही फर्क देखा जाता है
नाप ठीक कुर्त्ताके ऐसा।

½ से ८½ और ६ से ८½ ठीक कुर्त्ताके ऐसा पुट ८ औ
अधिक सब ८½ इंच। ½ से २½ ठीक २½ इंच दूर पर
हिसाब हुआ गलाका नाप १४ का ¼, ३½ इंचसे १ इं० कम

समूचा गला ठीक कुर्त्ताके ऐसा नापकर काटना होगा। इसको सामना भागसे होकर काटोगे।



चित्र नं० ७

८½ से १¼½ इंच नीचे। ६ से ११ हुआ सीनाका नाप ३६ का ¼ और २ इंच सब ११ इंच। ११ से ८ इंच नीचे ८ तक पंजाबी के ऐसा एक सीधा रेखा खींचो उसके बाद ८ और ११ इसके ठीक

बीचसे ½ इंच भीतरकी तरफ ½ रखकर ८ और ११ ठीक चि
ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ दो।

देखो कुर्ताके ऐसा इसका भी शेप किया है। उसके बाद नी
चित्रके ऐसा सब आधा गोला करके जोड़ देनेसे ही कमीजका ड़
हो गया।

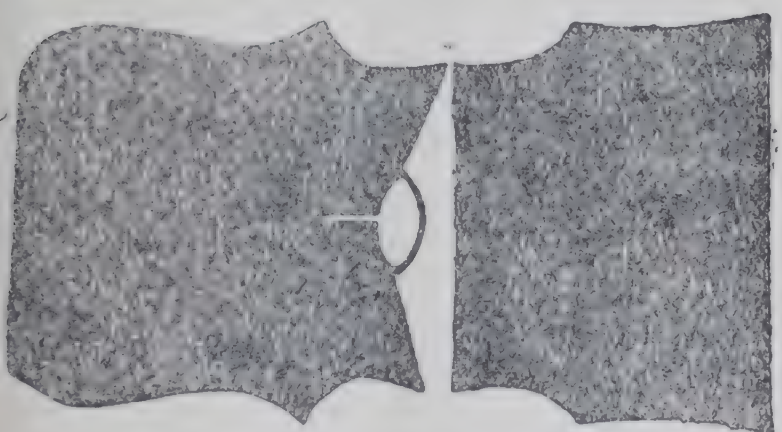
पहले २½ से १ रेखाके ऊपरसे काट दो। उसके बाद १ से
½, ८ गोलाकार रेखाके ऊपरसे काटकर ३२ तक चले जा
सामना और पीछा भाग खोलकर अलग कर लो। सामना भ
कुर्ताके ऐसासे गला और मोढ़ाका नाप अधिक काटना होगा।
टेनिश कमीज या स्मार्ट कालर कमीज हो तो ठीक चूड़ीदार आ
के ऐसा आस्तीन कटोगे। यदि स्कोयार कफ या डबल कफ क
होगा तो दूसरे ही नियमसे काटा जायगा। उस जगह लिख
जायगा। आगेके पन्नाके चित्रमें देख लो। अभी कमीजके
ऊपर जो कपड़ा है काटकर उसके बाद उसमेंसे वेन्ट का
टेनिश कालर या कफ काट लोगे।

टुकड़ा—इसमें दो टुकड़े कपड़ेकी और जरूरत है।
सामना भाग और पीछा भागके कन्धामें जोड़ना होगा। एक
कमीज देख लेने पर यह सब टुकड़ा आसानीसे समझमें आ ज
कपड़ा काटनेके समय पुटका नाप जितना रक्खा गया है उसक
लम्बा और ३ इंच चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा लोगे। अभी इस
कपड़ेको आधा भाग करके कमीजका जो पुट रक्खा गया है
बराबर है। तुम्हारा पुट रक्खा गया है ८½ इंच कपड़ा होग

डबल १७ इंच । इसको आधा भांज करने पर ८½ इंच हुआ। वही हुआ हमारा जो कपड़ा भांज किया गया है ०, ३, ५, ४, ६ । चित्रमें नजर दौड़ाने से सब समझ जाओगे।

० से ठीक एक इंच नीचे एक दाग दो और २½ ठीक २½ इंच दूर पर रक्खो। २½ और उस दागको ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

६ से १ इंच नीचे ५ रखकर २½ और ५ एक सीधा रेखा खीच कर जोड़ दो।



तीरा कैसे जोड़ा जाता है।

चित्र नं० ८

अभी नीचेके दागसे २½ रेखा और २½ से ५ रेखाके ऊपर होकर काट लो। नीचेके दागसे २½ रेखा हुआ पीछेका गला और २½ से ५ रेखा कमीजके सामना भागका २½ और १ रेखाके साथ सिलाई करना होगा। ३, ४ रेखा कमीजके पीछाके ऊपर भागके साथ सिलाई करोगे।

वेन्ड कालर—कमीजका वैन्ड वा सीधा कालर काट
गलाका नाप जितना लम्बा है उतना और १½ इंच अधिक ल
और २ इंच चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा लो। इस जगह हमारे गल
नाप है १४ इंच। इसके लिये कपड़ा होगा १४ और १½ सब
इंच लम्बा और २ इंच चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा। अभी इसको प
समान लम्बाका आधा दो भांज करो। भांज करके ७, ८, ९
१० यह चित्रके ऐसा कपड़ा रक्खे हैं। ७ से आधा इंच नी
रखकर ½ और १० ठीक चित्रके ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ द

९ से १ इं० ऊपरमें रखकर ८ और ९ रेखाके बीचसे
खींच कर चित्रके ऐसा १ के साथ जोड़ दो। अभी ½ से १०
८ से १ रेखाके ऊपर होकर काटनेसे बैन्ड कालर काटा
हो गया।

टेनिस कालर—गलाके नापके बराबर लम्बा औ
इं० बड़ा और उसी चार इं० बड़ा तक दो टुकड़ा कपड़ा लेकर
लम्बाईको आधा भांज कर दो। १, २, ३, ४ इसको चित्र
कपड़ा रक्खोगे। १ से ½ इं० नीचे ½ और १ से गलाके
आधा ७ इं० और पाव इं० सब ७¼ सवा सात इं० दूर प
रक्खो। ७¼ और ½ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ७¼ और ३
रेखा खींच कर जोड़ दो।

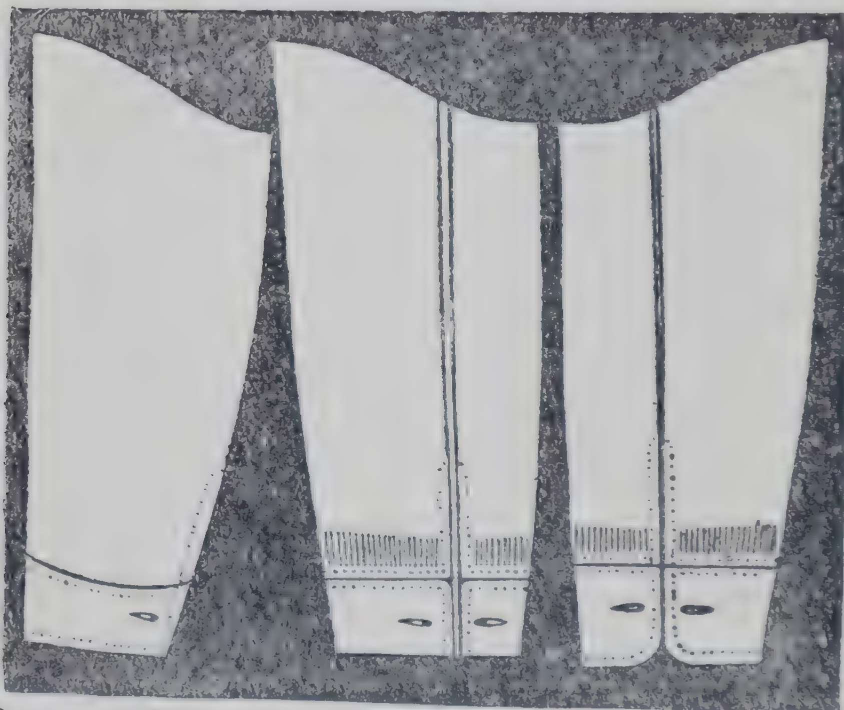
२ से ½ इं० ऊपरमें ½ रखकर चित्रके ऐसा ½ और ३
ऊपर से काट लेनेपर कालरका दोनों टुकड़ा कपड़ा काटा हो
यही कालरका दोनों टुकड़ा कपड़ा बैन्ड कालरके साथ
सिलाई करना होगा।

कफ—टेनिस कमीजके आस्तीनके मोहरीके ऊपर जो एक टूकड़ा कपड़ा सिलाई किया हुआ है उसीको कफ कहते हैं। (आस्तीन के चित्रमें देखनेसे समझ जाओगे) कफके लिये ३ इञ्च चौड़ा और मोहरीके नापके बराबर लम्बा लेना होगा। क, ख, ग, घ जिस तरह से बनाया हुआ है ठीक उसी तरह दो टुकड़ा कफ काटना होगा। कपड़ा भांज कर लेने पर ख से ३ इञ्च ऊपरमें क रक्खो। ग से घ २ इञ्च। इसको चित्रके ऐसा काट लोगे। कफ काटनेके समय कपड़ेको मोहरीके ऊपर रखकर इसी नापसेकाटनेसे आसान होता है।

अब कमीजको सिलाई करो। इसके बगलको जोड़नेके समय बगलके पाकिटको सिलाई करना होगा। इसका नाप ठीक कुर्त्ताके पाकिटके नापके बराबर काटना होगा।

पहले सामना भागके ७ से १६ इञ्च तक नीचेके तरफ प्लेटके दागके ऊपरसे काट लो। यही जगह सीनाका खुला हुआ जगह होगा। प्लेटको जोड़ दो। इस समय प्लेटके भीतर एक टुकड़ा और कपड़ा दे दोगे। जिससे प्लेट कुछ कड़ा रहता है और काजघर बनाने और सिलाई करनेमें अच्छा होता है। इसी कपड़ेको डक वा इस्ति कहते हैं। कमीज, कुर्त्ता वगैरहके प्लेटमें इसी तरह डक देना होता है। कालर तैयारी करनेके बाद इसी डकका जरूरत पड़ती है। पीछेका प्लेट भीतरमें १ इञ्च जोड़कर रक्खो। इस जगहके लिये एक तैयारी कमीजमें देख लोगे। अभी तीरा जो काटा हुआ है उस का ३ और ४ रेखा पीछाके ऊपरसे साथ-साथ जोड़ दो।

उसी तीराका २½ और ५ रेखा सामनाके दोनों कंधामें २½ और १ रेखाके साथ सिलाई कर दो तब सामने और पीछेका जोड़ हो गया। अब बगल (साइड) सिलाई करके पाकिट सीना होगा। आस्तीन सीनेके समय चूड़ीदार कुर्ताके आस्तीनके ऐसा मुहरीके मुंहके लिये ४ इञ्च खुला रहेगा। एक तैयारी आस्तीन देख लेनेसे आसानी होगा।



टेनिसकफ डबलकफ स्कायरकफ

चित्र नं० ९

अब टेनिस कालरके ७½ और ३ रेखा दोनोंको और ½ और ३ रेखाके बगलको सिलाई करके उल्टा दो। उसके बाद बैन्ड कालर के ½ और १० के बगलको टेनिस कालरके साथ सिलाई करके उल्टा

लो। उसके बाद ८ और १ रेखा कमीजके गलाके साथ जोड़ देनेसे टेनिस कालर तैयार हो जायगा।

सभी कमीजके काटनेका नियम एक ही तरह है। लेकिन जिस समय स्मार्ट कालर कमीज काटना होगा उस समय उसमें सीनाका ¼ और २ इञ्च नहीं रखकर १½ इंच अधिक रक्खोगे। सीनाके प्लेटके लिये एक इंच चौड़ा कपड़ा रक्खोगे।

टेनिस कमीज, स्माटकालर कमीज, मलेटरी कमीज आदिके आस्तीनका कपड़ा मोढ़ाके नापसे एक इं० अधिक चौड़ा कपड़ा रखना होगा। जिस तरह इसके मोढ़ाके साथ तीरा जोड़ देने पर मोढ़ा अधिक चौड़ा हो जाता है।

अभी डबल कफ वा स्कायर कफ (छोटा) कमीजका आस्तीन काटोगे तब उसके कपड़ोंको भांज करनेमें कुछ फर्क देखा जाता है। साधारण आस्तीनका कपड़ा चौड़ा बोचसे भांज किया जाता है। इसमें इस तरहसे नहीं होता है। साधारण आस्तीन काटनेके समय मोढ़ाके नापका डबल और १ इंच अधिक अर्थात् ८+८+१=१७ इंच कपड़ा लिया जाता है इसमें उसके ठीक बीचमें ८½ इं० से भाँज नहीं करके १७ इंचको ३ हिस्सा किया। दो हिस्साको १२ इंच और १ हिस्सा को ५ इंच रक्खा। पहले १२ इंच का आधा ६ इंचसे भाँज करके ले लेंगे इसके वाद ५ इंचका आधा २½ इंचसे भाँज ले करके दोनों के मुंहको इकट्ठा कर लोगे। डबल कफके आस्तीनके चित्रमें देखनेसे समझ जाओगे। अब आस्तीनके मोढ़ाके शेपके ऐसा शेप कर दो। डबल कफ कमीजका आस्तीन लम्बाईके नापसे १½ इंच और स्कायर

कफ कमीजका आस्तीन २ इंच छोटा रक्खा जायगा। क्योंकि इसके साथ अलगसे एक कफ जोड़ा जाता है। डबल कफ कमीजका कफ १० इंच लम्बा और ४½ इं० चौड़ा रखकर काटना होता है। कफ तैयारी करके उसके चौड़ाको ठीक बीचसे उल्टाना होगा। स्कायर कफमें १०½ इं० लम्बा और ३½ इंच चौड़ा लेकर काटना होता है। इसके कफके भीतरमें कड़ा डक वा अस्तर देना पड़ता है। डबल कफमें नरम पतला कपड़ा चाहिये। कफके साथ आस्तीन जोड़नेके समय आस्तीनके कपड़ेको सिकुड़ाकर कफके ठीक बराबर करके तब कफके भीतरमें रखकर सिलाई करना होता है। इस सब कमीजमें प्रायः बैन्ड वा हाई कालर होता है। आस्तीनके चित्रको अच्छी तरह देखनेसे काटने और सिलाई करनेमें सुविधा होगी। डबल कफ वा स्कायर कफके कमीजका आस्तीन पहले बगल और कफ जोड़कर उसके बाद काटोगे। बगल सिलाई करके एक उसके ऊपरसे सिलाई करके उल्टा भागमें आस्तीन काटोगे नहीं तो दोनों आस्तीन एक ही तरफ लगनेके लायक रहेगा।

पैंट (Trouser)

पैंट काटनेमें कपड़ेका हिसाब होगा एकहरा कपड़ा होने पर २ लम्बा और आधा गज कपड़ा अधिक। यदि दोहरा कपड़ा होगा तब लम्बाई उतना ही और ४ गिरह अधिक। यदि सूती कपड़ेका पैंट होगा तब एकहराके लिये २ हाथ लम्बा और आधा गज अधिक कपड़ा। इसके पाकीट वगैरहके लिये अस्तरका कपड़ा होगा। अस्तर का कपड़ा १२ गिरह लगेगा। और यदि गर्म कपड़ेका पैन्ट होगा

तब इसके पाकीट वगैरहके लिये पैंटके कपड़ाके ऐसा रङ्गका सूता और केलिको कपड़ेका होगा। पाकिटके लिये ६ गिरह केलिको कपड़े का और २ गिरह छीटका जरूरत पड़ता है। पैन्ट इङ्गलिश स्टाइलका या अमेरिकन स्टाइलका (डिजाइन) का होता है। हम पहले इंगलिश पैंटके बारेमें लिखेंगे। सभी तरहके पैंटको काटनेका एक ही किसिम से नाप लेना होता है।

सामना भाग (Front Part)

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, घुटना २०, मोहरी १७।

८ से लम्बाके नापसे आधा इं० अधिक करके ८,४२ रेखा खींचो।

८ से पीछाका नाप ३६ का $\frac{1}{3}$ या १२ इंच नीचे १२ रक्खो। १२ से ८ तक ऊपरके भागको हाई (ऊँचा) कहते हैं।

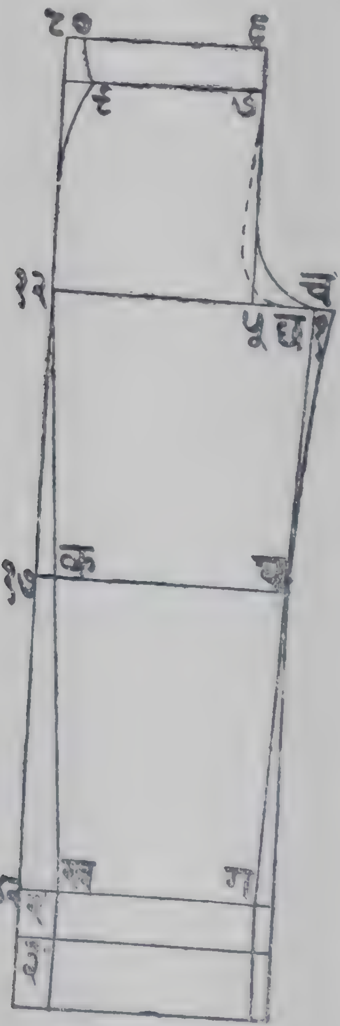
१२ से ४२ तक नीचेके भागको सेकम (पैरकी लम्बाई Leg lenth) कहते हैं। १२ और ४२ इसके बीचमें अर्थात् आधासे और २ इंच ऊपरमें १७ रक्खो। इसी जगहसे घुटनेका नाप लेना होता है।

१२ से पीछाका नाप ३६ का $\frac{1}{3}$, १२ इंच और $\frac{1}{2}$ इं० अधिक १२$\frac{1}{2}$ इंच दूर पर च रक्खो। च से ५ हुआ च से १२ जितना है उसका $\frac{1}{4}$ भाग।

१२ से ५ और ८ से ६ बराबर दूर रक्खो। ७, ६ रेखा ८, ६ रेखासे २ इं० नीचे। ७ से ६ कमरका नाप ३२ इं० का $\frac{1}{4}$, ८ इं०

और $\frac{१}{२}$ इं० सब ८$\frac{१}{२}$ इं०। ७, ६ भागसे ६, ० भाग आधइं० बड़ा। ६ रेखाके ठीक बीचसे च तक चित्रके ऐसा जोड़ दोगे।

पतलूनका सामना भाग



चित्र नं० १०

१७ से १ इं० भीतर में क और ४२ से १$\frac{१}{२}$ इं० भीतरमें ख रक्खो।

क से घुटनाका नाप २० इसका आधा १० और $\frac{1}{2}$ इञ्च अधिक सब १०$\frac{1}{2}$ इञ्च दूर पर "घ" रक्खो।

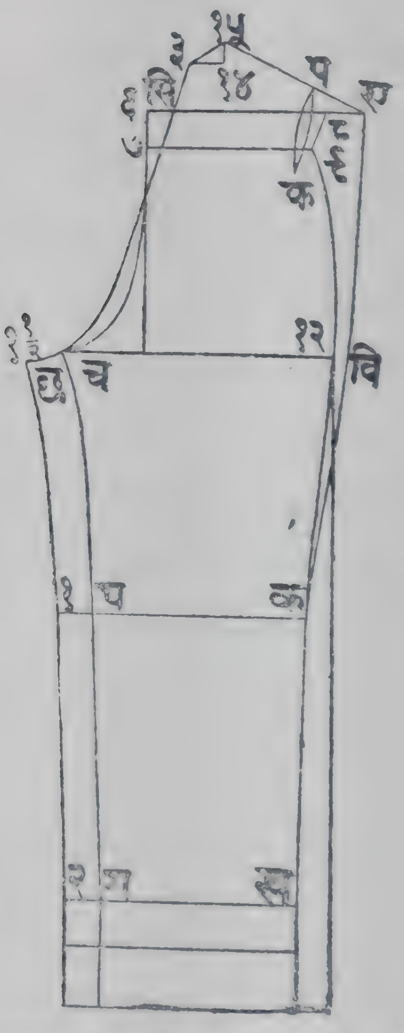
ख से मोहरीका नाप १७ इञ्च का आधा ८$\frac{1}{2}$ और $\frac{1}{2}$ इञ्च सब ९ इञ्च दूर पर ग रक्खो।

अभी ०, ६, १२, क, ख, ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद च, घ, ग ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ख, ग रेखाके नीचे और ५ इञ्च अधिक कपड़ा लेकर ठीक ड्राइंग किया हुआ रेखाके ऊपरसे काट लो तब सामना भाग काटा हो जायगा। यही ५ इञ्च अधिक कपड़ा पैंटके नीचेमें फोल्डींगके लिये रक्खा गया है। इसको मोड़ करके सिलाई करना होता है। उसके बाद सामनाका दोनों टुकड़ा जिसमें दाहिना तरफ सिलाई होगा उसी भागसे और घ, छ, च रेखाको काट देना होगा। इसको ड्रेसिंग कहते हैं। इसको नहीं काटनेसे दाहिने तरफके पैरके कपड़ेको बेशी भांज करना पड़ेगा। ७, ५ छ जो बिन्दी-बिन्दी रेखा है और दाहिने तरफके हिस्सासे काटना होगा।

पीछा भाग (Back)

कपड़ेसे जिस किनारासे सामना भाग काटा गया है उसका ठीक उल्टा भागसे पीछाका कपड़ा काटना होगा। अभी काटा हुआ सामना भाग इस कपड़ाके ऊपर बिछा दो। इस कपड़ाके जिस स्थानसे कमरका हिस्सा हुआ है उसी हिस्सासे मोहरी काटोगे। और जिस तरफसे मोहरी काटोगे उसी बगलसे कमर काटोगे।

तब देखो सामना और पीछा भाग किस तरहसे कपड़ासे काटोगे।



पतलूनका पिछाड़ी भाग चित्र नं० ११

सामना भागमें कमरके किनारे में ८ से १½ इञ्च दूरपर ए रक्खो। १२ से १ इञ्च दूर पर बी रखकर ए, बी इस तरहसे जोड़ो

कि ए, बी रेखासे धीरे-धीरे सामना भागके क बिन्दूके साथ मिलकर क, ख रेखाके साथ मोहरी तक चला जाय।

च से १½ इञ्च दूर पर १½ और घ, ग से १ इञ्च दूरपर १ और २ रखकर १½, १ और २ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। हम कमरका नाप जो लिये हैं उसका आधा १६ इञ्च और १ इञ्च सब १७ इञ्च लोगे। अभी पैन्टके सामना भागके हिस्सासे कमरका नाप ८½ इञ्च पहलेके १७ इञ्च से बाद देकर जो बचा ए से ठीक उतना ही इञ्ची दूरपर सी दाग दो। सी और च चित्रके ऐसा जोड़ करके च से छ जोड़ दो। १½ से छ पौन इञ्च नीचे है।

सी से तीन-चार इञ्च ऊपरमें। ३ से १४ दो इञ्च दूर पर। १४ से १५ दो इञ्च ऊपरमें। ए, १५, ३ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ए से ३ इञ्च दूरपर प का दाग देकर प से पाँच इञ्च नीचे तक दाग देकर फ रक्खो। उसके बाद प और फ ठीक ब्राइकेटके ऐसा बनाओ। इसके बीचका फांक आधा इञ्च होगा।

इसके पीछा भागसे कपड़ा काटनेके समय ए, बी, क, ख और ३, १½, १, २ रेखाके बगलमें १ इञ्च अधिक कपड़ा लेकर काटोगे अभी एक सामनाका और एक पीछाका लेकर सिलाई करनेके लिये आरम्भ करो। ए, बी, क, ख रेखाको पैन्टका बगल बोलते हैं। सिलाई करनेके समय पहले बगल उसके बाद सेकम तब फ्लाइ, काजपट्टी, बटन पट्टी सिलाई करोगे।

सामना भागके ८, ६, क, ख रेखा पीछा भागके ए, बी क, ख रेखाके ऊपर सिलाई करना होगा। यही बगल सिलाई करनेके पहले

८ से ६ तक सिलाई होगा। उसके बाद ६ से ६ इञ्च परिमाण नीचेके पाकीटका मुंह खुला होगा। यह पाकीट १४ इञ्च लम्बा और १४ इं० बगल रक्खोगे। पाकीटके लिये मुंह खुला रखकर बाकी सब सिलाई कर दोगे '



"म" सामना भाग। "न" पिछाड़ी भाग।
८ पाकेट १८। फ्लाई ५। स्ट्रैप। १७ सिता।

कटे हुए पतलूनका चित्र नं० १२

सामना भागके च, घ, ग रेखा पीछा भागके १½, १, २ रेखाके

ऊपर रखकर सिलाई करोगे। इसके बाद दाहिना सामना भागमें बटन पट्टी (फलाई) और बाया सामना भागमें काजपट्टी लगा दो।

पीछा भागमें दो स्ट्राप लगाओ। इसके एकमें बकलेस रहेगा। अभी दोनों हिस्सा (म्याना) को इकट्ठा करके दागके ऊपरसे सिलाई कर दो। म्याना जोड़नेके पहले कमरके ऊपरके जगहको तीन इं० चौड़ा लंक्लाथ का एक पट्टी जोड़ दो। इसको सिस्तका पट्टी बोलते हैं। म्याना जोड़ देनेके बाद फोल्डिंगको उलटकर सिलाई कर दो। इस समय देखोगे कि दोनों पैर ठीक बराबर लम्बा है।

पैंट काट कर जो चित्रमें दिखलाया गया है उसमें एक हिस्सा म है और एक हिस्सा न है। सामना भाग म सफेद कपड़ा पीछा भाग न काला कपड़ाके ऊपर रक्खा हुआ है। उसी चित्रमें देखो ८ पौकेट का, १८ फलाईका। न चित्र पीछा भागमें १७ सिन्तीका कपड़ा किस जगह कैसे जोड़ा जाता है वही दिखलाया गया है। ५ पीछाका स्ट्राप है।

करपुलेन्ट वा सेमी करपुलेन्ट पैन्ट

पैंटके नापमें यदि किसीके पीछाका नाप और कमरका नाप बराबर देखा गया तब उसको सेमी करपुलेन्ट नाप कहते हैं और यदि देखा गया कि पीछाके नापसे कमरका नाप बड़ा है तब उसको करपुलेन्ट फीगर (Figure) कहते हैं। इस तरहका नाप होनेसे समझोगे कि यह आदमी घोधवाला या बड़ा पेटवाला है।

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३५, घुटना २०, मोहरी

१८। लम्बाईके नापसे १ इञ्च अधिकर लेकर ० से ४२ रे
खींचो।



करपुलेंटपैंट चित्र नं० १३

० से १२ पीछाका नाप ३६ का ⅓ बारह इञ्च और १ इञ्च स
१३ इं०। साधारण पैंटमें देखा था कि पीछाके नापका ⅓ ऊँचा (High

रक्खा गया है। जिस समय करपुलेन्ट या सेमी करपुलेन्ट शरीरका होगा तब बड़ा एक इं० रखना होगा।

१२ से ४२ जितना लम्बा है उसके आधासे २ इञ्च ऊपरमें १७ रक्खो। इस जगहमें ठीक साधारण पैंटके ऐसा। १२ से पीछाके नापका $\frac{१}{३}$ बारह इं० और १ इं० अधिक सब १३ इञ्च दूर पर १३ रक्खो। १३ से ६ हुआ १२ से १३ जितना है उसका $\frac{१}{४}$ भाग दूर पर।

६ से ६ तक सीधा रेखा खींचो। ६ से ५ एक इञ्च दूर पर ६ से पौन इं० दूर और ७ से १ इं० दूर पर यथाक्रम २० और ४ रखकर चित्रके ऐसा जोड़ दोगे। ६ से १ इं० दूर पर ५ रखकर ० और ५ जोड़ दो।

क से घुटनाके नापका आधा और आधा इं० सब १०$\frac{१}{२}$ इं० दूर पर ८ रक्खो।

ख से मोहरीके नापका आधा और आधा इं० सब ६$\frac{१}{२}$ इं० दूर पर १४ रक्खो।

१३, ८, १४ चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके नीचे पांच इञ्च अधिक रखकर काटलो।

इसका पीछा भाग ठीक साधारण पैंटके ऐसा होगा।

राइडिंग ब्रिचेज़

ब्रिचेज़ दो तरहका होता है। राइडिंग (घोड़सवार) ब्रिचेज़ और जोधपुर ब्रिचेज़। राइडिंग ब्रिचेज़ जोधपुर ब्रिचेज़से ६ इं० कम होना चाहिये। इसके घुटनासे नीचेका चूड़ीदार पैजामाकी तरह

कसा हुआ (टाइट फिटिंग) होना चाहिये। यह चीज कर्ड खा
वा मोटा कपड़ाका होना चाहिये।

नाप—कमर ३१, शिट ३८, हाई १२½ से कम घुटना तव
१३, घुटना १४½, घुटनाके नीचे १३ काफ १४½, मुहरी १२।

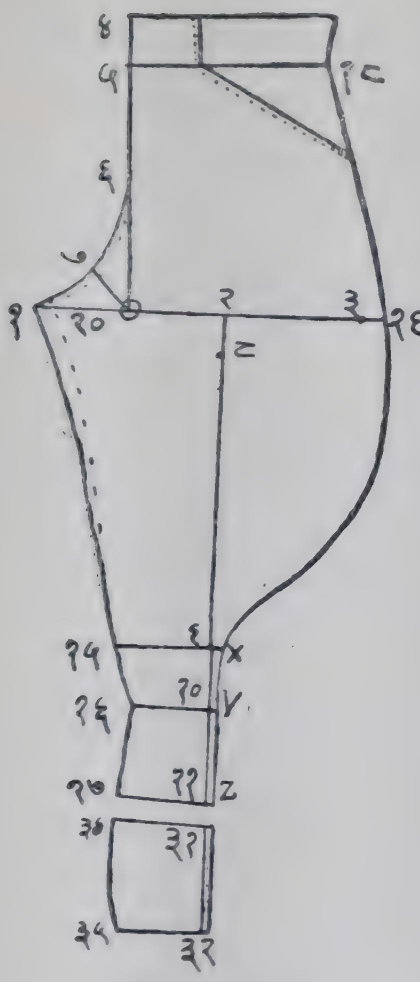
सामना भाग

० से ४ तक ऊपरमें एक लाइन खींचो। ० से १ शिटके नापका ½। ० से २ भी उतना ही है। २ से ३ शिटका ⅙ ० से ४ हाईके नापका बराबर। ४ से २ इं० नीचे ५ रखकर ४ और ५ से चित्रकी तरह दो सीधा लाइन खींचो। ० से ६, ६¼ इं० ऊपर। अभी ६ और १ चित्रके ऐसा जोड़ दो। २ से १¼ इं० नीचेमें ८ रक्खो। ८ से १३ इं० नीचेमें लाइन खीच कर ६ रक्खो।

६ से ८ दो इं० नीचेमें। १० से ११ तीन इं० नीचेमें। ६ से घुटनाके नापका ¼ की दूरी पर १२ रखकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। १२ से चित्रकी तरह १४ तक १२, १३, १४ लाइन खींचो।

१२ से घुटना नापका आधा दूर पर १५ रक्खो। और १३ से घुटनाके नीचेका नापका आधा दूर पर १६ रक्खो। १४ से काफके नापका आधा दूर पर १७ रक्खो। अब १ से १५, १५ से १६, १६ से १७ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

५ से कमरके नापका ¼ और ½ इं० अधिक लेकर १८ रक्खो। ३ से १½ इं० दूर पर १६ रक्खो। इन सबको चित्रके ऐसा जोड़ दो।



चित्र नं० १४

पीछा भाग

पहले १ से १½ इं० दूर पर २१ रक्खो। सामना भागके ६ से ½ ० दूर पर २२ रक्खो। अब २०, २२ एक सीधा रेखा खींच कर २३ तक ऊपर ले जाओ। २४ से ए कमरका ¼ और १½ इं०

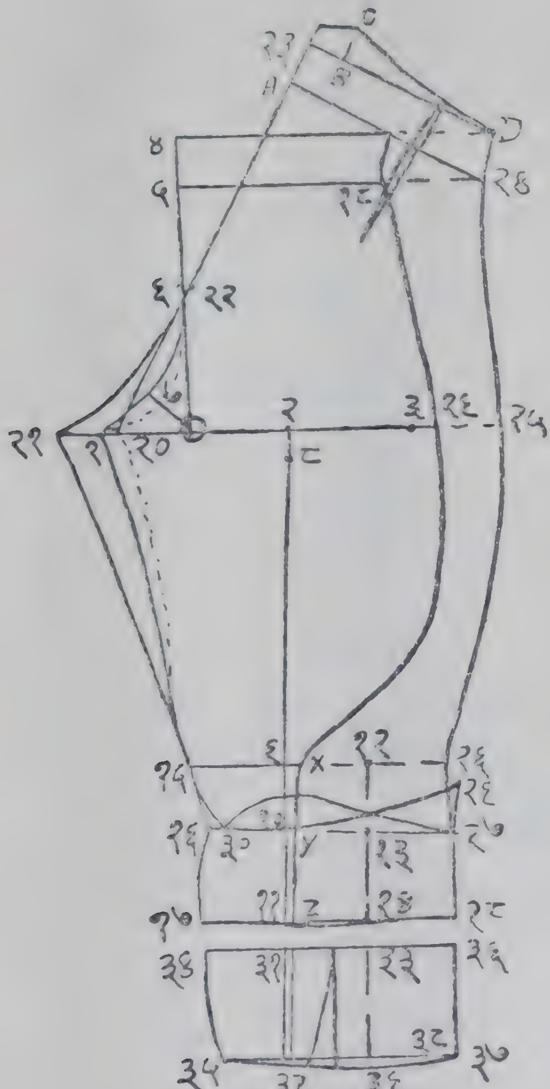
ज्यादा। १६ से २५, २½ इं०। २५ से डी तक एक सीधी लाइ
खींचो। अब डी, २४, २५ चित्रके ऐसा जोड़ दो। २३ और
सीधी लाइन खींच कर चित्रके ऐसा जोड़ दो।

२३ से २ इं० दूर पर उसी लाइनके ऊपर बी रक्खो। बी
१½ इं० ऊपर सी रखकर २५, सी, और डी चित्रके ऐसा जोड़ दो
इसके ऊपरमें पतलूनके पीछाके टेकीनकी तरह एक टेकीन लगाओ

१५ से २६ घुटनाका पूरा नाप और १ इं० अधिक लेकर जितन
होगा उससे १५ से x जितना होगा उतना बाद देकर रहेगा उतना ह
होगा। १६ से २७ घुटनाके नीचेका जितना नाप है, घुटनाका नाप
और १ इं० अधिक लेकर जितना होता है उसीसे १६ से y बा
करनेसे जितना बचेगा उतना ही होगा।

१७ से २८ काफका जितना नाप है उससे १ इं० अधिक लेक
जितना होगा उसीसे १७ से z जितना है उतना बाद देकर जो
बचेगा उतना ही होगा। टेकिनके लिये ६ से १ इं० नीचेमें एक दाग
दो २६ से २६ एक इं० दूर। ३०, १६ से ½ इं० दूर पर। अब
सबको चित्रके ऐसा जोड़ दो। अब नीचेका हिस्सा देखलो। ३१ से
३२, ४½ इं०। ३१ से ३३ काफके नापका ¼। ३३ से ३४ काफके
नापका ½। ३२ से ३५ मोहरीके नापका ¼। ३४ से ३६ काफके
नापसे १ इं० अधिक लेकर जितना होगा उसीसे सामना भागमें
काफमें जितना है उतना बाद देकर जो बचे उतना हो होगा। ३५ से
३८ मोहरीके नापका ७ में १ इं० जोड़नेसे जितना होगा उसीसे

सामना भागके मोहरीमें जितना, उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही होगा।

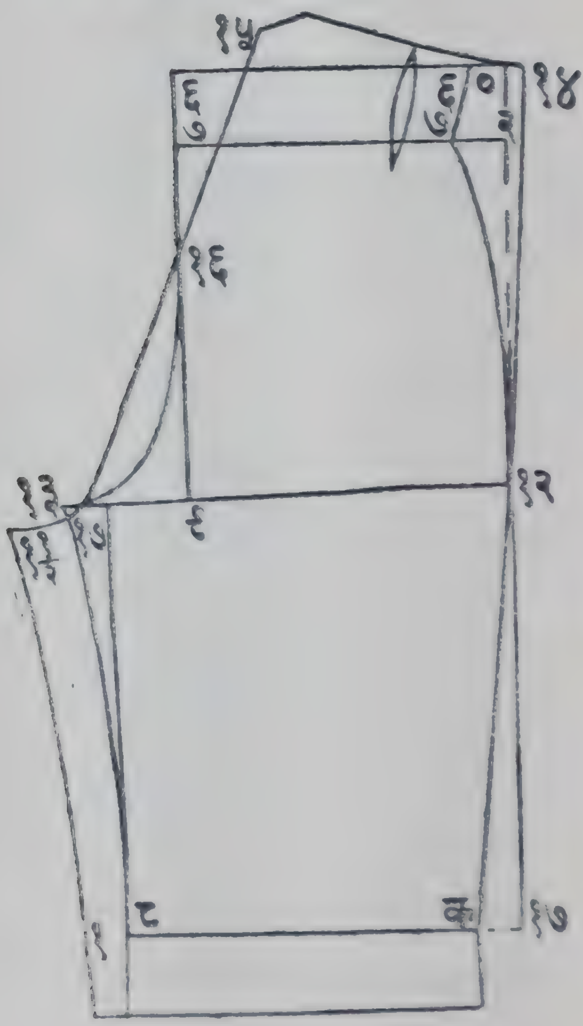


चित्र नं० १५

३२ से ३६ एक इं० दूर पर। चित्रमें जैसा एक टेकिन लगा

हुआ है वैसी ही टेकिन लगाओ। अब यह ब्रिचेज हो गया। इ
दोनों पैरोंमें घुटनासे नीचे खुला रहता है। इसके एकमें काज
और एकमें बटन रहेगा। चित्रको देखो चित्रमें भी बटनका चि
लगाया हुआ है। जोधपुर ब्रिचेजमें खुला नहीं रहता पूरा मिल
रहता है।

हाफ पैन्ट (Half Pant)



चित्र नं० २६·२७

हाफपैन्ट ठेहुना तक लम्बा होता है। इसका ठेहुना कुछ अधिक चौड़ा रहता है।। ठीक करपुलेन्ट पैन्टके नियमसे यह पैन्ट काटना होगा लेकिन इसमें २०, ४ रेखा जिस तरह टेढ़ा है उस तरह नहीं होकर साधारण पैंटके ऐसा इस जगह र जिस तरह शेप है उसी तरह शेप होगा। लेकिन यदि करपुलेन्ट होगा तब इसी तरह शेप होगा।

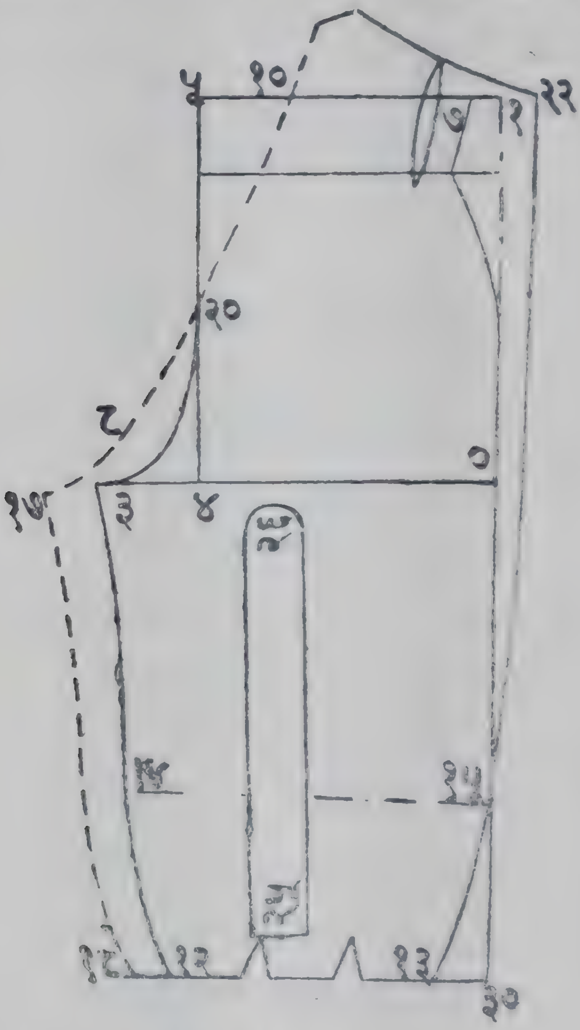
अमेरिकन प्लासफोर

साधारण इंगलिश पैन्टसे इसमें ऊपर (लम्बा) में फर्क है। अधिकतर पैन्टकी लम्बाई लेकिन साधारण पैन्टके ऐसा बनाना होगा। साधारण पैन्टकी लम्बाई पीछाके नापका $\frac{२}{३}$ रहता है। इस जगहमें लम्बाई उसके $\frac{१}{३}$ से २ इं० कम करके यही २ इं० एक अलग बैन्ड या पट्टी रखकर बराबर करना होगा।

१ से ३० लम्बाका नाप ३८ से २ इं० कम करके। १ से० हुआ पीछा का $\frac{१}{३}$ से २ इं० कम। १ से २२ जितना है उसका बराबर तीन भाग करके चित्रके ऐसा दो भागमें दो टेकिन लगादो। इसी टेकिनके सिलाई करनेसे सामना भागका शेप ठीक होगा।

सामना और पीछाका कमर नाप करके दोनों भागके लिये दो पट्टी काटो। इसका कमर है ३६ इं०। उसका हुआ १, २२, १०, ५, जोड़नेसे जितना हुआ ठीक उतना ही इं० लम्बा करके एक बैन्ड काटो। बैन्डके सामनाका चौड़ा २$\frac{१}{२}$ इं० काटो और पीछा भागमें २ इं० रक्खो। उसके बाद सिलाई करके सामनामें २ इं० और

पीछामें १½ इं० रक्खोगे। यही बैन्ड काट कर सामना और पीछा सिलाई करनेके बाद दोनों तरफ जोड़ दोगे। बैन्डके सामना भाग



चित्र नं० १८

में दो बटन और काजघर बनाओ। तब अमेरिकन पैन्ट होगा। इसके दोनों बगलमें ठीक बैन्डके नीचे स्ट्राप लगाओ। इसको साइड (बगल) स्ट्राप कहते हैं।

ड्रेसिंग पैन्ट (Dressing Pant.)

इसको ठीक साधारण पैंन्टके नियमसे काटना होगा। इसके नीचेमें कोई फोल्डिग नहीं होता है। साधारण पैन्ट जितना ढीला रहता है यह पैंट उससे कुछ कम ढीला रहता है।

वेष्ट कोट (Waist Coat)

सामना भाग Front Part)

वेष्ट कोट तैयारी करनेमें पहले नाप जितना लम्बा होगा उससे १ इं० अधिक रक्खोगे।

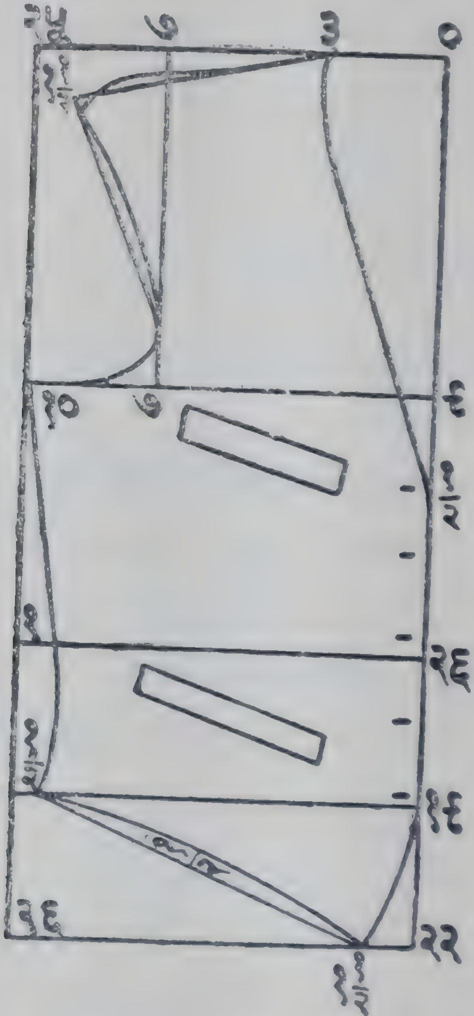
यदि लम्बाईका नाप नहीं रहेगा तब सेस्तके नापसे सामना भाग में लम्बाई ६ इं० बड़ा रखना होगा। वेष्ट कोटके लिये कपड़ा गर्म और सूती भी होता है। १२ गिरह अर्जका कपड़ा लेनेसे काम चल जायगा। यदि सूती कपड़ेका वेष्ट कोट होगा तब इसका पीछा भाग सादा लंक्लौथका रहेगा। और जब गर्म कपड़ेका होगा तब इसका पीछा भाग जिस रंगके कपड़ेका वेष्ट कोट होगा ठीक उसी रंगका इटैलिन कपड़ेका होगा। पहले सामना भागका ड्राइंग करोगे।

नाप—सेस्त १६, सीना ३६, कमर ३२।

० से सेस्तके नाप २६ इं० से लम्बा ६ इं० अधिक अर्थात् २२ इं० करके रेखा खींचकर उस जगह २२ रक्खो।

० से २६ इं० नीचे सेस्तके बिन्दू तक २६ रक्खो। १६ से २२ हुआ ३ इं० इस जगह लम्बा जो रक्खा गया या जहां तक शेष

बिन्दू है अर्थात् २२ तक। इसी २२ से ३ इं० ऊपरमें एक लाइन
या इस २२ से ३ इं० ऊपर १६ की जगहसे एक लाइन खींचो।



वेस्ट कोटको सामने भागका चित्र नं० १९

० से सीनाका $\frac{१}{४}$, ६ इं० नोचे मोढ़ाका दाग देकर रक्खो।

९ से सीनाके नाप ३६ का १/४, ९ और १ इं० अधिक १० इं० दूरपर १० रक्खो।

१० से सीनाका १/१२, ३ इं० दूर पर ७ रखकर ७ से ऊपरमें ७ तक एक सीधा रेखा खींचो। उसके बाद देखो ९ से ७ जितनी दूर है ० से भो ७ ठीक उतना ही दूर है। ७ से सीनेके नापका १/१२, ३ इं० दूर पर ३ रक्खो। ७ से १ इं० नीचे एक दाग देकर ३ और उस दागको एक सीधा रेखा जोड़ दो ताकि वह रेखा ७ से १½ इं० बाहर चला जाय।

९, ७ रेखाके ७ से १½ इं० ऊपरमें एक दाग देकर ८ रक्खो। अभी ८ और १½ से एक सीधा रेखा जोड़ दो। ८ और १½ रेखा के ठीक बीचमें भीतरके तरफ ½ इं० दूर पर एक दाग देकर ८ और १½ को एक गोल बनाकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद ८ और १० चित्रके ऐसा जोड़ दो। कपड़ा काटनेके समय इसी रेखा के ऊपरसे होकर काटोगे। २५ और २६ रेखासे २६ रेखाके ऊपर भीतरमें एक इं० दूर पर और १९ रेखाके ऊपर ½ इं० दूर पर यथा क्रम १ और ½ रक्खो।

उसके बाद १०, १ और ½ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके २२ से २२, और २६ रेखाके ऊपर १½ इं० दूर पर १½ रख कर ½ और १½ एक सीधा रेखा जोड़ दो। उसके बाद १½ और ½ रेखाके ठीक बीचमें भीतरसे ½ इं० दूर पर एक दाग देकर १½ और ½ को टेढ़ा करके जोड़ दो। काटनेके समय इस रेखाके नीचे एक इं० परिमाणका कपड़ा (दबाव) मोड़नेके लिये रखकर काटोगे। ९ के

ठीक १½ इं० नीचे १½ रक्खो। ३ से आधा इं० भीतर दाग देक
१½ और वही दागको पहले सीधा रेखा जोड़ दो। उसके बाद उसी
रेखाके बीचसे शेप करके चित्रके ऐसा ३ उसके साथ जोड़ दो।

३ से १½ तक वेष्ट कोटका ओपनिंग वा सीना खुला रहनेक
ज़गह। इसी जगह १६ से १½ के बीचमें ४ या ५ बटन रहेगा
यही तो सामना भागका काटा हुआ।

पीछा भाग (Back Part)

पहले ० से १६ इं० दूर पर ० और १६ रेखा खींचो।

० से १६ इं० नीचे १६ रक्खो। ० से ६ इं० नीचे मोढ़ाक
दाग दो। ० से ३ इं० नीचे ३½ रक्खो। अभी १६ से १ इं
दूर पर १ और १६ से आध इं० दूरपर ½ रखकर ठीक चित्रके ऐस
जोड़ दो। ५ से सीनाके नापका ¼, ६ इं० और १ इं० सब १०
इं० दूर पर १० रक्खो।

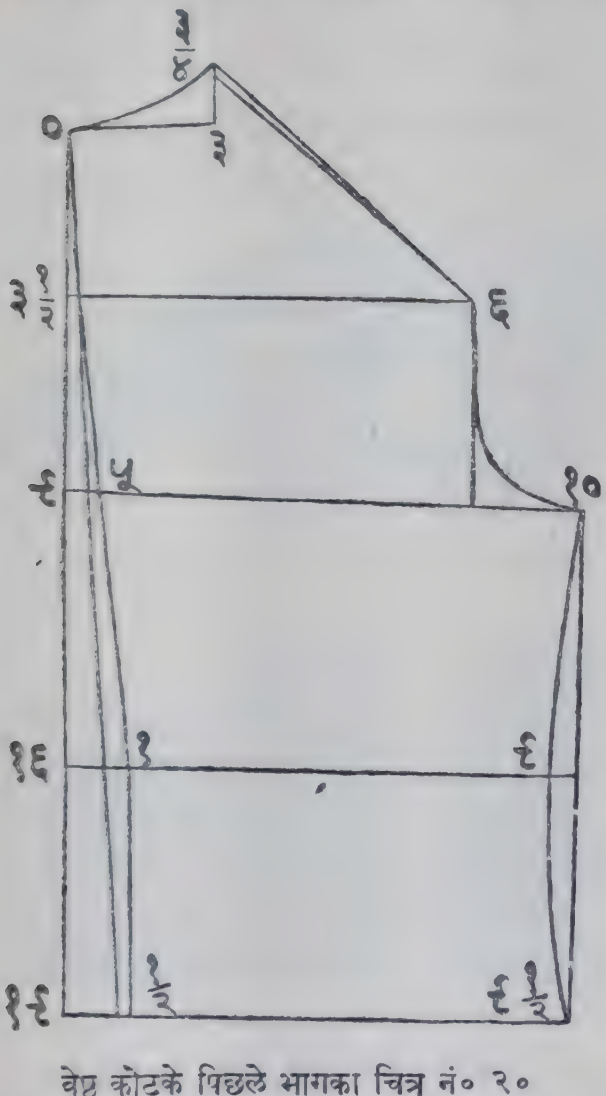
१ से कमरका ¼, ८ इं० और १ इं० सब ६ इं० दूर पर ९
रक्खो।

½ से ९½ हुआ १ से ९ जितना है उससे १ इं० बड़ा। १ से ९
हुआ ९ इं० अभी उससे १ इं० अधिक हुआ १० इं०।

१०, ९ और ९½ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

० से सीनाका १/१२, ३ इं० दूर पर ३ रक्खो इसके पौन इं
ऊपर ¾ रक्खो। ० और ¾ चित्रके ऐसा जोड़ दो। सामना
भागके ३ से १½ जितना है उससे पाव इं० कम करके पीछा भागके

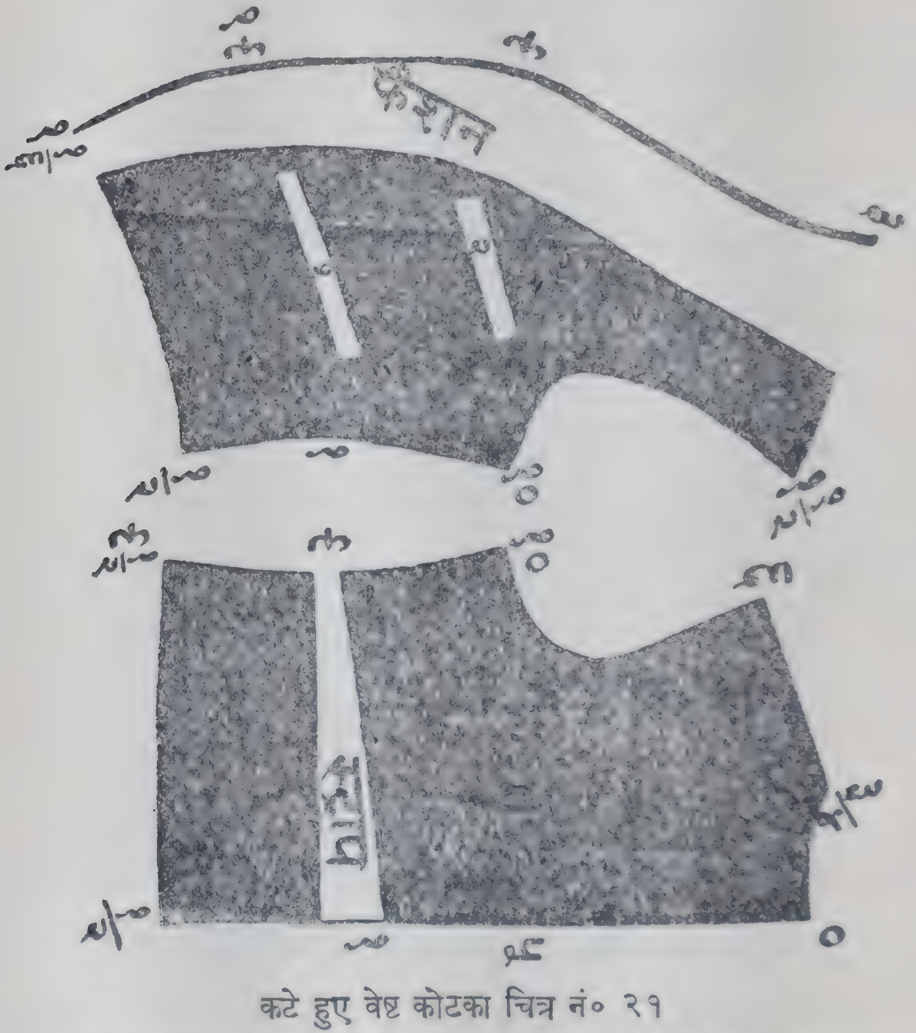
$\frac{३}{४}$ से ६ रखकर $\frac{३}{४}$ और ६ चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद ६ और १० चित्रके ऐसा जोड़ देने पर पीछा भाग हो जायगा। पीछा



वेष्ट कोटके पिछले भागका चित्र नं० २०

भाग काटनेके समय १० और ९½ रेखा और ½ से ९½ रेखाके बगल में १ इं० परिमाणका कपड़ा अधिक रखकर काटोगे।

अब देखोगे वेष्ट कोटका कटा हुआ २ टुकड़ा सामना और २ टुकड़ा पीछाका हुआ है। अब इसको सिलाई करनेका तरीका बतलाते हैं। काटा हुआ वेष्ट कोटके चित्रमें देखो तब समझोगे।



कटे हुए वेष्ट कोटका चित्र नं० २१

पहले सामना भागके पाकीटका दाग देकर पाकीटका मुंह काट कर पाकीट तैयारी कर लो। उसके बाद सामना भागके लाइनको

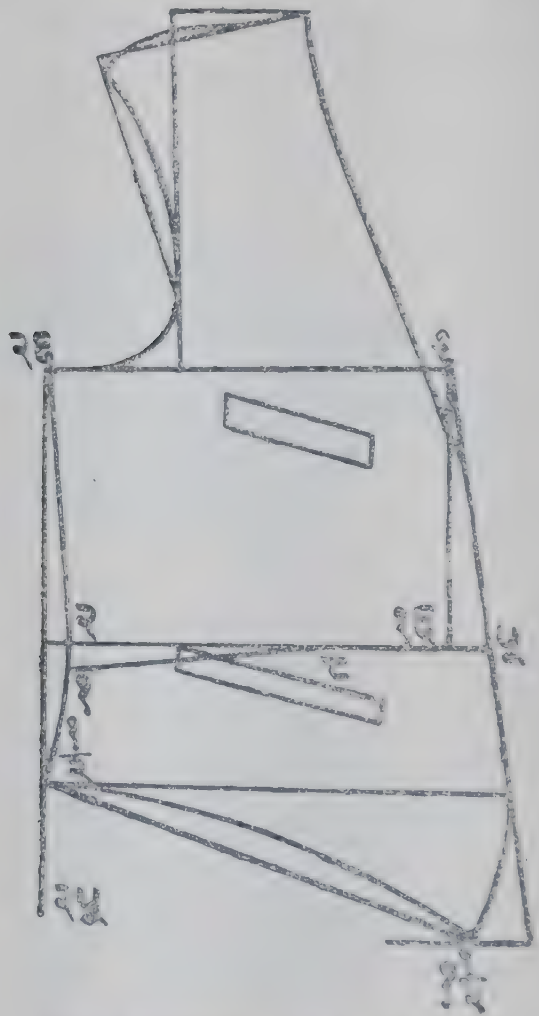
जोड़ दो। सामना भागके नीचेके पाकीटका मुंह ५ इं० लम्बा रक्खो। ऊपरके पाकीटका मुंह ४ इं० लम्बा रक्खो। पीछा भाग जोड़नेके पहले ०, ५, १, ½ रेखाके ऊपरसे सिलाई करके पीछा भागके दोनों टुकड़ोंको इकट्ठा कर लो। चित्रके तरफ देखो। पीछा भाग में दो बांधनेवाला लगाओ। इसके एक में एक बकलेस लगाना होगा। अभी सामना भागके १०, १, ½ रेखा पीछा भागके १०, ६, ६½ रेखा के ऊपर रखकर सिलाई करदो। इसी समय दोनों बगलके ६½ से १½ इं० ऊपर तक दो मुँह खुला रहेगा। सामना भागके कंधाके १½ और ३ रेखा पीछा भागके ¾ और ६ रेखाके साथ सिलाई कर देना होगा। इसके बाद सामना दोनों भागके बांया खन्डमें बटनघर बनाकर दाहिना खन्डमें बटन लगाओ। पीछा भागके गलाके नजदीकक, ख, ग, घ इसीके ऐसा एक टुकड़ा कपड़ा सिलई करके देना होगा।

उसके बाद सामना और पीछाका कंधा जोड़ना होगा। तब देखोगे वेष्ट कोट सिलाई हो गया।

डबल ब्रेष्ट वेष्ट कोट

साधारण वेष्ट कोटके ऐसा इसका पीछा भाग काटोगे। इसका सामना भाग ठीक साधारण वेष्ट कोटके ऐसा ड्रइंग करके मोढ़ाके ६ बिन्दूसे ३ इंच दूर पर और कमरके १६ बिन्दूसे २ इंच दूर पर दो भाग देकर एक सीधा रेखा जोड़ दो। उसके बाद ठीक चित्रके ऐसा ड्राइंग करके काटो। चित्र देखनेसे सब समझ जाओगे। इसमें चार करके दोनों सामनामें बटन रहता है। बटसका दाग दिया हुआ

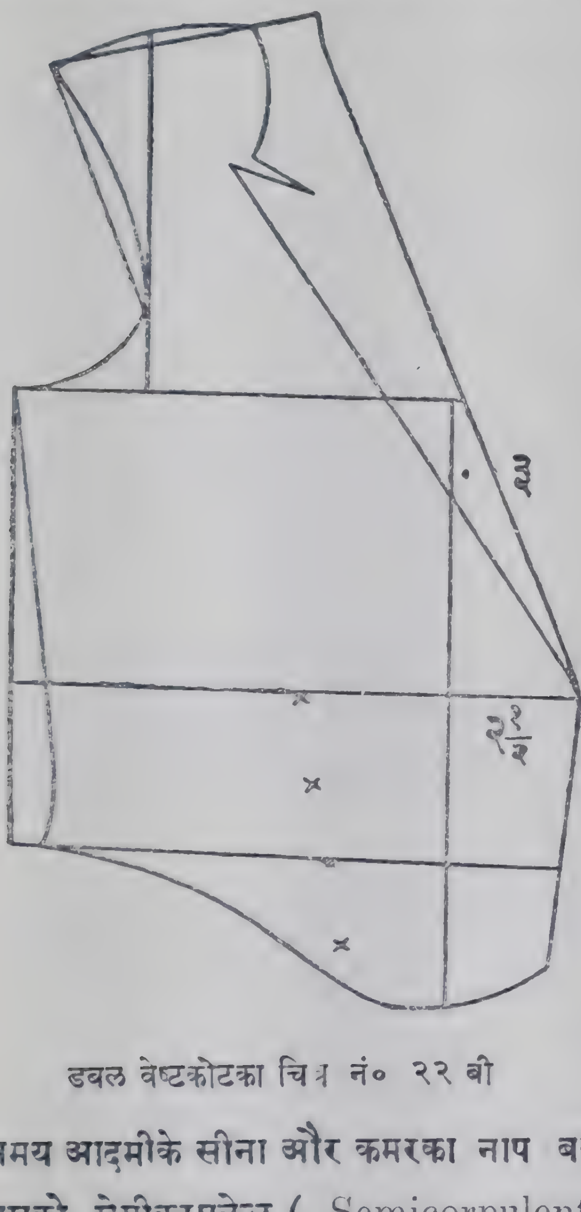
है। इसी तरह ठीक बटन लगाना होगा। इसके दोनों सामन
काजघर बनाओगे। बाँया सामनाके ठीक ऊपरके बटनके साथ नी



डबल वेस्टकोटका चित्र नं० २२ ए

भीतरमें एक बटन लगाना होगा। दाहिना सामनाके खानाके भीतर
रखकर इसी बटनके साथ लगाना होगा। नहीं तो ढीला रहेगा। इस
तीन तरहका कालर लगाया जाता है जो जैसा चाहता है वैसा ल

दिया जाता है। इंगलिशकालर, अमेरिकनकालर, रोआयलकालर। इसमें साधारण वेष्ट कोटसे लम्बा १ इं० कम रहता है।



डबल वेष्टकोटका चित्र नं० २२ बी

जिस समय आदमीके सीना और कमरका नाप बराबर होगा उस समय उसको सेमीकरपुलेन्ट (Semicorpulent) शरीर

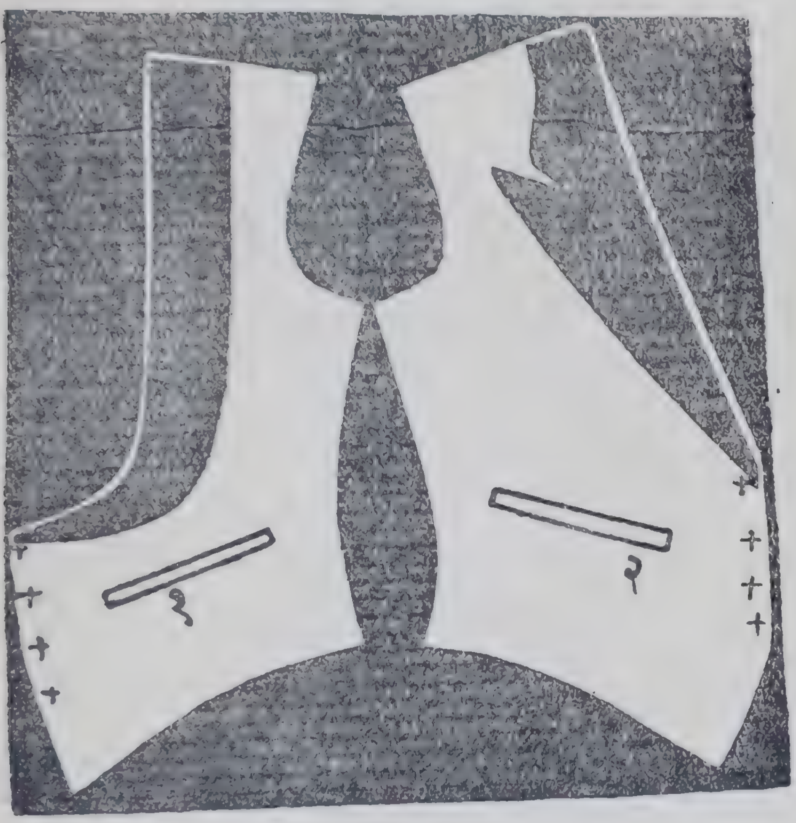
कहते हैं। यदि सीनाके नापसे कमरका नाप बड़ा होगा तब उ
शरीरको करपुलेन्ट शरीर कहते हैं। यदि इस तरहके शरीरका वेष
कोट काटना होगा उस समय किस तरह काटा जायगा लिखते हैं
इस वेष्ट कोटके काटनेके समय सेस्तकीबिन्दू १६ से पौन इं० बाह
में एक दाग देकर ५ रक्खो। उसके बाद ६ और ५ ठीक चित्र
ऐसा टेढ़ा रेखा जोड़ दो। ६, ५, रेखासे नीचे १½ इं० दूर पर पह
के ऐसा १½ रक्खा हुआ है। पहलेके साधारण वेष्ट कोटके २५, २
रेखासे १ इं० और ½ इं० दूर था। इसमें १ को आधा इं० दूर पर र
कर ½ ठीक २५, २६ रेखाके ऊपर रखकर २६, १, ½ जोड़ दो
अब १ से १ इं० ऊपरमें २ रक्खो। १६ से ४ इं० दूर पर ८ दा
देकर २ और ८ की सीधी रेखा जोड़ दो। तब करपूलेन्ट वा सेमी
करपूलेन्ट वेष्ट कोट तैयारी होगा। १ और २ रेखाके बीचसे ८
तक काट कर १ और २ रेखाका दोनों मुँह एक साथ मिला कर
सिलाई कर देना होगा। इसको टेकिन कहते हैं। साधारण वेष
कोटके ऐसा इसको काट कर ठीक उसी नियमके अनुसार पैके
वगैरह तैयारी कर लोगे।

डेसभेष्ट या डिनर वेष्ट कोट

(Dinner Dress)

डिनर वेष्ट कोटका चित्र दिया हुआ है देखनेसे समझोगे
इसको ठीक साधारण वेष्ट कोटके ऐसा काटना होगा। इसके
पीछा साधारण वेष्ट कोटके ऐसा काटनेसे और ऊपरकी तरह तीन

तरहका कालर दिखलाई देता है। यह वेष्ट कोट केवल डिनर शूट या ड्रेस शूटके साथ पहना जाता है।



डिनर या डेसभेष्टकोट का चित्र नं० २३

कोट (Coat)

कोट खुला गला (Open breast) वा बन्द गला (Cape coller) यही दो तरहका होता है। शूटके साथ जो सब कोट व्यवहार किया जाता है वह खुला गलाका होता है। इसमें

२ या किसी-किसीमें ३ बटन भी रहता है। पहले ३ बटन रहता था परन्तु आजकलके शूटमें २ ही बटन रहते हैं। कभी-कभी शूट बन्द गला कोट भी व्यवहारमें देखा जाता है।

जिन कपड़ेका कोट होता है वह साधारणतः छोटा (Single) अर्जका होता है अर्थात् २७ इं० चौड़ा और डबल (Double) अर्ज अर्थात् ५४ इं० चौड़ा रहता है। हम लोगोंके देशमें कोटका सूती कपड़ा छोटा अर्ज २७ इं० चौड़ाका होता है। गरम कपड़ा डबल अर्ज याने ५४ इं० चौड़ाका रहता है। जिस समय सिंगल अर्ज वाले कपड़ेका कोट होगा उस समय कपड़ा लगेगा २ लम्बा, २ आस्तीन और १ गज अधिक कपड़ा। सूती कपड़ेका कोट होनेसे उसको ६, ७ घंटा पानीमें भिगा कर उसके सूखानेके बाद काटना चाहिये। कपड़ा पानीमें धोनेसे कम जाता है। इसलिये कोट या शूट तैयारी करनेके पहले उसे पानीमें भिगा लेना चाहिये जिससे अन्तमें वह कम न जाय। गर्म कपड़ा नहीं भिगाया जाता लेकिन यदि फलालेन कपड़ेका बनेगा तब उसे पानीमें भिगा लेना चाहिये। यदि सूती डबल अर्जवालेका कोट होगा तब १ लम्बा १ आस्तीन और ½ गज कपड़ा लेना होगा। यदि गर्म कपड़ेका होगा तब १ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह कपड़ामें काम चल जायगा। लेकिन जब सीनाका नाप ३८ से वेशी होगा तब गर्म कपड़ामें २ लम्बा और सूती सिंगल कपड़ामें ४ लम्बा और ½ गज अधिक कपड़ा लेना होगा।

कोट काटनेमें लम्बाईसे कुछ अधिक रख कर तब काटोगे। नाप

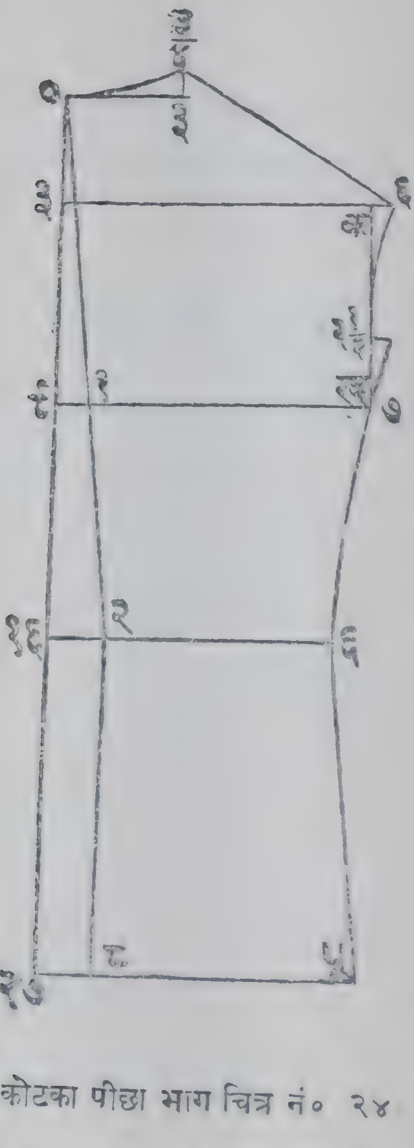
हुआ:—सेस्त १६, लम्बा २७, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२। ओपेन ब्रेष्ट कोटके गलाके नाप लेनेकी कोई जरूरत नहीं है। कोटका कपड़ा यदि सिंगल अर्ज रहेगा तब कपड़ेके लम्बाई को आधा डबल करके भांज कर दोगे। और यदि डबल अर्जका होगा तब चौड़ाईके बीचसे डबल कर दोगे। पहले पीछाका काटोगे। कपड़ेको जिस तरह दोनों मुँह जोड़ोगे उसी जगहसे काटना आरम्भ करोगे।

ओपेन ब्रेष्ट कोट

कपड़ेके किनारेसे आधा इं० दूर लम्बा या लम्बाके नापसे आधा इं० अधिक लम्बा रख कर ० और २७ रेखा खींचो। अभी इसी सरल रेखाके ऊपरसे सीधमें रेखा खींचोगे।

० से ३ इं० नीचे ३ रक्खो। जिस समय सीनाका नाप कम वेशी रहेगा उस समय इसकी दूरी कम, वेशी करके रखना होगा। यही हिसाब करनेसे सबसे आसानी होता है कि ० से ३ इसकी दूरी है मोढ़ा $\frac{1}{3}$। ० से मोढ़ा नाप ६ इं० दूर पर ६ रक्खो। ० से सेस्त का नाप १६ इं० दूर पर १६ रक्खो। १६ से १ इं० और २७ से १ इं० दूर पर यथाक्रम २ और ८ रक्खो। इस कोटका पीछा अवश्य बन्द रहेगा। और जिस कोटका पीछा खुला रहेगा उस समय २७ से आधा इं० दूर पर ८ रखना होगा। ८ से ६, ७ इं० ऊपर तक खुला रहेगा। ० और ८ठीक चित्रके ऐसा जोड़ताकि ६ रेखाके एक बिन्दूके नजदीकसे होकर जाय।

० से सीनाका नाप ३६ इं० का १/१२, ३ इं० दूर पर ३ रक्खो। ३ से पौन इं० ऊपरमें ३/४ रखकर ० और ३/० चित्रके ऐसा जोड़ दो।



कोटका पीछा भाग चित्र नं० २४

० से पुटका नाप ८ इं० और १/२ इं० अधिक सब ८१/२ इं० दूर पर ३

रेखाके ऊपरमें दाग देकर ६ रक्खो। ६ से आधा इं० भीतरमें एक दाग देकर क रक्खो उससे नीचेमें ६ और १ रेखाके ऊपर क, ख को एक लम्बा खींचोगे। ६ और क,ख रेखा चित्रके ऐसा जोड़ दो। ख से २½, २ इं० ऊपर है २½से पाव इं० बाहरमें दाग देकर ७ रक्खोगे २ से सीनाका नाप ३६ इं० का $\frac{1}{6}$, ६ इं० दूर पर सेस्तके रेखाके ऊपर ६ रक्खो। ८ से २ और ६ जितना है अर्थात् ६ इं० से १½ इं० अधिक ७½ इं० दूर पर ५ रखकर ७, ख, ६ और ५ चित्रके ऐसा शेप करके जोड़ दो। ¾ और ६ रेखा चित्रके ऐसा जोड़ दो। अब इस चित्रके साथ तुम अपना बनाया हुआ चित्र मिलाकर देखो कि ठीक हुआ या नहीं। कोटके पीछाका भाग अब शेष हो गया। अभी कैंची लेकर ० और ¾ रेखाके ऊपर आधा इं० अधिक कपड़ा मोड़ कर सीनेके लिये रखकर काटोगे उसके बाद ¾ और ६ रेखा काटो ६ से ५ तक ठीक रेखाके ऊपरसे काट कर ६, ख, और ५ रेखाके ऊपरसे काट लो। उसके बाद ८ और ५ रेखाके नीचे १½ इं० अधिक कपड़ा रख कर लेने पर पीछा भागको हो जायगा। अभी ८, २, १ और ० रेखाके ऊपरसे सिलाई कर देनेसे पीछा भागका जोड़ हो जायगा।

किस-किस समयमें एक सलग कपड़ासे पीछा काटा जाता है। पीछाके बीचमें जोड़कर सिलाई करने ही से शेप अच्छा होता है। जिस समय सलग कपड़ेका पीछा काटा जायगा उस समय पीछा कुछ छोटा काटना पड़ेगा नहीं तो शरीरमें अच्छी तरह नहीं वैठेगा। यह ख्याल रखना होगा।

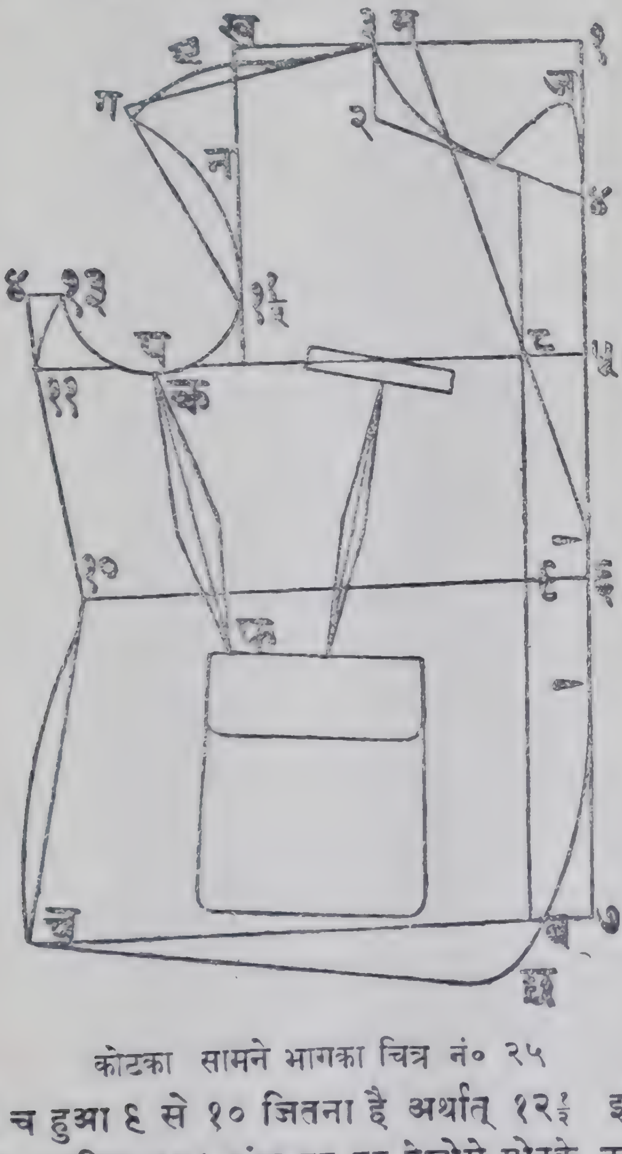
सामना भाग (Front Part)

हमने कपड़ेको जिस स्थानसे पीछा भाग काटा है ठीक उससे उल्टा भागमें जो कपड़ा पीछेका बचा हुआ है उसीमेंसे सामना का ड्राइङ्ग करके काटेंगे। इस समय उस कपड़ेके किनारा वा पाड़से आधा इञ्च दूर पर लम्बाका नाप बराबर करके अर्थात् ० और २७ रेखाको बराबर करके १, ७ रेखा खींचोगे। १, ५, ७ रेखासे १½ इं० भीतरमें ८, ६ रेखा खीचों। इसी रेखासे नाप लोगे। ½ इंच बटनके लिये जगह रहा १ से सीनाका नाप ३६ का १/१२, ३ इं० और १ इं० ४ इं० दूर पर नीचे ४ रक्खोगे। १ से मोढ़ाका नाप ६ इं० नीचे ५ रक्खोगे।

१ से सेस्तका नाप १६ इं० १६ नीचे रक्खोगे। अभी फीताके ऊपर सीनाका नाप ३६ का आधा १८ इं० और २½ इं० सब २०½ इं० जिस जगह लिखा हुआ है उस जगह अंगुलीसे चांप कर धरो। उसके बाद इसी २०½ से पीछा भागके १ से ७ जितना है उतना बाद देकर जितना बचेगा ८ से ठीक उतनी ही दूर पर ११ रक्खोगे। मान लो कि पीछाके १ से ७ हुआ ७ इं०। अभी २०½ से यही ७ बाद देकर १३½ इं० है। या ८ से १३½ इं० दूर पर ११ रक्खोगे। तब देखा गया सामना भागके सीनाका नाप हुआ। सीनाका आधा और २½ इं० अधिक लेकर जितना होता है उससे पीछे भागका सीना बाद देकर जितना रहता है उतना ही।

६ से १० हुआ कमरका नाप ३२ इं० का आधा और २½ इं०

सब १८½ इं० से पीछा कमरका हिस्सा २ से ६ इं० बाद देकर १२½ इं० बचेगा। इस जगहका नाप और सीनाका नाप बराबर होगा या देखा गया ९ से १० हुआ १२½ इं०।



कोटका सामने भागका चित्र नं० २५

० से च हुआ ९ से १० जितना है अर्थात् १२½ इं० उससे और ४ इंच अधिक १६½ इंच दूर पर देखोगे मोटके ऊपर सामना

भागके दामनका घेर हुआ सामना भागका कमर जितना है, उससे ४ इं० अधिक।

८ से क हुआ सीनाका नाप ३६ का १/४, ९ इं० से १ इं० कम करके जितना होगा अर्थात् ८ इं०। क से ऊपरमें क, ख एक लम्बे रेखा खींचो। अब ५ से क जितनी दूरपर है १ से ख ठीक उतनी ही दूर। ख से सीनाका नाप ३६ का १/१२, ३ इं० दूर पर ३ रक्खो।

ख से १ इं० नीचे क, ख रेखाके ऊपर 'ए' एक बिन्दु लगाओगे ३ और 'ए' एक सीधी रेखा खींचकर इस तरह जोड़ों कि वह रेखा क, ख रेखाको छोड़कर चली जाय।

पीछाके ३/४ से ६ तक नापकर देखोगे कितना इं० हुआ। जितना होगा उससे पाव इं० कम करके ३ से उतना दूर ३ ए रेखाके ऊपर ग बिन्दू लगाओ। मान लो कि पिछला भागके ३/४ से ६ हुआ ६१/२ इञ्च। उससे हुआ ६१/२ से पाव इञ्च कम करके अर्थात् ६१/४ इञ्च घर कर ३ से ६१/४ इञ्च दूरपर ग रक्खो, ग से पाव इञ्च नीचेसे चित्रके ऐसा बांका करके रेखा खींचकर ग और ३ जोड़ दो।

३ से २ इञ्च नीचे तक ३ और २ रेखा खींचो। ४ और २ एक सीधा रेखा खींचकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। अब ४ और २ रेखा चित्रके ऐसा आधा गोला करके शेष करो। यही होगा गला। ११ से ११/२ इञ्च ऊपरमें ११ और १२ सीधी रेखा खींचो। १२ से आधा इं० दूरपर १६ रक्खो। क से ११/२ इञ्च ऊपरमें ११/२ रखकर ग और ११/२ एक सीधी रेखा जोड़ दो। ग और ११/२ इसके ठीक बीचसे भीतरमें आधा इं० दूरपर न रखकर ग, न और ११/२ चित्रके ऐसा एक टेढ़ा

खींचकर प और १३ तक गोल करके चित्रके ऐसा जोड़ करके दिया है। यही हुआ बगलका जगह वा मोहरा।

३ से १ इं० दूरपर म और ६ से १ इं० ऊपरमें एक दाग खींच कर म और वही दाग एक सीधा रेखामें जोड़ दो। इसी लाइनपर कालर उलटेगा। ४ से २ इं० ऊपर ज रखकर ४ और २ इसके बीचसे ज बिन्दु चित्रके मुताबिक एक सीधी रेखा खींचकर जोड़ दो। तब यह अमेरिकन या डबल वेस्ट कालर हो जायगा।

प से १० इं० नीचे प, फ रेखा खींच दो। प और फ रेखाके बीचमें दोनों तरफ आधा इं० दूरीपर दो दाग लगाकर प और फ चित्रके ऐसा जोड़ दो। (कोटके सामनेका चित्र देखो) इसको टेकिन कहते हैं। प, फ रेखाको सीधा पकड़कर दोनोंको एक साथ सिलाई कर दो। तब कमरके ऊपरका कपड़ा टेढ़ा होकर बदनके ऐसा शेप हो जायगा। हम लोगोंके शरीरमें कमरसे शुरू होता है। कोटके कमरका स्थान बदनके ऐसा शुरू करनेके लिये ऐसा टेकिन-का जरूरत होता है। कोटके सामनेमें और थोड़ा शेप करनेके लिये सामने पाकीटके बीचसे बगलके पाकीट तक और वैसा ही थोड़ा छोटा बन जाता है। क्योंकि इसीसे कमरका शेप सुन्दर मालूम पड़ता है (चित्र देखकर समझलो)।

ब से च पिछला भागका ८ से ५ जितना है उसीके दो गुणासे २ इंच कम। अब च और १० एक सीधा रेखा खींचकर जोड़ दो। इसके बाद च और १० इसके ठीक बीचमें बाहरमें आधा इं० दूर पर एक दाग खींचकर च और १० ठीक चित्रके ऐसा शेप करदो।

६ से २½ इं० नीचे या ६ से १ इं० ऊपर जो दाग है उससे ३ इं० नीचे एक दाग दो। ये दोनो दागपर बटन और काज घर होगा। ऊपरके बटन तक कालरका भांज होगा।

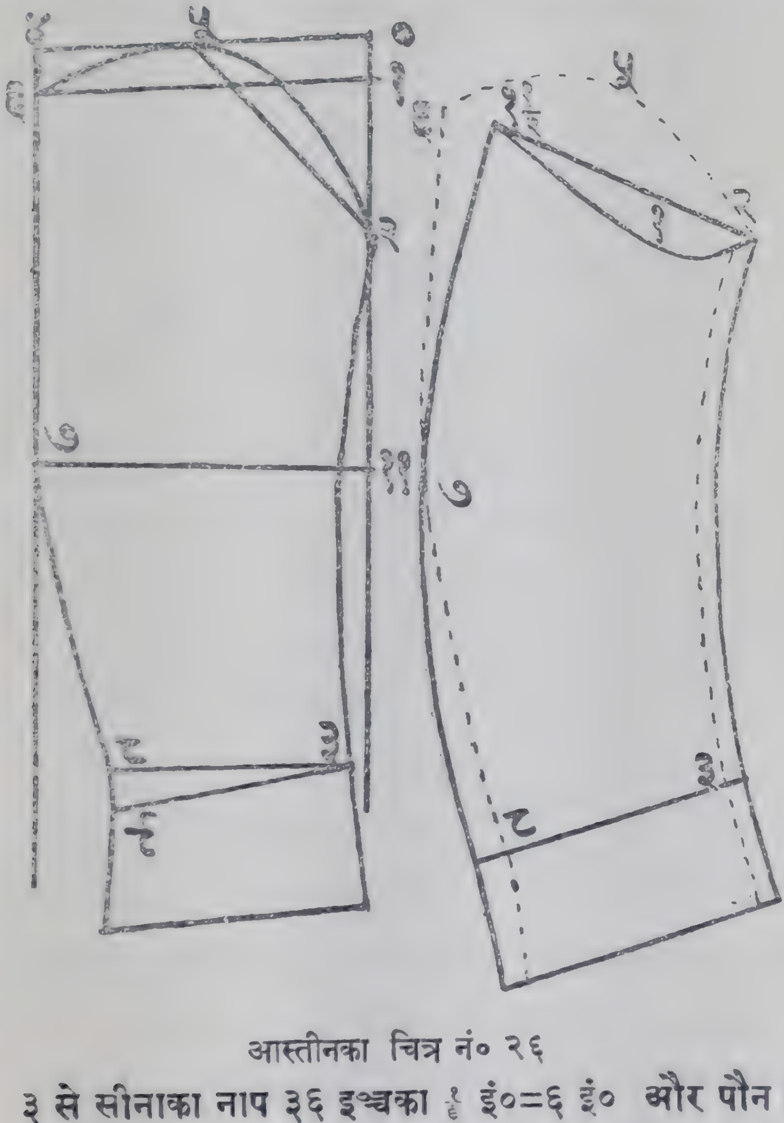
च रेखाके एक इं० नीचे ६ लगाकर नीचेके बटनके दागसे शेप करके चित्रके ऐसा च, छ तक बनाओ। तब सामनेका ड्राइङ्ग हो जायगा।

कपड़ा काटनेके वक्त चित्रके बगलमे जो चिन्ह दिया हुआ है उतना कपड़ा लेकर तब काटो। गलाके बगलमें आधा इं० मोहड़ाके बगलमें आधा इं० और बगल और दामनमें १½ इं० ज्यादा मोड़नेके लिये कपड़ा लेना होगा। कटा हुआ कोटका चित्र देखनेसे अच्छी तरहसे समझोगे। यही ज्यादा कपड़ा मोड़कर भीतर करना चाहिये। क्योंकि जरूरत पड़ने पर यही कपड़ा निकालकर कोटको बढ़ा सकते है। कोट काटकर सीनेके लिये जो सामना और पीछा रक्खा हुआ है उसमें देखनेसे मा!लूम हो जायगा कि कहां पर कितना ज्यदा कपड़ा रखना होगा।

आस्तीन (Sleeve)

सामना और पींछे काटकर जो कपड़ा बचता है उसीसे आस्तीन काटना होगा। आस्तीन एक ऊपरका और एक नीचेका हो जायगा। पहले ऊपरका काटकर तब नीचे काटना होगा। कपड़ाके किनारेसे आधा इंच दूरमें ०, ३ सीधा रेखा खींचो। ० से मोहड़ाके नापसे आधा इंच कम करके ० और ४ रेखा खींचो। ०; ४ रेखाके

बीचमें ५ रखकर पांचसे पुट आस्तीनका नाप ३०से पुट ८ बाद देकर जो २२ इञ्च बच जाता है उसीके साथ और १ इञ्च ज्यादा लेकर अर्थात् २३ इञ्च लेकर २३ इञ्च नीचे ३, ८ रेखा खींचो।



आस्तीनका चित्र नं० २६

३ से सीनाका नाप ३६ इञ्चका $\frac{1}{6}$ इं०=६ इं० और पौन इञ्ची एक साथ पौने सात इञ्च दूरपर ८ रक्खो।

८ से पौन इञ्ज नीचेमें दाग देकर ६ लगाओ। ६ और ३ एक सीधी रेखा खींचकर चित्रके ऐसा जोड़ दो।

०, और ४ रेखा के १½ इं० नीचेमें १ और ६ रेखा खींचो।

६ से १ जितना दूर है उससे और १ इं० ज्यादा लेनेसे जितना होता है, ६ से ठीक उतना ही दूर पर ० और ३ रेखाके ऊपर दाग देकर २ लगाओ। ६ और २ एक सीधा रेखा बनाकर खींच दो।

६, ५, और २ ठीक चित्रके ऐसा आधा गोल करके जोड़ दो। २ और ३ के ठीक बीचसे ११ और ७ रेखा खींचो। ११ से १ इं० भीतर घुसाकर एक दाग लगाकर ३ और २ थोड़ासा टेढ़ा करके चित्रके ऐसा जोड़ दो।

६, ७, ८, और ६ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके जोड़ देनेसे आस्तीनके ऊपरका ड्राइङ्ग हो जायगा। आस्तीन काटनेके वक्त जैसा लाइन बनाया हुआ है वैसा ही काटा जायगा।

६ और ३ रेखाके नीचे भीतर मोड़नेके लिये २½ इं० कपड़ा ज्यादा लेना होगा। अभी जैसा बना हुआ आस्तीन लाइनके ऊपरसे कैंची लेकर आस्तीनके ऊपरका भाग काट दो।

नीचेके आस्तीन काटनेके लिये बगलमें जो कपड़ा है उसीके ऊपर आस्तीनका ऊपरका ऐसा रख लो जिसमें आस्तीन किनारा कपड़ाके काटा हुआ टेढ़ा किनाराके साथ मिल जाय। चित्र देखनेसे सभी बातोंको पूर्णतया समझ जाओगे।

चित्र देखनेसे समय २ और ३ रेखाके बाहरमें आधा इं० दूर पर और ६, ७, ८, और ३, २ रेखा १ इञ्च दूर पर बिन्दू २ बना

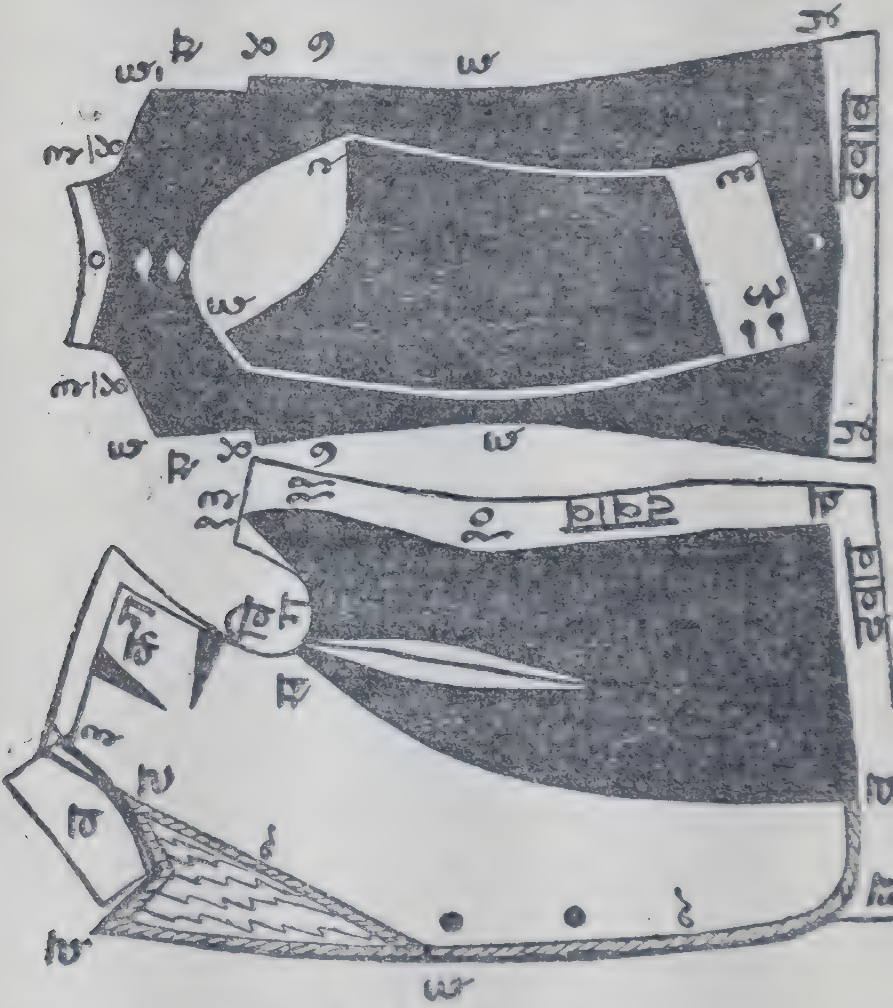
कर रेखा बना हुआ, नीचेका कपड़ा इसी लाइनके ऊपर काट डालो। आस्तीन सीनेके समय वही ज्यादा कपड़ा मोड़कर सीना होगा। ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीन सिलाई करते समय ऊपरका आ० नीचेके आस्तीनके ऊपर रखकर ७ के ऊपर पकड़ लो। ६से नीचेके ऊपर १½ इंच दूर पर १½ तक ६ बिन्दु तक खींचनेसे ६ और ७ रेखा जैसा टेढ़ा हो जाता है ठीक वैसा ही ६ और ७ सिलाई करना होगा।

२ और १½ एक सीधा रेखामें जोड़कर चित्रके ऐसा १½ और २ को शेप कर इसी रेखाके ऊपरसे काट दो।

दूसरा किनारा जैसा है वैसा ही सीना होगा। दोनों बगलमें जो ज्यादा कपड़ा है उसको मोड़कर सिलाई कर दो। नीचेमें जितना कपड़ा अधिक है उसको भांज करके भीतरमें सीं दो। तब यह आस्तीन तैयार हो जायगा।

अब कोटका सामना, पीछा, फैशन, पौकेट कैसे जोड़कर सीना होता है देखो। सीनेमें कुछ कठिनाई है। खूब ध्यानसे उसे देखना चाहिये। शूट और कोट जो कुछ काटना पहले उसे कच्चा करके पहना कर देखनेको ट्रायल कहते हैं। इसी समय पर देखना चाहिये कि इसमें कहाँ डिफेक्ट (गलती) है। जितनी त्रुटि हो उस जगह खड़िया मिट्टीसे दाग देकर ध्यानसे उस त्रुटिको ठीक करनेका विचार करना चाहिये। बदनमें ज्यादा त्रुटि रहने पर ठीक कर लेनेके बाद एक बार फिर ट्राई कर (पहना कर) देखना। जब उसमें कोई त्रुटि नहीं मालूम पड़े तब उसका पक्का सिलाई करना।

कुर्ता, कमीजमें विशेष खराबी नहीं मालूम पड़ती है। क्यों ये सब ज्यादे ढीले हैं इसीसे विशेष खराबी नहीं मालूम पड़ है। कोट, पैंट, वेस्टकोट जिन्हें शरीरमें अच्छी तरह फिट हो चाहिए उनमें यदि दोष रह जायगा तो वह दक्ष दर्जी नहीं क



कटे हुये कोटका चित्र नं० २७

जायगा। इसी वास्ते इस तरहका (कपड़ा तैयार करनेके पहले ट्रायल कर लेना चाहिये।

कोट काटकर दो सामना दो पीछा लो। अभी पीछा का ०, २, ८ पीछेके ठीक बीचके लाइनके ऊपर सिलाई करो। तब देखो कि ठीक वेस्टकोटके पीछाके ऐसा दोनों भागका एक साथ जोड़ हो गया। अब सामना भागमें जिस प्रकार बिन्दू रेखा अंकित है वैसा बाकी कपड़ासे दो टुकड़ा द, ट, त, ग, छ, द और स ऐसा ही काटो। यही कपड़ा ऊपरसे लब पर सिलाई करके उलट कर अन्दर कर दो। इसको फैशन कहते हैं। इसीके साथ सूती कपड़ाका कोट होनेसे लट्ठा और कपड़ा गर्म होनेसे बकरम दोनों कपड़ाके अन्दर रखकर सीना होगा। जो टेकिन बना हुआ है उसीको सीधा रेखाके ऊपर पकड़ कर टेढ़ा लाइनके ऊपर सीं दो। सामनामें ऊपर पौकेट दोनों बगल पौकेट बनाकर भीतरमें एक और पौकेट बना दो।

बगल पौकेट, लबसे ५ इं० छोड़कर बैठा दो। यह पाकेट चौड़ा ७ इंच लम्बा ८ इंच नीचे का रेखा द, च से १½ इंच ऊपर पाकेट रहेगा। सामनेका पौकेट कंधाके ३ चिह्नसे १०½ नीचे। वी से १½ इं० दूर हट कर ४½ या ५ इंच चौड़ा मुख रखकर चित्रके ऐसा टेढ़ा करके सिलाई करो। सामनाका इतना काम करके तब पीछेके साथ जोड़ना होगा। पीछा ४, ७, ६ और ५ रेखा सामनाका १२, १०, च रेखाके ऊपर रखकर सिलाई करके बाकी कपड़ा मोड़कर सिलाई होगा। उसके बाद पीछाका ¾ और ६ रेखाके सामने ३ ग रेखा ऊपर रख कर सिलाई करनेसे सामना और पीछा का जोड़ हो जायगा। अभी छ, द, च, ५, ८ रेखाके नीचे जो अधिक कपड़ा है उसे भीतरमें उल्टा कर और मोड़ कर भांज करके सिलाई करो। तब दामन

सिलाई होगा। अभी मोढ़ा ६ ए, १३ ख, ग जो फां
मोहरा दिखाई देता है उसके साथ आस्तीन मिला
करना होगा । अब हमारा सिलाई किया हुआ आस्ती
६, ६, ३ और २ हुआ। इसका ६ और २ ऊपरका भा
मोढ़ाके साथ सिलाई करके ६ और ३ का मुँह नीचे रहेगा। आस्तीन
जोड़नेके समय ६ दाग कोटके पीछामें ए, दागके ऊपर जोड़ देन
चाहिये। २ दाग सामनामें बी दागके साथ जोड़ो। अब आस्तीनके
भीतरका कपड़ा कोटके मोढ़ा ए, १३ ग और बी के साथ सिला
करो। उसके बाद आस्तीनका ६ और २ रेखा मोढ़ाका ए, ६, ग
बी रेखाके साथ सिलाई करनेके समय जो अधिक कपड़ा है उसे
थोड़ा मोड़कर सिलाई कर दो। अब आस्तीन तैयार हो गया।

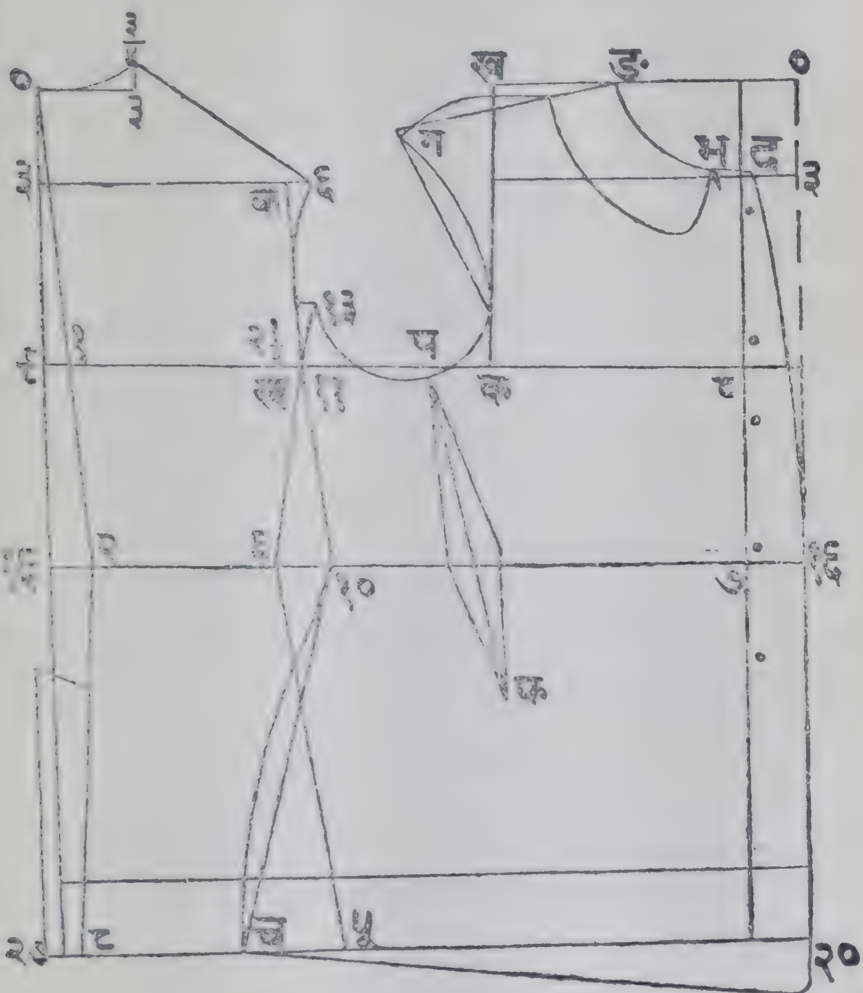
अब कालर बनाना होगा। कोटके आगामें जो दो दाग दिया
हुआ है ठीक उसी जगहसे बांया सामनामें दो काजघर तैयारी करके
दाहिना सामनामें दो बटन लगाओ। उसके बाद द, भ, छ रेखाके
ऊपर ज, ट और ५ का हिस्सा उल्टा दो।

केप कालर कोट (Cape collar Coat.)

केपकालर कोट काटनेके समय गलाका नाप जरूरी है।

नाप—सेस्त १६, ल० २८, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६
कमर ३२, गला १४। ओपेन ब्रेष्ट कोटका पीछा जिस तरह काटा
जाता है ठीक उसी तरह पीछा कटेगा। ओपेन ब्रेष्ट कोटका पीछा
बन्द रहता है किन्तु इसका पीछा प्रायः खुला रहता है और इसका
लम्बा कुछ बड़ा रक्खा जाता है।

० से पीछा जितना लम्बा है ठीक उसीको बराबर करके ० और २० तक रेखा खींचो। ० से सीनाके नापके रेखा तक $\frac{1}{2}$ भाग, तीन



केप कालर कोट का चित्र नं० २८

इं० दूर पर ३, मोढ़ाका नाप नौ इं० नीचे ८, और सेस्तका नाप सोलह इं० नीचे १६, रखकर रेखा खींचो।

० और १६ से १$\frac{१}{२}$ इंच दूर ८ और ७ रेखा खींचो औ
तस्वीरको देखो। ८ से क, और ८ रेखासे ऊपर ख, खुला गला
कोटकी तरह ऊपर भागमें सीनाका नाप ३६ और उसका $\frac{१}{८}$,
इंच पर रक्खो। क और ख को सीधा रेखा खींच क
मिला दो।

ख से सीनाका $\frac{१}{१२}$=($\frac{३}{१}\frac{६}{२}$=३) अर्थात् ३ इं० हटकर एक दाग
और उस जगह पर ङ बैठा दो।

क, ख रेखाके ऊर ख से १ इंच नीचे दाग देकर ङ को उ
दागसे इस प्रकार मिलाओ कि वह रेखा पीछाका $\frac{३}{५}$ और ६ रेखा
पाव इंच=$\frac{१}{४}$ इंच कम हो। अब ङ और ग को ठीक चित्रके ऐस
मिलाकर बना दो।

८ से ११ तक सीनाके नाप ३६ का आधा १८ इंच, और २
ईंच कुल २०$\frac{१}{२}$ इञ्च पीछाके १ से ख तक जितना है ठीक उतन
ही कम अर्थात् पीछाके १ से ख के सामनाभागके ११ और ८ को जोड़
कर सब होगा सीनाका $\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{१}$ इंच अधिक मानलो १ से ख
तक ७ इं० हुआ अभी सब २०$\frac{१}{२}$ इंचमें से ७ इंच बाद देकर
बचेगा १३$\frac{१}{२}$ इंच हो तब ११ से ८ तक १३$\frac{१}{२}$ इंच
होगा।

कमरका नाप ठीक इसी हिसाबसे लेना होगा।

७ से १० तक कमरका नाप हुआ ३२ का $\frac{१}{२}$=१६ इं० और
२$\frac{१}{२}$ इं० सब मिलाकर १८$\frac{१}{२}$ इं० हुआ यहांसे पीछाका कमर २से ६

तक ६ इं० बाद देनेसे १२½ इं० हुआ, याने ७ से १० तक १२½ इं० दूर हुआ।

१३, ११, १० और च ठीक खुला गला कोटके ऐसा बनाओ। ११ से १३ हुआ २½ इं० ऊपर।

२० से १ इं० नीचे दाग देकर २० और च ठीक चित्रके ऐसा बनाकर मिला दो।

ङ से सीनाके नापके जगहसे ३ इं० हटकर दाग दो। इसी दाग को केन्द्र मानकर उसी दागसे ङ को व्यास मान कर ङ और द को गोल रेखा खींचो। यही रेखा गलाका स्थान होगा।

द से १ इं० दूर ङ रखकर ठीक ङ और द को चित्रके ऐसा मिला दो। अभी तुम्हारे फीताके ऊपर गलाका नाप १४ से १ इं० ज्यादा जो १५ होता है उसी १५ को ऊपरमें रक्खो। उसके बाद पीछाका ०, ३ रेखा जो ३ इं० रक्खा गया है उस ३ इञ्च को बाद देकर उस जगह ऊपरसे ङ रक्खो और भ, द रेखाके ऊपरसे घुमाकर लाने पर जो ७½ होता उसके ऊपर दाग देकर द को रक्खो।

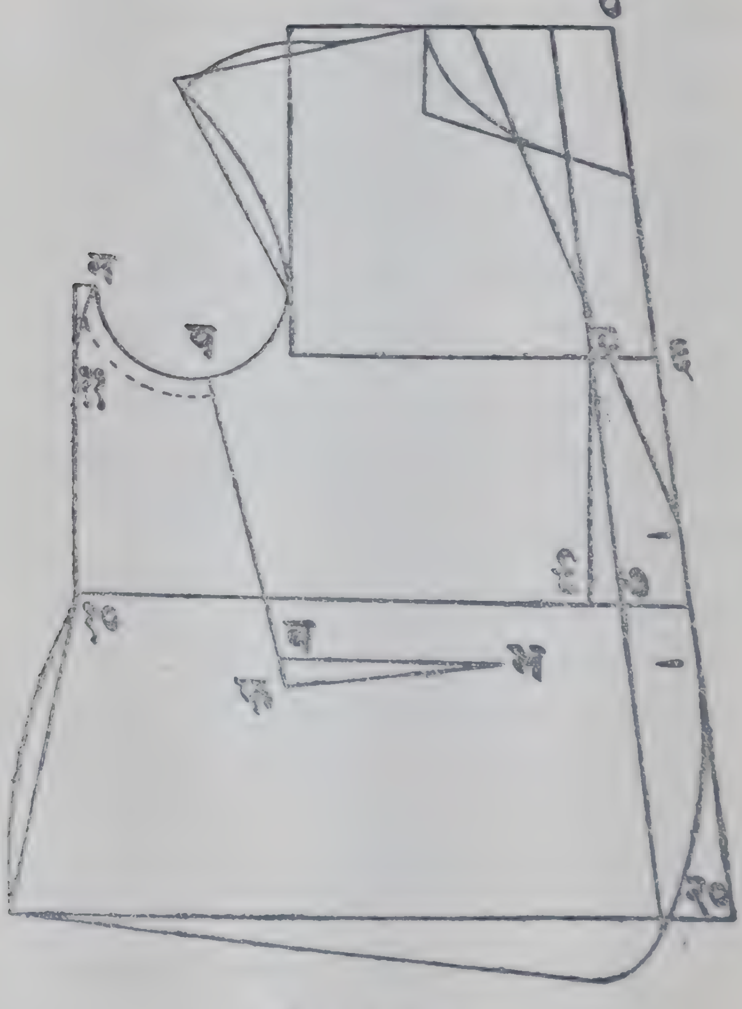
द और १६ ठीक चित्रके ऐसा रेखा जोड़ कर बनाओ। अभी सामनाके ऊपरका हिस्सा द से १६ रेखा तक काट कर हटा दो और ऊपरका हिस्सा ठीक वैसा ही रहेगा।

द से आधा इञ्च दूर हट कर एक दाग देकर उस जगह भ को रक्खो। यही स्थान दोनों तरफके कालरका अन्तिम जगह होगा। यहांसे ५ बटन होगा। उस जगह पर कभी हाई कालर या कभी केप

कालर लगाया जाता है। इसका सिलाई ठीक खुला गला कोटके ऐ
होता है।

सेमी करपुलेन्ट कोट

पहले ही बता दिया गया है कि जिस मनुष्यका सीना औ



चित्र नं० २६

कमरका नाप बराबर रहता है उसीको सेमी करपुलेन्ट (Body) कहते हैं। साधारण कोटके काटनेके नियमसे इस कोटके काटनेके नियममें जो फर्क पड़ता है वह नीचे दिया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २७, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३६।

अब इस जगह पर सीना और कमरका नाप बराबर है। इसका पीछा ठीक साधारण कोटके ऐसा काटकर रख दो। अब सामनाका देखो।

पहले ८ और ६ रेखाको लम्बा खींचो उसके बाद ६ से ३ तक पाव इं० दूर पर ७ रक्खो। ७ से १$\frac{१}{२}$ इं हट कर दाग देकर ०, २० रेखा तक पहलेके पीछाके ऐसा बराबर करके खींचो। ८, और ६ रेखा ०, और २० रेखासे १$\frac{५}{८}$ इं० दूरी पर है। ८ से ११ तक सीनाका आधा और २$\frac{५}{८}$ इं० अधिक लेनेसे जितना होता है उसमें पीछा बाद देकर जितना होता है वही रहेगा। ६ से १० तक कमर का $\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$ इं० अधिक लेकर जितना होता है उससे पीछाका कमर बाद देकर जितना बचेगा वही रहेगा। यह ठीक साधारण कोटके ऐसा होकर तब उसी जगहसे सेप ११ से १० तक टेढ़ा रेखा नहीं होकर सीधा रेखा दिखलाता है। पहलेकेऐसा टेकिनमें प, फ रेखा खींचो फ बिन्दीसे व १ इं० ऊपर रख दो। फ से ५ इं० हट कर भ रखकर फ और भ को सीधा रेखा खींचो। उसके बाद फ, भ, और ब को मिलाओ। अब प से फ तक कैंचीसे काट दो। उसके बाद फ से भ तक काट दो।

अब फ को भ के ऊपर हटाकर फ, भ रेखा ब, भ रेखाके ऊपर उठेगा और ११, २ रेखा जिस स्थान पर न, प रेखा है उस जगह उठेगा। अभी ११ और १० रेखाके ऊपरसे देकर काटो। फ, भ, रेखा ब, भ रेखाके साथ सिलाई करो और उस रेखाके ऊपर पैकेट लगाओ जो ऊपरसे दिखाई नहीं पड़े। पहले प, फ कटा हुआ रेखा सिलाई करके फिर फ, भ रेखा ब, भ के साथ सिलाई होगा। उसके बाद पहलेके ऐसा खुला गला कोटके सामनाके ऐसा सिलाई होगा। आस्तीन उसी तरह कटेगा।

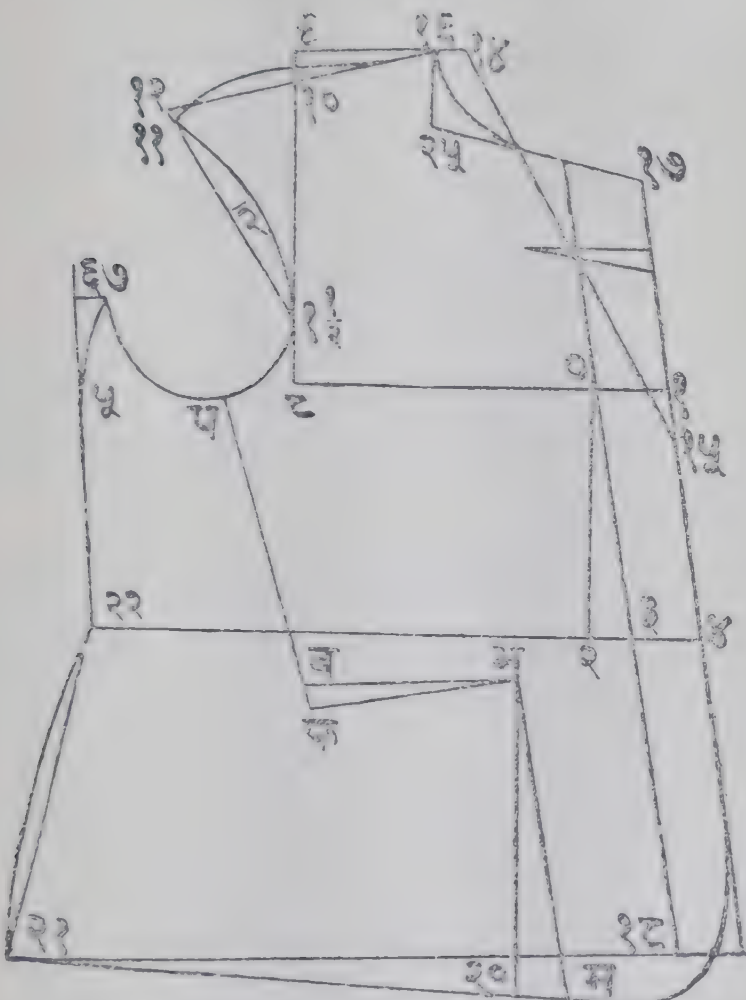
करपूलेन्ट कोट (Corpulent Coat)

जिस समय किसी मनुष्यके सीनाके नापसे कमरका नाप बड़ा होगा उस समय उस शरीरको करपूलेन्ट कहते हैं। इस कोटके काटने के समय सेमी करपूलेन्ट कोटसे जो फर्क है नीचे दिया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २७, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३८।

० सेस्तके नापके समान १६ इं० दूर हट कर ० और २ रेखा तक खींचो। ० से मोढ़ाका नाप ६ इं० ऊपर हटकर ७ रक्खो। २ से १ इं० हटकर ३ रखकर ०, ३ और १८ रेखा खींचो। उसके बाद ठीक ४, १७, १५ रेखा खींच कर मिला दो। ७ और ३ से १½ इं० हटकर ठीक १७ और ४ रखकर १७, १५ और ४ रेखा खींचो। ० से ५ तक साधारण कोटके सामनाका जिस तरह सीनाका ¼ और

२१ इं० अधिक लेकर उसके बाद पीछाका हिस्सा बाद देकर जिस तरह नाप लिया है ठीक उसी तरह लेना चाहिये।



करपुलेंट कोटका चित्र नं० ३०

कमरका २ और २२ ठीक इसी प्रकार लेना होगा। उसके बाद सेमी करपूलेन्ट कोटके ऐसा प,फ,ब और भ का शेप करके बनाओ।

अब फ, ब रेखासे नीचेमें फ, भ सीधा रेखा खींचो। उसके बा
म से १½ इं० हटकर २० रखकर भ और २० को सीधा रेखा खींच
कर अभी म और २० के दोनों रेखाको एक साथ भ से सिला
करो। यही सिलाई जो पाकीटके नीचे सिलाई होता है। १८ से २
तक च से १० तक जितना है उसका दुगुना। उसके बाद सब
साधारण कोटके ऐसा ड्राइङ्ग खींचकर बना लो।

डबल वेस्टकोट (D. B. Coat.)

इस कोटका पीछा भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनेगा।
सामना में जो अधिकता है उसे देखो। तस्वीर अच्छी तरह देखनेसे
सब मालूम हो जायगा।

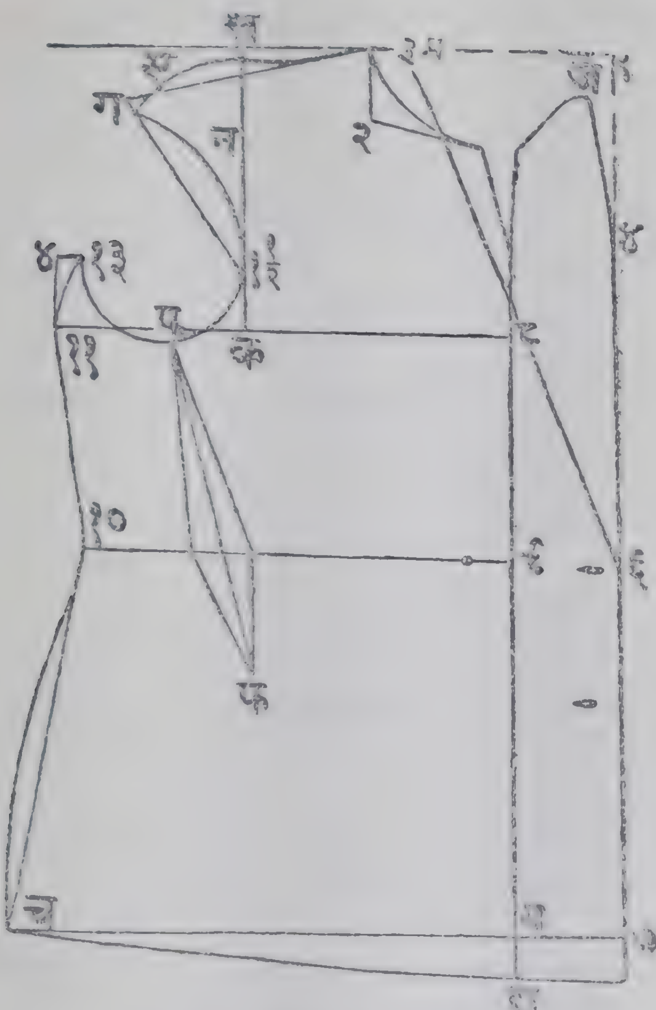
जब हमने जब साधारण खुला गलाका ड्राइङ्ग किया था तब पहले
एक सीधा लाइन खींचकर उससे १½इं०पर बटनके लिये दूसरा लाइन
भीतरमें बनाकर उसीसे नाप लिया था। परन्तु अभी पहले रेखासे
३ इं० दूर पर भीतरमें वैसा ही एक रेखा खींचकर उसीसे नाप
लोगे। सब नाप साधारण कोटके ऐसा लेकर चित्र बनाना होगा।

१ से ७ रेखा पीछाके लम्बाके बराबर खींचो।

इसी रेखासे ३ इं० भीतरमें ८, ६ रेखा खींचो। ऊपरके ० से
६ इं० नीचे ८ मोढ़ाका चिह्न दो। ऊपर ६ सेस्त नाप १६ इं०
नीचे सेस्तका चिह्न दो। अभी जो कुछ करना है ठीक साधारण
कोटके ऐसा चित्र बनानेसे डबल वेस्टकोटका चित्र बन जायगा।

सामना रेखाका ६ बिन्दूसे ५½ इं० दूर पर दो बटन लगेगा।

इस कोटका बटन दोनों तरफ होगा। और काज घर भी दोनों तरफ दो-दो करके बनेगा। बायाँ भागमें ऊपरके बटनके साथ भीतर



डबल ब्रेष्ट कोटका चित्र नं० ३१

में डबल ब्रेष्ट, वेष्टकोटके ऐसा एक बटन रहेगा। इसी बटनसे भीतर दक्षिण भाग लगाना होगा।

ब्लेजर कोट (Blazer Coat)

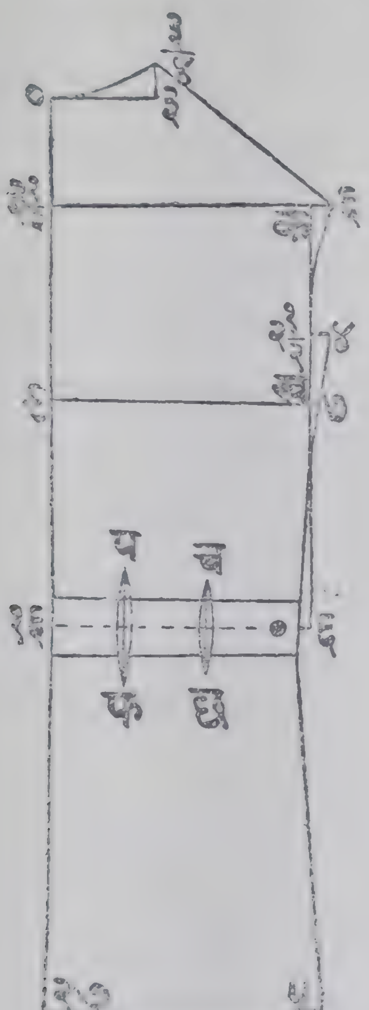
यह कोट ठीक साधारण कोटके ऐसा ड्राइंग करके काटना होग
यह टेनिश या क्रिकेट खेलनेके समय पहना जाता है
यह कोट अकसर नीला (Blue) या भूरा (Brown flanel) कपड़से
तैयारी होता है। यह कोट डबल ब्रेष्ट और सिंगल ब्रेष्ट दोनो
किस्मका तैयारी हो सकता है। इस कोटमें अस्तर नहीं दिया जात
क्योंकि यह कोट वहुत हल्का होना चाहिये। इसमें ऊपरसे
पाकीट लगता है और इसके आस्तीनमें अस्तर देना होता है। इस
कोटमें पीतलका बटन लगता है। कभी कभी इस कोटके सामनामे
दामनमें और अस्तीनके मोहरीमें सूताके ऐसा कर्ड दिया जाता है

गल्फ कोट (Golf Coat)

अब जो गल्फ कोटका वर्णन होगा यह कोट आजकल अधिक
चलता है। पुराना गल्फ कोटसे इसमें अधिक फर्क है। इसका
पीछाका एक ही कपड़ा होता है। इसके पीछामें कोई जोड़ सिलाई
नहीं होता। एक कलग कपड़ासे पीछा काटना होगा।

० से २७ रेखा कपड़ाके बीचकी जगह। इसके लम्बाईसे १/२ इं०
अधिक लेना होगा। ० से ३ १/२ सीनाके नापसे १/१२ अर्थात् ३ इं०
नीचे। ० से ६ मोढ़ाका नाप ६ इं० नीचे। ० से १६ सेस्तक
नाप १६ इं० नीचे। ० से सीनाका १/१२ अर्थात् ३ इं० हटकर
३ रक्खो।

३ से $\frac{3}{8}$ इं० ऊपर रखकर ० और $\frac{3}{8}$ को मिला दो। इसका पुटका नाप पहलेके कोटके पीछाके ऐसा बनेगा। ९ से ऊपर



गलफकोटका चित्र नं० ३२

का भाग ठीक शाधारण कोटके ऐसा बनाओ। क, ख रेखा सेस्त के रेखासे ६ तक लो। ६ से १ इं० भीतरमें दाग देकर ४ और उस

दागको चित्रके ऐसा जोड़ दो। २७ से ७½ इं० हटकर ५ रखकर ४, ५, ६ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

१६ से ६ तक ठीक इसका तीसरा हिस्सा अलग करके बीचका ½ भाग चित्रके ऐसा २ टेकिन लगाओ। टेकिन १ इं० चौड़ा और ३ इं० लम्बा रहेगा। इसका ३ इं० सेस्तके ऊपर और ३ इं० सेस्त से नीचे रहेगा। सिलाई करनेके समय सभी टेकिन और बीचके रेखाको पकड़ कर टेढ़ा रेखाके ऊपर सिलाई होगा।

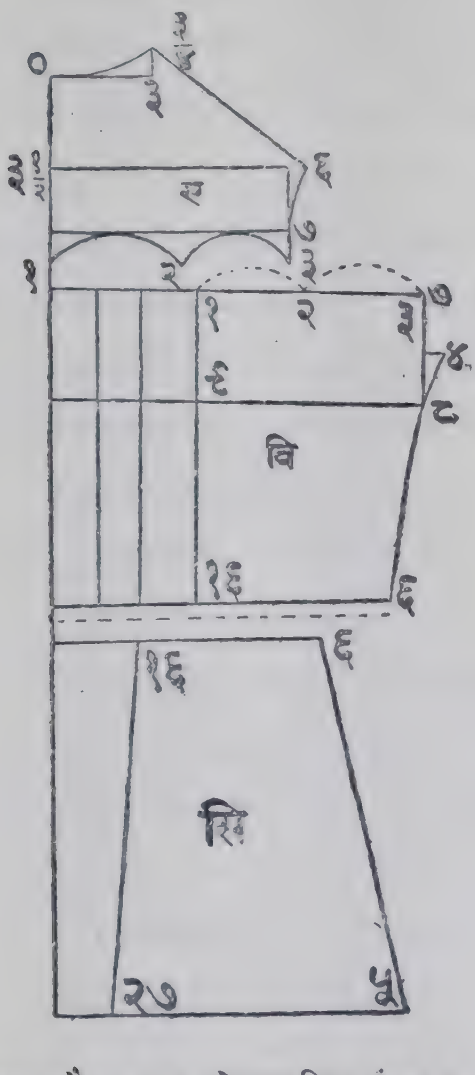
पहले प, फ और च, छ रेखाके ऊपर भाँज करके पासके टेढ़ा रेखाके ऊपर सिलाई कर दो। इसके बाद पीछाके कमरके बराबर करके २ इं० चौड़ा उसी कपड़ाका एक वेल्ट तैयार करके उसके बाद पीछाका कमरके बराबर करके ठीक सेस्तके ऊपर बैठाओ जो वेल्ट का चौड़ा ठीक बीचमें १६ और १ रेखाके ऊपर रहे। इसी वेल्टके दोनों तरफ आखीरमें एक एक बटन लगेगा। इसका सामना ठीक साधारण खुला गला कोटके ऐसा बनेगा।

पुराना फैसन गल्फ कोट (Golf coat old style.)

इस कोटका सामना ठीक साधारण कोटके ऐसा होगा। पीछाका तीन टुकड़ा काटना होगा। ऊपरके दोनों टुकड़ाके बीचमें कुछ सिलाई नहीं होगा। सलग कपड़ा रहेगा। अभी सबसे पहले पीछा का दिखलाते हैं।

इसके हिस्सा करनेमें ० से ३½ सीनाका ⅙ या ३ इं० नीचे। ० से १, पाँच इं० नीचे। ऊपरका हिस्सा ठीक कोटके ऐसा

होगा। उसके बाद ०, ३½. १, २, ३, ¾ ये सब देखोगे। अभी देखना होगा कि पीछे कितना प्लेट होगा। अगर पीछे एक प्लेट होगा



पुराना फैशन गल्फ कोटका चित्र नं० ३३

तब ५ से इञ्च नीचे १ रखकर १ और २ को टेढ़ा रेखा करके जोड़

दो। अगर पीछे तीन प्लेट रहेगा तब १, ०, ३ ठीक चित्रके ऐस
टेढ़ा करके शेप करो।

७ रेखासे १, २ और ३ एक इञ्च नीचे। ए भाग काटने
समय १, २, ३ इसके नीचे १/२ इञ्च परिमाणका कपड़ा रखकर काटन
चाहिये। ऊपरका हिस्सा ठीक कोटके ऐसा काटो। उसके बा
बी का हिस्सा काटोगे।

बी टुकड़ा काटनेके समय ख्याल रहे पूरा लम्बाके नापसे ५ इं
तक कटा हुआ हुआ है। अभी सेस्तके नापसे इतना कम कर
काटना होगा।

इसी भागको काटनेके समय पहले देखना चाहिये कि पीछे
कितना प्लेट होगा। जितना प्लेट होगा सब प्लेटके वास्ते चित्रमें जैस
दाग दिया है वैसा ही २ इं० कपड़ा रखकर तब ड्राइङ्ग करन
होगा।

ऊपरका ए भाग सिफ ५ इञ्च हुआ। अभी सेस्तका नाप १
इञ्च से ५ इं० ऊपर टुकड़ा बाद देनेसे जितना रहेगा उतना ही कम
तक काटना होगा। जैसा कि हम लोगोंने एक टुकड़ा काटा है उस
३ प्लेटका जगह रकखा है। अभी हरएक टुकड़ा काटनेमें एक एक
वास्ते २ इञ्च कपड़ा कुल ६ इं० कपड़ा रखकर तब ड्राइङ्ग करन
होगा। ऊपर जिना लिखा गया है चित्रमें देखनेसे अच्छी तरह समझ
जाओगे।

६ इञ्च कपड़ा रखकर १, ६ और १६ रेखा खींचो। १ से १,
रेखा खींचकर ऊपरमें ए हिस्सा ठीक इसी रेखाके ऊपर इस प्रका

रक्खो जो उसका १, बी हिस्सा १ ए, के ऊपर और ३ और ठीक
के ऊपर रहेगा। १, ७ रेखाके ऊपर १/२ इञ्च कपड़ा बेशी रखना
होगा। अब फीता लेकर नापनेसे देखा जायगा कि ० से १६ ठीक
६ इं० नीचे है।

० से ६ इं० नीचे मोढ़ाका दाग ६ रक्खो। उसके बाद कोट
जिस प्रकार बनाया है ठीक उसी तरह ड्राइङ्ग करो। तब चित्रमें
देखोगे ६, १६, १, ३, ७ इसका ड्राइङ्ग किया हुआ है। अब १६
और ६ रेखाके नीचे १/२ इं० अधिक कपड़ा रखकर काटना होगा।
उसके बाद सी हिस्सा काटना होगा। यही भाग काटनेके समय जो
आगेसे पोछाके ऊपरमें ए, बी दो हिस्सा काटा हुआ है उसके ठीक
पीछे होकर सी हिस्सा काटना होगा। पहले किनारासे २ इं० हटकर
१६ और २७ रेखा खींचो।

१६ से २७ होगा सेस्तका नापसे लम्बाईका बाकी हिस्सा।

१६ से ६ होगा बो हिस्साका १६ से ६ जितना रक्खा हुआ है।
सीनाका १/६ याने ६ इं०। २७ से साधारण कोटके नियमके
ऐसा १६ से ६ जितना है उससे और १ १/२ इञ्च अधिक हट कर ५
रक्खो।

६ और ५ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ करके २७ और ५ रेखाके
नीचे १ १/२ इं० अधिक कपड़ा रखकर काट देना होगा।

यह कोट अब किस तरह सिलाई किया जायगा उसे देखो।
पहले ए और बी हिस्सा दोनोंको खोल कर देखो एक हिस्साके नीचे
के तरफ तीन तीन ब्राइकेटके ऐसा कोण झुका है। इसी तीनों

कोणके साथ ३ प्लेट जोड़ कर देना होगा। यही दो टुकड़ा सिल करके बी हिस्साके साथ सी हिस्सा इस तरह जुटेगा जिस तर इसका १६ से २७ तक खुला रहे। इसके बाद कमरके ऊपर ए दो इं० चौड़ा बेल्ट जोड़ कर सिलाई कर दो। चित्र अच्छी तर देखनेसे मालूम हो जायगा। कभी-कभी इसी कोटमें देखोगे ि इसके ऊपरमें कोई प्लेट नहीं है लेकिन भीतरमें कुछ खु हुआ दिखलाई पड़ता है। उस समय प्लेट भीतर रहता है बाहर उसका मुंह खुला रहता है। सामना और आस्तीन साधारण कोट ऐसा करो।

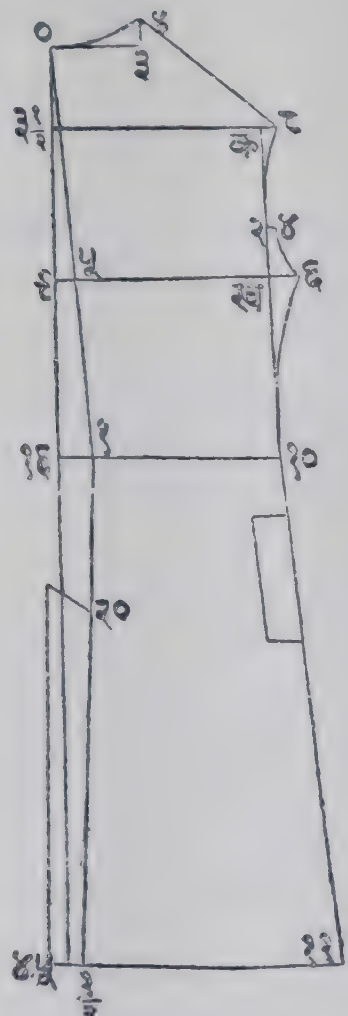
पार्सी कोट (Parsi Coat)

इस कोटके पीछा भागमें साधारण कोटसे जितना फर्क होता उसे समझानेसे अच्छी तरह समझ जाओगे। चित्र देखो तब समझोगे। सामना भाग ठीक साधारण कोटके ऐस होगा।

० से ४५ लम्बाके नापसे $\frac{1}{2}$ इं० ज्यादा लेकर लाइन खींचो।

० से १६, १६ इं० नीचे। १६ से १ इं० हटकर १ रखकर औ ४५ से $\frac{1}{2}$ इं० दूर पर $\frac{1}{2}$ बैठाकर ०, १, $\frac{1}{2}$ चित्रके ऐसा जोड़ दो ५ से सीनाका $\frac{1}{4}$ और ६ से १ इं० कम ८ इं० दूर पर रक्खो, क, ख रेखा सेस्तके लाइन तक नीचे खींच कर वहां पर १ रक्खो। ६ और १० चित्रके ऐसा जोड़ दो। ८ और ४ चित्र

ऐसा शेप करके जोड़ दो। इसका ऊपरका भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनाना होगा।



पार्सी कोट का चित्र नं० ३४

अब देखो साधारण कोटके पीछा भागसे इस कोटका पीछा कुछ बड़ा है। १ से १० जितना दूर है उतनासे २ इं० ज्यादा लेकर

१ से उतना दूर पर ११ रखकर १ और ११ जोड़ दो। १० से या ४ इं० नीचे पाकेटका निशान लगाकर ६ इं० बगल पाकीट मुंह बनाकर पतलूनके पाकोटके ऐसा पाकीट तैयार कर लो।

ड्रेस कोट

यह कोट शामको डिनर पार्टी (Ball dancing) में जाने पहिले पहिना जाता है।

यह पोशाक काले कपड़ेसे तैयार किया जाता है, जिस अंग्रेजीमें टैलडकोट (Taild coat) कहते हैं।

इस कोटके काटनेकी विधि नीचे दी जाती है।

नाप	सेस्त	१७॥	इं०
,,	लम्बाई	४१	इं०
,,	पुट	८॥	इं०
,,	बाँह	३२	इं०
,,	सीना	४०	इं०
,,	कमर	३५	इं०

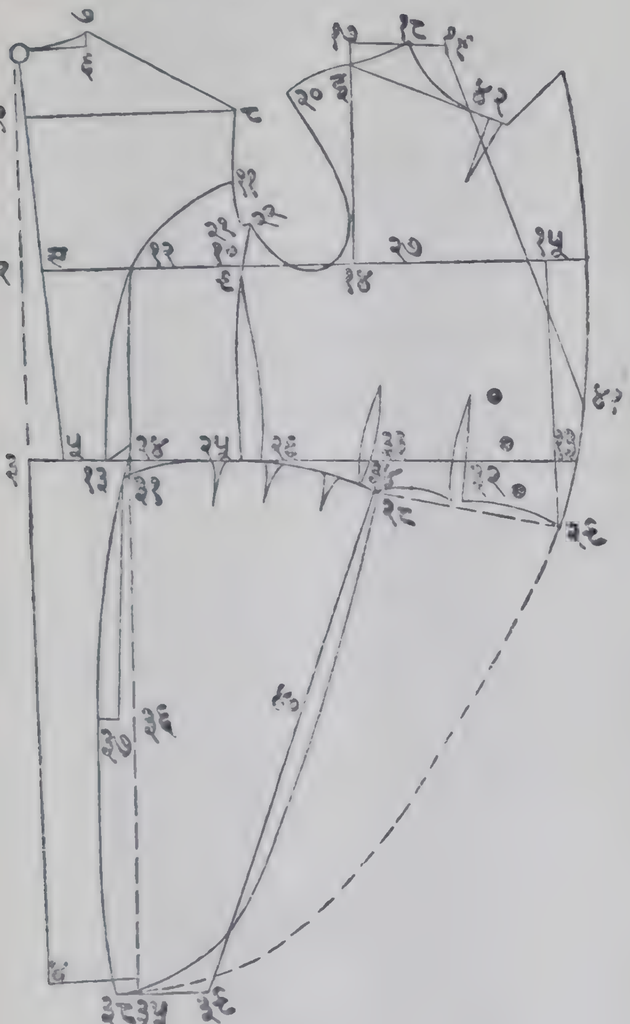
पहिले ० से एक सीधी रेखा खींचना फिर ० से चार रेखा लम्बाई ४१ के बराबर खींचना।

० से	१	२॥	इं०
२ से	०	६॥	इं०

३ से ० सेस्तका नाप १७॥ और आधा इं० अधिक।

० और ५ चित्रानुसार जोड़ना

० से ६ तीन इं० दूरी पर



ड्रेश कोट नं० ३५

६ से ७ एक इं० दूरी पर

५ से ३ एक इं० दूरीपर ० और ७ चित्रानुसार जोड़ना।

१ से आठ (८) पुट नापसे आधा इं० अधिक।

८ से ६ तक एक सीधी रेखा खींचना

८ से ३ इं० नीचेमें ११ लगावो

१२ से ए ३ इं०

१३ से ५ दो इं० दूरी पर

११, १२ और १३ चित्रानुसार जोड़ना।

१४ से ए ६। सीनेके नाप दो तिहाई $\frac{२}{३}$ आधा इं० अधिक।

ए से १५ पूरा सीनाको नापकर आधा और २॥ इं० अधिक।

१५ से १३ एक सीधी लकीर (रेखा) खींचना।

१४ से ६॥ इं० दूरीपर १४ और १७ सीधी रेखा खींचना।

१७ से १८ तीन इं० दूर।

१८ और १७ जड़ डाल लेना।

२० से १८ पीछेके अंशका ७ से ८ तक जितना हो उसीसे एक चौथाई इं० कम।

२१ से ६ डेढ़ इं०।

पिछला भागका

२२ से २१ आधा इं०।

५ से ३२ कमरके नापसे आधा और अढ़ाई इं० अधिक।

२४ से १३, १६ से ३२ इं० का आधा।

२५ से २४, १२ से ६ जितना है उससे आधा इं० कम।

२६ से २५, १६ से १३ जितना उससे आधा है। अब चित्रानुसार जोड़ना।

२७ से १४, २ इंच दूर पर।

२८ से एक सीधी रेखा खींचना।

२८ सेस्तसे १॥ इं० नीचा।

१६ से २६ तीन इं०

२८, और ३० चित्रानुसार जोड़ना

३१ से २४ आधा इंच

२८ से २६ चित्रानुसार ½ इं० नीचा कर जोड़ना

१६ से ३½ इं० दूर पर उसी प्रकार एक टेकिंग लगाओ।

३३ पर फिर उसी अनुसार चित्र देखकर एक और टेकिंग लगाओ।

३४ से २८ आधा इं०

३१ से ३६ ६ इं०

३१ से ३६ १० इं०

३६ से ३७ १½ इं०

३८ से ३५ १½ इं०

३६ से ३८ ३½ इं० अब ३४ इं० तक जोड़ना।

४२ से १६ ३ इं० चित्रानुसार जोड़ कर देखो।

ड्रेश कोटका ड्राइंग हो गया।

इसका आस्तीन कोटके हिसाबसे बना लो।

मोरनिंग कोट

इस कोटको भी ड्रेश कोटके अनुसार काले कपड़ेसे बनाया जाता है।

मौरनिंग कोट तथा ड्रेश कोटसे इतना ही फरक है कि मौरनिंग कोटका इस्काट ३१ तथा २६, ३६, ३८ के सामान होगा। यह कोट सुबहमें पहिना जाता है।

ड्रेश कोटका चित्र देख लो। इस स्काटकी बात जो लिखी गई वह बिन्दुओंसे अंकित किया हुआ है।

चपकन (Chapkan)

मुस्लिम राज्यके समय हमारे देशमें चोंगा और चपकनका प्रचार हुआ। अभी भी व्यवहार किया जाता है किन्तु उतना नही। एक समय कानूनी काम करने वाले चोंगा, चपकनका व्यवहार करते थे इसीसे हमलोगोंको भी इस पोशाककी जरूरत पड़ती थी। यह पोशाक शरीरमें फिट न होने से सुन्दर नहीं मालूम पड़ता। इसको शरीरमें ठीक फिट करनेमें कुछ कठिनाई है।

इसका कपड़ा २७ इं० या छोटा अर्जका हो तो ४ गुणा लम्बा और आधा गज अधिक कपड़ा लो। यदि ५४ इं० या डबल अर्जका कपड़ा हो तो डबल लम्बा और ८ गिरह कपड़ा अधिक लो।

इसके पीछाका कपड़ा सलग या एक ही कपड़ासे काटना चाहिये। साधारण जामाके सेस्नके नामसे इसका सेस्त २ इं० कम कर लेना चाहिये।

नाप—सेस्त १४, ल० ४०, पु० ८, पु० अ० ३०, सी० ३६, कमर ३०, गला १४। छोटा अर्जका कपड़ा होनेसे चौड़ाका आधा भांज करके काटना होगा। यदि डबल अर्जका कपड़ा रहेगा तो सल्ग किनारासे पीछे काटा जायगा।

पीछा भाग

० से लम्बाईमें एक इं० अधिक कपड़ा जोड़कर तब उस जगह ४० रक्खो।

० से सीनाका $\frac{१}{१२}$ अर्थात् ३ इं० से $\frac{१}{२}$ कम २$\frac{१}{२}$ इं० दूर पर २$\frac{१}{२}$ रक्खो।

० से आध इं० नीचे $\frac{१}{२}$ रखकर $\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। देखो इसके गलेमें कोई कालर नहीं होता, ठीक पंजाबी (कुर्त्ता) के ऐसा होता है।

० से सीनाका $\frac{१}{१२}$ या ३ इं० हटकर ३ रक्खो।

० से पुट ८ इं० और आधा इं० ज्यादा ८$\frac{१}{२}$ इं० दूर पर ८$\frac{१}{२}$ रक्खो। २$\frac{१}{२}$ और ८$\frac{१}{२}$ ठीक चित्रके ऐसा सीधा रेखा खींचकर मिला दो। ८$\frac{१}{२}$ से $\frac{१}{२}$ इं० ठीक भीतरमें कोटके ऐसा क, ख रक्खो। ० से ६ इं० नीचे मोढ़ाका दाग देकर ६ रक्खो। ० से सेस्तके नापके ऐसा हटकर १४ रक्खो।

६ से सीनाका $\frac{१}{४}$ या ६ इं० दूर ८ पर रक्खो।

१४ से कमरका चौथाई या ८ इं० हटकर दाग दो।

४५ से सीनाके नापका आधामेंसे ४ इं० कम करके अर्थात् सीनाके नाप से ८ इं० कम करके उसका आधा जितना होता है ठीक उतना

ही दूर पर ४१ रक्खो। ८ कमरके रेखाका दाग और ४ ठीक सेप करके चित्रके ऐसा जोड़ दो। ४ से १ इं० ऊपर एक दाग देकर १ रक्खो और उसके बाद ४० और १ ठीक चित्रके ऐसा दो।



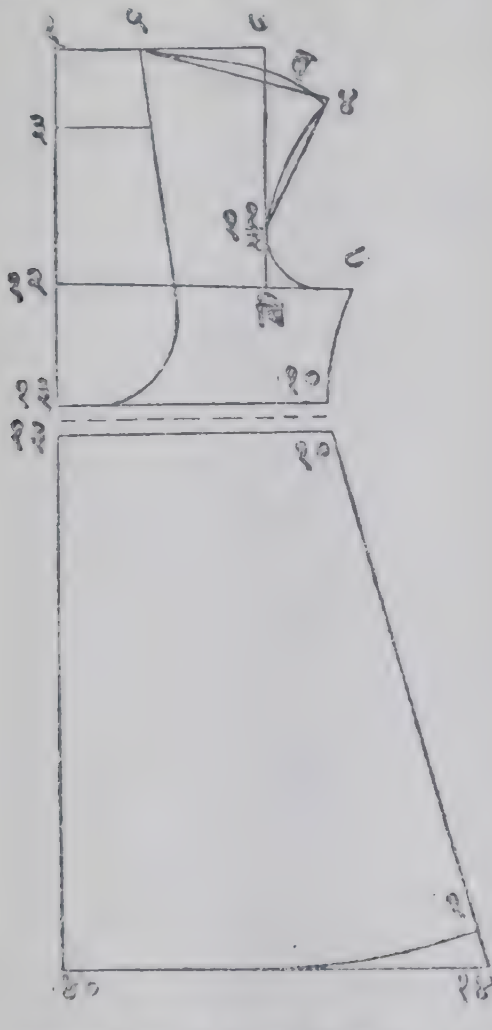
चपकनके पीछा भागका चित्र नं० ३५

पीछा काटनेके समय ४० और ४१ रेखाके नीचे १½ इं० ८

और ४ रेखाके बगलसे १½ इं० अधिक कपड़ा लेकर काटना चाहिये।

सामना भाग

चपकनके सामनामें दो हिस्सा काटना होता है। गलासे ०, से



चपकनके सामने भागका चित्र नं० ३६

सेस्त तक एक हिस्सा और सेस्तसे नीचा जितना कपड़ा है। वह एक

भाग रहेगा। सेस्तसे नीचा जो कपड़ा काटा जाता है उसको सामनेका पर्दा बोलते हैं। उसके नीचे ठीक उतना ही बड़ा कपड़ा रहता है उसको भीतरका पर्दा बोलते हैं। भीतरका कपड़ा ऊपरके कपड़ासे कुछ छोटा रहने पर कोई खराबी नहीं मालूम होती। कपड़ाके सुविधाके लिये यह प्रायः छोटा ही रक्खा जाता है।

१ से तेरहतक सेस्तके ऐसा लम्बा।

१ से ३ सीनाका १/१२ का एक भाग दूर।

१ से १२ मोढ़ाके बिन्दूसे ६ इं० नीचे।

१२ से बी और १ से ७ सीनाके चौथाईसे १ इं० कम दूर पर ७ से ३ एक इं० नीचे रहेगा। ७ से ५ सीनाका १/१२ अर्थात् ३ इं० और१ इं० अधिक ४ इं० दूर पर। ५ से ४ पीछा भागमें ८ १/२ और २ १/२ जितना है उससे पाव इं० कम।

५ और ३ जिस तरह केप कालर कोटका गला ड्राइंग हुआ है ठीक उसी तरह होगा। ख्याल रखना होगा कि ३, ५ गला और पीछाका १/२ और २ १/२ रेखा नाप कर ठीक गलाका नाप १४ से आध इंच बेसी होगा।

४, ७ और १३ ठीक चित्रके ऐसा करोगे। काटनेके समय इस रेखासे आधा इं० अधिक काटना होगा।

१२ से सीनाका चौथा और १ १/३ इं० अधिक अर्थात् १० १/२ इं० दूर पर ८ रक्खो १३ से कमरका चौथाई भागका एक भाग और १ १/२ इं० अधिक कुल साढ़े नौ इं० दूर पर १० रखकर ८ और १० चित्रके ऐसा बनाओ। ४,१ १/२ और ८ ठीक कोटके मोढ़ाके ऐसा शेपकर दो। काटनेके

समय ८ और १० रेखाके आगे १½ इं० और १०, १३ रेखाके नीचे ½ इं० अधिक कपड़ा रखकर काटो।

१३ से सेस्तका नाप १४ इं० बाद देकर लम्बाईका बाकी हिस्सा लेकर नीचेमें ४१ रक्खो। ४० से सीनाके नापसे ४ इं० कम करके उसका आधा जितना होता है उस जगह १४ रक्खो।

१३ से कमरका चौथाई और १½ इं०, कुल ६½ इं० दूर पर १० रक्खो। १० और १४ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। यह पहले ही बतला चुके हैं कि इसमें दो तह कपड़ा होता है जिसमें एक तह कुछ छोटा रहने पर भी कुछ खराबी नहीं करेगा। इसमें दामनमें और बगलमें १½ इं० अधिक कपड़ा रखकर काटना होगा।

पहले ऊपरके कटे हुए हिस्सेको बिछा कर देखोगे दो खण्ड हो गया है। इसका सेस्तका जगह १३ दाग दोनोंको इकट्ठा करके ठीकसे बिछाओ। देखो जिस जगह परदा काट कर बिछाये हो ठीक उस जगह एक फांक दिखलाई देगा। इसको उस जगहके उस फांकसे लम्बा १ इं० चौड़ा ४ इं० बड़ा और उस जगह परदा जोड़कर सिलाई करना होगा। इसी परदाके बांयाभागके कपड़ाके साथ सिलाई करना होगा और इसके दाहिना भागमें बटन लगाकर और दाहिना भागके ऊपरके हिस्सामें काजघर तैयारी करना होगा।

बांया खण्डके साथ नीचेका कपड़ा सिला रहेगा और दाहिनामें ऊपरके हिस्सामें सिलाई रहेगा। इस परदेका जो कोण बांया भागके साथ मिला रहेगा या इसमें एक काजघर रहेगा और बांया

तरफ एक बटन लगाना होगा। इसमें बगलमें कुर्ताके ऐसा पाकिट रहेगा। चित्रको अच्छी तरह देखोगे।

चोगा (Choga)

जो लोग चपकन पहनते हैं वे चोगा भी व्यवहार करते हैं। इसमें कोई बटन नहीं होता है। किन्तु इसके सामना भागमें दो दो करके चार फूल देना पड़ता है। यह चपकनसे १ इं० लम्बा अधिक होगा। इसके पीछेका हिस्सा चपकनके ऐसा काटा जायगा। किन्तु इसमें कुछ फर्क है। चपकनका पीछा काटनेके समय सीना और कमरका चौथाई लिया जाता है। किन्तु चोगाके पीछा काटनेमें सीना और कमरके चौथाई से १ इं० अधिक लेकर काटा जाता है। चपकनके पीछाको लेकर देखनेसे इसका भेद मालूम हो हो जायगा, पीछा नहीं देखकर सामना भी देख सकते हो।

नाप:—सेस्त १४, ल० ४०, पु० ८ पु० अ० ३०, सीना ३६ कमर ३२।

० से ४२ लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक।

० से ६ मोढ़ाका नाप।

० से १४ ठीक सेस्तका नाप १४ इं० नीचे।

० और ६ से क, ख रेखा सीनाका नाप ३६ और इसका चौथाई ९ इं० से १ इं० कम ८ इं० दूर पर। ख से ३ सीनाका $\frac{१}{१२}$ या ३ इं० दूर पर। ख स ए कोटके ऐसा १ इं० नीचे।

३ और ५ रेखा ठीक कोटके ऐसा उसी नियमसे होगा। ६ से ११ सीनाका $\frac{1}{4}$ और २ इं० अधिक, ११ इं० दूर पर। १४ से १०



चोंगाका चित्र नं० ३७

कमर का $\frac{1}{4}$ और $1\frac{1}{2}$ इं० अर्थात् $6\frac{1}{2}$ इं दूर पर। ४२ से सीनाके नापसे २ इं कम करके उसका आधा १७ इं० दूर पर दाग दो।

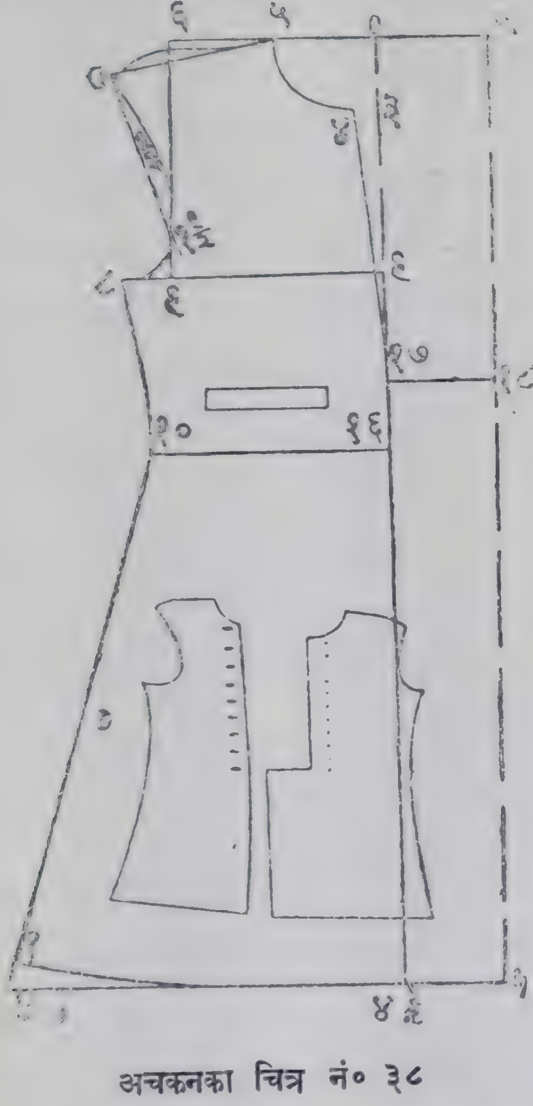
अब चित्रके ऐसा जोड़ दो। वेष्ट कोटका गला जिस त
तैयार किया गया है ठीक उसी हिसाबसे गला तैयार करो। चि
जिस तरह दो बटनका जो दाग दिया हुआ है उसके पीछे या सामन
दो-दो करके ४ फूल बैठाओ। इसके काटनेके समय सामने ब
दामनमें १½ और लेकर तब काटना चाहिये। इसमें पाकीट न
होता। लेकिन चपकनके पाकीटके हिसाबसे दोनों तरफ दो पाक
का मुख खुला रखना चाहिये। जिससे इसके मुखके भीतरमें चपक
ऐसा पाकीटमें हाथ दिया जाय। इसके गलामें कालर नहीं होता
पहले किसी किसीमें रोल कालर होता था।

अचकन या शेरवानी

इसका पीछा ठीक चपकनके ऐसा उसी हिसाबसे काटा ज
है। इसके सामनामें जो फर्क है वह लिखा जाता है। लम्बा ठ
चपकनके ऐसा नीचे तक होता है। कुछ लोग और भी लम्बा अ
कन पहनते हैं। इसमें प्रायः बन्द गला होता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४०, पु० ८, पु० अ० ३०, सी
३६, कमर ३२, गला १४। कपड़ाके किनारामें लम्बाईसे १ इं० अधि
कपड़ा लेकर ४० से ४१ रेखा खींचो। ख्याल रखना चाहिये
इसका पीछाका भाग सलग कपड़ा होना चाहिये। इसी रेखा
५ इं० हट कर भीतरमें इसी रेखाके सामने ० और ४१ रेखा खींचो
० से ६ इं० नीचे मोढ़ाका बिन्दू ६ और सेस्तका नाप १६ इ
नीचे १६ रक्खो।

० और ६ से सीनाका नाप ३६ और उसका चौथाई ६ इं० से १ इं० कम अर्थात् ८ इं० करके ६, ६ रेखा खींचो।



अचकनका चित्र नं० ३८

६ से सीनाके नापका ३६ का $\frac{1}{12}$, ३ इं० और १ इं० कुल ४ इं० दूर पर ५ रक्खो।

३, ४, ५ रेखा बन्द गला कोटके ऐसा बनाना होगा। इसके गलेका नाप भी ठीक वैसा ही होगा। ६ से सीनाका नाप ३६ और उसका $\frac{1}{4}$ और १$\frac{1}{2}$ इं० जोड़कर १०$\frac{1}{2}$ इं० दूर पर रक्खो अब ८ और ६ रेखाके ऊपरका हिस्सा ठीक चपकनके सामनाके ऐसा होगा।

१६ से १० कमरका नाप ३२ और उसका चौथाई ८ इं० और १$\frac{1}{2}$ इं० कुल ६$\frac{1}{2}$ इं० दूर पर। ४१ से १४ सीनाका आधा १८ से १ इं० कम १७ इं० दूर पर। १ इं० ऊपरमें। अब चित्रके ऐसा जोड़ दो। काटनेके समय सामने और दामनके नीचे १$\frac{1}{2}$ इञ्च मोड़ने का कपड़ा रखकर तब काटना चाहिये।

केपकालर कोटके ऐसा जिस तरफ काजघर होता है उसी भागमें ४, १७ और ४१ रेखाके ऊपरसे काटना चाहिये। और जिस खण्डमें बटन रहता है उसमें ३, ६, १७ बिन्दूके ऐसा रेखा देकर तब काटना चाहिये। चपकनके ऐसा दोनों तरफ दो पाकीट होगा सामना भागके चित्रमें जो दाग दिया हुआ है उसी स्थानमें जिस तरफ बटन रहता है उस भागमें एक पाकीट रहता है।

सभ्य मुसलमान लोग बांया तरफ बटन व्यवहार करते हैं और हिन्दू लोग दाहिनाके तरफ बटनका व्यवहार करते हैं। इसमें अधिक हाईकालर लगता है और कालरमें दो हुक लगा रहता है।

चेष्टरफिल्ड (Chester field)

साधारण कोटसे चेष्टरफिल्ड कुछ अधिक ढीला और चेष्टर-

फिल्डसे अलेस्टर और भी ढीला रहता है। यही दोनों चीज कोटके ऊपरसे पहना जाता है और कभी कभी कोट नहीं पहन कर सिर्फ इसीको पहन लेते हैं।

इसी वजहसे चेष्टरफिल्डमें कुछ अच्छा शेप बनाया जाता है। जिससे इसमें सौन्दर्यके सिवा कोई त्रुटि न रह जाय।

साधारण कोटके मोढ़ासे चेष्टरफिल्ड और अलेष्टरका मोढ़ा आधा इं० अधिक रहता है और तब काटा जाता है। इसका पुट साधारण कोटके पुट के नापसे आध इं० अधिक रखना होता है। चेष्टरफिल्डकी लम्बाई घुटनासे ५ या ६ इं० नीचे रहती है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

पीछा भाग

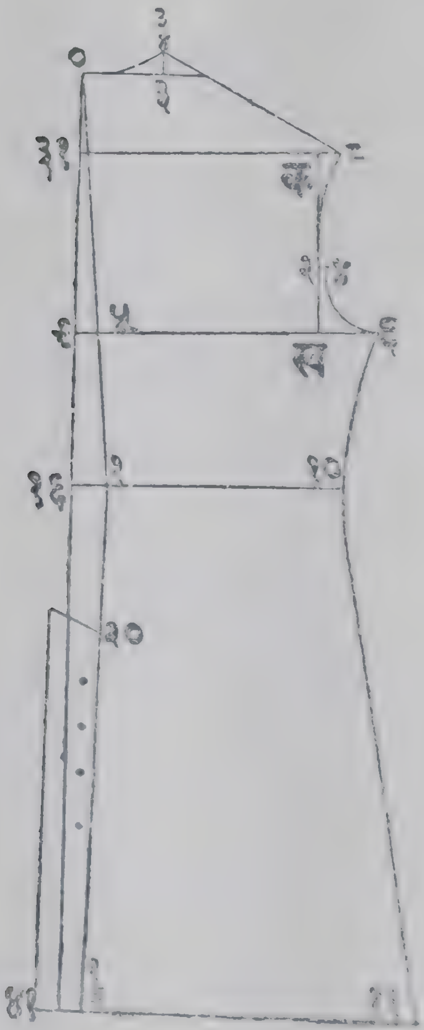
० से ४१ लम्बासे १ इं० अधिक लेकर ० और ४१ रेखा खींचो।

० से ३ सीनाका १/१२ और १/४ इं० अधिक अर्थात् ३ १/४ इं०।

३ से ३/८=३ और पाव इं० ऊपर। ० से ३ १/२ इं० सीनाका १/१२ भाग नीचे। ० से ६ साधारण मोढ़ाका नाप ६ इं० से १/२ इं० अधिक अर्थात् ६ १/२ इं० नीचे।

१६ से १, १ १/२ इं० और ४१ से १/२ एक इं० दूर पर रख कर ०, १, १/२ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से पुटका नाप ८ इं० और १/२ इं० कुल ८ १/२ इं० लेकर ३ १/२ रेखाके ऊपर जहाँ तक जायगा वहाँ पर ८ रक्खो। ८ और ३/४ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

८ से ½ इं० भीतरमें क, ख रेखा खींचकर ८ और क, ख रेखा चित्रके ऐसा जोड़ दो।



चेष्टरका पीछा भाग चित्र नं० ३९

ख से २½ इं० ऊपर २ रखकर उससे पाव इं० बाहरमें ४ रखोगे।

पाँचसे सीनाका चौथाई ६ इं० से १ इं० कम ८ इं० दूर पर ६ का दाग दो। ६ और ४ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

१ से सीनाका $\frac{१}{६}$=६ इं० और $\frac{३}{४}$ इं० अधिक, सब जोड़कर पौने सात इं० दूर पर १० रक्खो। $\frac{१}{२}$ से ११ तक कमरका नाप हुआ या पौने सात इं० से २ इं० अधिक दूरी पर। अभी ६, १०, ११ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ कर देनेसे पीछा हो गया। पीछाके $\frac{१}{२}$ से २० तक खुला रहेगा और २० से ८ इं० दूरी पर बटन लगा दोगे।

काटनेके समय ठीक साधारण कोटके पीछाके ऐसा सीनेके लिये दवाबका कपड़ा रखकर तब काटोगे।

सामना भाग

० से पीछाके लम्बाके बराबर ० और ४ रेखा खींचो। ० और ४ रेखासे २ इं० बाहरमें ६ और ३ रेखा खींचो। ० से ५ तक सेस्तका चिह्न।

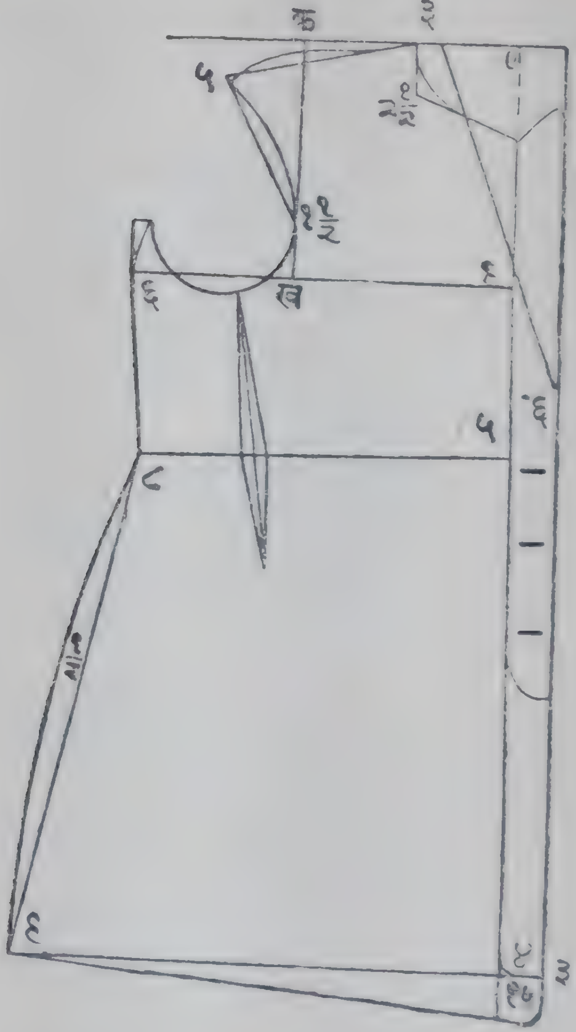
६ से ६ सीनाका $\frac{१}{२}$ और ३$\frac{१}{२}$ इं० अधिकसे पीछाका ५ से ६ जितनी दूरी पर है ठीक उसी जगह पर होगा।

५ से ८ हुआ कमरका आधा और ३$\frac{१}{२}$ इं० अधिकसे पीछाके कमरके १ से १० जितना दूर है ठीक उतना ही कम।

४ से ६ हुआ पीछाके $\frac{१}{२}$ से ११ भाग अधिक। ६ और ० से क, ख रेखा सीनाके चौथाईसे १ इं० कम दूर पर।

६ और ६ रेखाके ऊपर ठीक साधारण कोटके ऐसा बनेगा। चेष्टरफील्डमें चार बटन होता है। ६ से १२ इं० दूर तक बटन रहेगा। इसका बटन ऊपर दिखलाई नहीं पड़ता। जिस तरह पैंटमें

फलाइ बटन होता है उसी तरह होगा। काटनेके समय कोटके ऐस

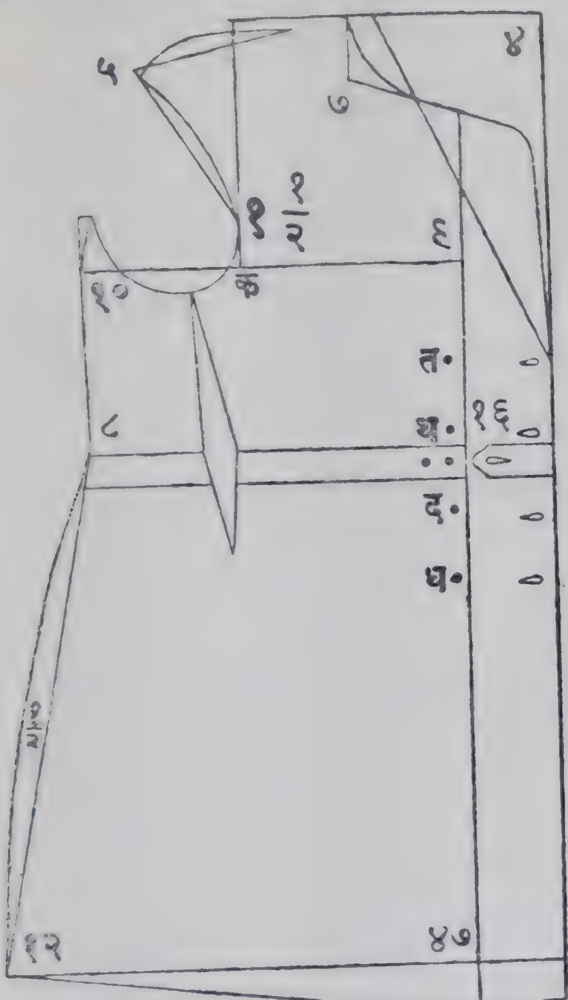


चेष्टरके सामने भागका चित्र नं० ४०

कपड़ा लेकर तब काटा जायगा। यही हुआ सिंगल ब्रेष्ट चेष्टर फिल्ड।

ओभर कोट

ओभर कोट अलेस्टर चेष्टर फिल्डसे अधिक लम्बा होता है।



ओभर कोटका सामना भाग चित्र नं० ४१

यह पाँवके नीचेसे ५, ६ इं० ऊपर रहता है। ओभर कोटके कमर में एक वेल्ट होता है। लेकिन चेष्टर फिल्डमें नहीं होता। फिर भी

कभी कभी देखा जाता है कि चेष्टर फिल्डके पीछामें एक छोटा बेल्ट रहता है। इसका पीछा ठीक चेष्टरके पीछा भागके हिसाबसे काटा जाता है। इसमें कोई भेद नहीं है। यहाँ सिर्फ सामना भाग दिखलाया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ५०,पुट ८, पु० अ० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

ऊपर से ४७ पीछाके लम्बाईके नापके ऐसा रेखा बनाओ। इस रेखासे बाहरके ४ इं० दूर पर ४ रेखा उसके ठीक सीधमें खींचो।

ऊपर से ६ मोढ़ाका रेखा ६½ इं० दूर पर।

ऊपर से १६ सेस्तका रेखा १६ इं० दूर पर।

ऊपर से ६ तक क, ख रेखा सीनाके चौथाई भागसे १ इं० कम याने ८ इं० दूर पर। ६, १० रेखाके ऊपरका हिस्सा ठीक साधारण कोटके ऐसा बनेगा।

६ से १० सीनाका आधा और ३½ इं० अधिकसे पीछाके छाती का हिस्सा जितना कम है ठीक उतना ही रहेगा।

१६ से ८ कमरका आधा और ३½ इं० से पीछाका कमर बाद देकर जितना होगा।

४७ से १२ पीछाके दाहिनासे दूना। त, थ, द, ध यह चारो बटनका जगह। ओभर कोटमें डबल ब्रेष्ट होता है। ४ और १६ रेखासे बटन ६ इं० हटाकर रखना होगा।

बच्चोंका कोट

इस कोटके काटनेमें साधारण मनुष्योंके कोटसे जो फर्क रहता

है वह यहाँ पर दिखलाया जाता है। चित्रमें अच्छी तरह देख लेने पर कोई कठिनाई नहीं होगा।

नाप—सेस्त १४, लम्बा २४, पुट ६½, पु० अ० २६, सीना ३०, कमर २६।

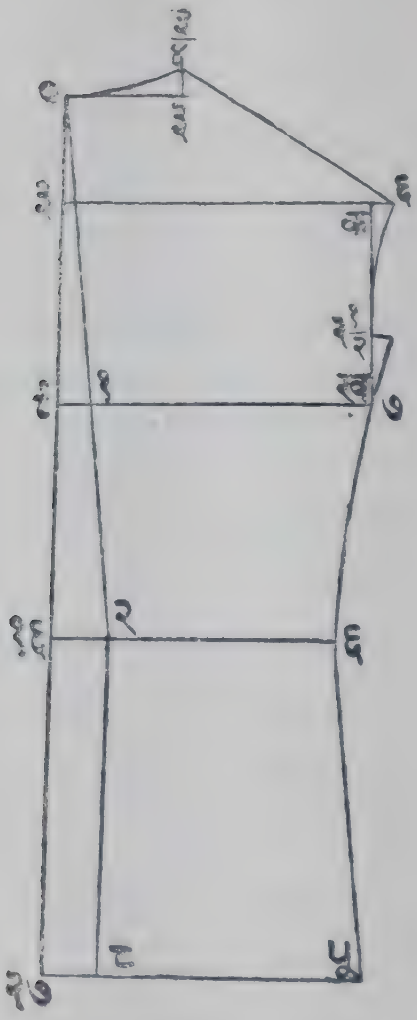
इसका पीछा पहलेके बताए अनुसार साधारण कोटके ऐसा कटेगा। सामनाभाग काटनेके समय साधारण कोट जिस तरह किया जाता है उसके पहले ०, ८, ७ रेखा खींचोगे। उसके बाद उसी रेखासे १ इं० दूर पर भीतरमें २, १३, १४ और २६ रेखा खींचोगे। साधारण कोटके समय पहली रेखासे दूसरी रेखा तक १½ इं० दूर पर खींचते हैं। साधारण कोटके आगाका सीना १३ और ८ मिला कर सब था सीनाका आधा और २½ इं० अधिक लेकिन इस कोटके समय सीनाका आधा २ इं० अधिक, अर्थात् पहलेके नापसे आधा इं० कम रहेगा।

कमरका नाप भी ठीक उसी तरह। कमरका आधा और २ इं० अधिक। और बाकी सब साधारण कोटके ऐसा रहेगा। इसमें साधारणतः ३ बटन रक्खा जाता है। छोटे उम्र वाले बच्चोंके लिये प्रायः सीना और कमर बराबर रहता है। इन सब कोटोंमें टेकिन नहीं दिया जाता। इसका आस्तीन ठीक साधारण कोटके आस्तीन की तरह काटा जाता है।

पीछा

० से २७ लम्बाके नापसे १ इं० अधिक लेकर इस रेखाको खींचो। ० से ३ मोढ़ाका ⅓ नीचे। ० से ६ मोढ़ाके समान।

० से १६ सेस्तके नापके समान। १६ से २ और २७ से ८ एक इं०
दूर रखकर ०, १, २ और ८ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से ३
सीनाका $\frac{१}{१२}$। ३ से $\frac{३}{४}$ आधा इं० ऊपर।



कोटका पीछा भाग चित्र नं० ४२

० और $\frac{३}{४}$ जोड़ दो। ० से ६ पुटका नाप और आधा इं०

अधिक। ६ से क आधा इं० भीतरमें लेकर क, ख रेखा लम्बा कर खींचो।

ख से २½ डेढ़ इं० ऊपर। २½ से पाव इं० बाहरमें एक दाग दो।

२ से ६ सीनका १/६ की दूरी पर। ८ से ५ होगा २ से ६ जितना है उससे १½ इं० अधिक। ५, ६ ७, और २½ ठीक चित्रके ऐसा जोड़कर साधारण कोटके ऐसा मोड़कर सिलाईका कपड़ा रखकर तब काटना होगा। तब पीछाका भाग बन जायगा।

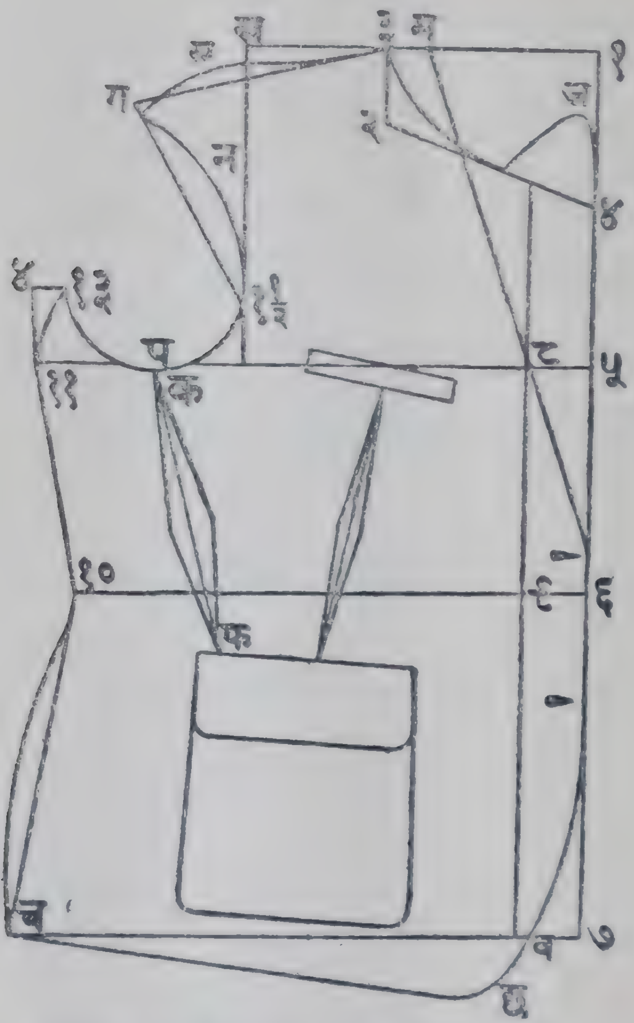
सामना (आगा)

१, ५ और ७ रेखा पीछाके लम्बाके बराबर।

८ और ६ रेखा पहले रेखासे १ इं० भीतरमें। १ और ५ से ख और १½ रेखा सीनाका चौथाई और आधा इं० अधिक दूर पर। ख से ३ और ग रेखा १ इं० नीचे। ३ से २ डेढ़ इञ्च नीचे। ३, ए और ग चित्रके ऐसा जोड़ दो। ५ से ज पीछाके ८ और ५ का दूना। ब से छ, १, एक इं० नीचे। चित्रके ऐसा मिला देने पर सामना बन जायगा। काटनेके समय पहले साधारण कोटके ऐसा मोड़ कर तब काटना चाहिये।

बच्चोंका केप कालर कोट साधारण कोटके ऐसा बनेगा। इस

कोटमें, जिस तरह साधारण कोटमें कम ढीला रहता है ठीक वैसा ह
बनेगा।



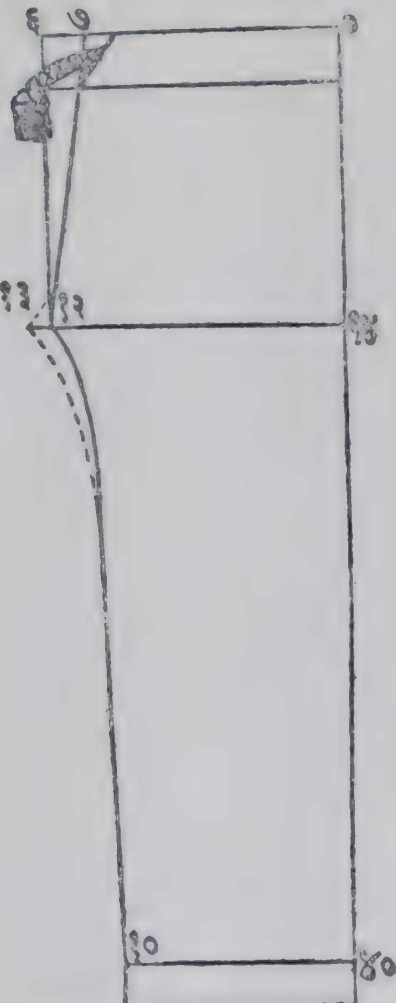
कोटके सामने भाग का चित्र नं० ४३

पायजामा या ड्रासर

ढीला पायजामा और ड्रायर एक ही नियमसे काटा जाता है
पायजामा पैन्टके ऐसा लम्बा रहता है। किन्तु ड्रायर या अन्डर

ड्रायर घुटना तक लम्बा होता है। इसका घुटना ढीला रहता है। इसलिये डबल लम्बा और आधा गज कपड़ा अधिक लेना होगा।

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, मोहरी २०।



पायजामा का चित्र नं० ४४

० से ४० लम्बाके नापसे १ इं० अधिक। ० से १४ पीछाके नापका ⅓ और १ इं० अधिक। १३ से १४ पीछाका ⅓ और १३

इं० अधिक अर्थात् १३½ इं०। १३ से १४ जितना है, ० से और १४ मेंसे २ इं० कम करके १२ और ७ सीधा चित्रके ऐसा जोड़ दो। ४० से १० हुआ मोहरीके नापसे आधा और आधा इं० अधिक। ० से ६ रेखाके ऊपर दाग दोगे नहीं तो २ इं० अधिक कपड़ा लेकर नाप लोगे। ४० और १० रेखाके नीचे और मोड़नेके लिये २ इं० कपड़ा अधिक रखकर काट लोगे। बच्चोंका पायजामा और इजार ठीक इसी तरह कटेगा। निकर या बकरम देकर जो पाय-जामा रहता है वह भी ठीक इसी नियमसे काटा जाता है।

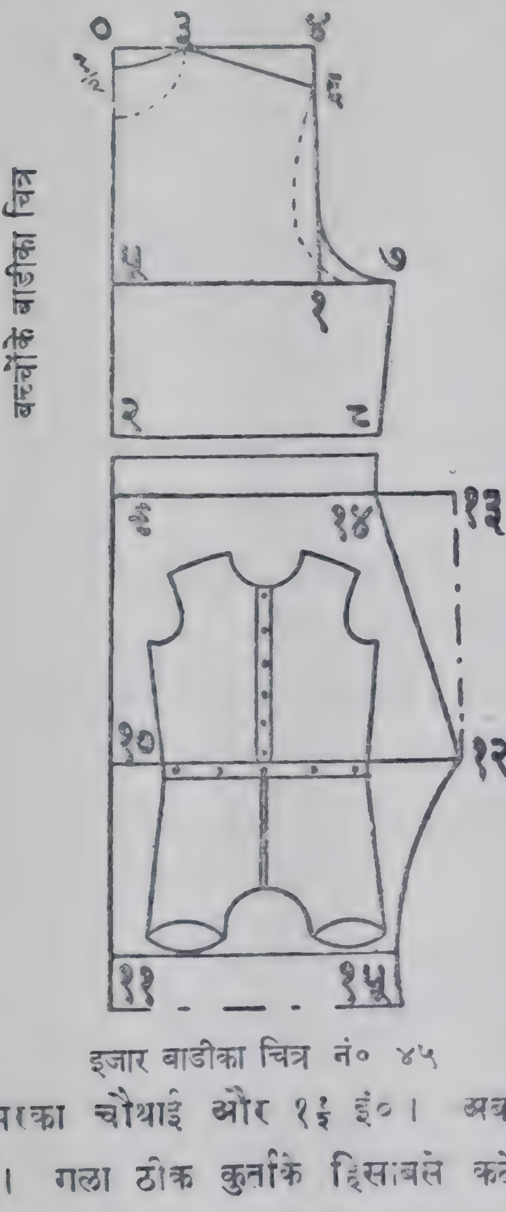
बच्चोंके लिये बाडी

जिस नियमसे फतुहा काटा गया है ठीक उसी नियमसे इजार बाडीका कपड़ा कटेगा। फतुहाका लम्बाई कमरके नीचे रहता है और बाडी ठीक सेस्तके जगह तक लम्बा काटकर इजार के साथ जोड़ा जाता है इसीसे इजार बाडी हुआ। लेकिन बाडीका कमर कुछ ढीला काटा जाता है। इसको कुछ हटाकर तब इजारके कमरके साथ जोड़ा जाता है। इसका सामना फतुहाके ऐसा पूरा खूला रहता है।

नाप—सेस्त ११, ल० २४, पुट ५, पु० अ० १०, सीना, २३ कमर २०, गला ११, पीछा २४, (मोहरी) हाट १६।

० से २ सेस्तके नापसे १ इं० अधिक। ० से आधा इं० नीचे। ० से ५ तक मोढ़ाका नाप। ० से ३ सीनाके नापका $\frac{1}{12}$ से $\frac{1}{2}$ इं० कम।

० से ४ और ५ से १, पुटसे ½ इं० अधिक। ४ से ६ एक इं० नीचे। ५ से ७ सीनाके नापका ⅓ और १½ इं० अधिक।



इजार बाडीका चित्र नं० ४५

२ से ८ कमरका चौथाई और १½ इं०। अब इसको चित्रके ऐसा जोड़ दो। गला ठीक कुर्तीके हिसाबसे कटेगा। एक ही साथ सामना और पीछा भाग कटाई होगा।

इजार

हम पहले लम्बाई के नापको सेस्त तक बाडीमें काटते आये हैं अब नीचेका बाकी हिस्सा इजार कटेगा। लम्बा था २४ इं जिसमें सेस्तका लम्बा ११ इं० काट लिया है अब बाकी १३ इं० इजारके लिये काटना होगा।

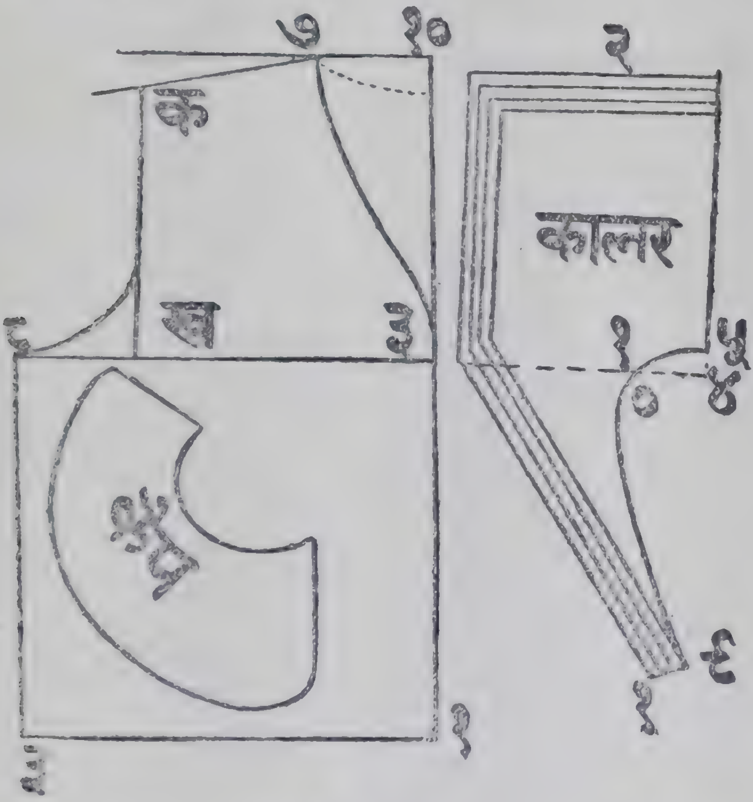
६ से ११, तेरह इं० और १ इं० अधिक १४ इं० हुआ। ६ १० पीछाके नापका $\frac{1}{3}$ और $1\frac{1}{2}$ इं० अधिक, इसे हाई कहते हैं।

१० से १२ पीछाका $\frac{1}{3}$ और $1\frac{1}{2}$ इं० अधिक। १२ से १३ ६ रेखाके ऊपर लम्ब खींचो १३ से २ इं० भीतरमें १४ रखक १२ और १४ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ११ से १५ मोहरी नापका आधा और १ इं० अधिक। अब चित्रके ऐसा जोड़ दे पर इजार बन गया। जब बाडीके साथ इजार नहीं रहता उ समय इजारमें चिन्ह लगानेके समय पायजामाके ऐसा अलग प सिलाई करके देना होगा। इसके नीचे मोड़नेके लिए $1\frac{1}{2}$ इं परिमाणका बेशी कपड़ा ले लेना चाहिये। इसमें बटन प्रायः नहीं होत है। यदि होता है तो सामने दो मुख खुला रखकर बटन औ काजघरका पट्टी तैयार करके देना होगा।

सेलर शूट (Sailor Suit)

साधारण इजार बाडीसे इस बाडीके काटनेमें फर्क मालूम पड़त है। इजार ठीक एक ही तरहका होता है। लेकिन साधारण बा जिस हिसाबसे काटा गया है उसी हिसाबसे काटा जायगा

केवल पेनिंगकी जगहमें अधिक कपड़ा रहता है और उसके साथ एक और कपड़ा लेकर उसमें देना होता है। इसके किनारामें फूल रहता है। उसमें एक कफ दिया जाता है, कफके ऊपर सादा लम्बा फीता या टेप दिया जाता है। चित्रमें जिस तरह दिया हुआ है उसी तरह टेप बैठाओ। चित्रमें देखनेसे



सेलर सूटका चित्र नं० ४६

सहज ही में समझ जाओगे। बाडी ठीक पहले हीके बाडीके ऐसा काट कर गला और मोढ़ाका हिस्सा (जगह) खुला रहेगा। चित्रको अच्छी तरहसे देखो। उसके बाद कालरका चित्र जिस

तरहसे बना हुआ है उसी तरह बनेगा। कभी कभी ऐसा काल न होकर केप कालर भी दिखलाई पड़ता है उसी तरह बनेग और उसमें सीधा टेपका ३ लाइन करके दिया जाता है।

कालरका १ से ० और गलाका ७ से ६ ठीक उसी तरह।

० से २ लम्बाईके गलाके मोढ़ाका दूना। क्योंकि कालरके खानाके तरफ पीछेसे लम्बा रहता है। ६ से ४ सीनाकेनापका $\frac{१}{१०}$ से आधा इं० कम। ५ से ४ एक इं० ऊपर रखकर ०, ६, ५ चित्रके ऐसा जोड़ कर इसी रेखासे आधा इं० अधिक कपड़ा लेकर काटना होगा। ताकि सिलाई होनेसे यह ठीक ०, ६ और ५ रेखाके बराबर हो जाय। कालर ठीक पुटके नापसे दुगुना चौड़ा रहेगा। काटने पर इसके नीचे एक और कपड़ा देकर सिलाई किया जाता है। नहीं तो यह ठीकसे बैठेगा नहीं। इस कपड़ाको सिलाई करके फीता देना होगा। फीता देकर गलाके साथ जोड़ देना होगा। जोड़नेके समय ० ठीक ७ के ऊपर और ६ ठीक बाडीके ऊपर रखकर सिलाई किया जायगा। इसको भीतरमें जोड़कर ऊपरमें लाना होगा। इसका आस्तीन ठीक फतुहाके आस्तीनके हिसाबसे कटेगा। इसका ७ से ६ दूरी तक खुला रहता है। यदि गलामें पहले कहे अनुसार लम्बा कालर न देकर केप लगाना हो तो उस समय इसका गला साधारण कुर्त्ताके हिसाबसे कटेगा।

मेकिया फ्राक

हम लोगोंके देशमें छोटे छोटे बच्चे मेकिया फ्राक पहनते हैं। यह फ्राक नाना प्रकारका होता है। लेकिन इसके काटनेका तरीका

प्राय: एक ही तरहका होता है। अब हम जिस प्रकारके फ्राकके विषयमें लिखते हैं उसका आगा और पीछा एक ही कपड़ेका होता है। इसके आस्तीनमें जोड़ नहीं होता।

नाप—सेस्त १०, लम्बा २२, पुट ८$\frac{१}{२}$, पु० अ० १०, सोना २४, कमर २२, मोहरी १०।

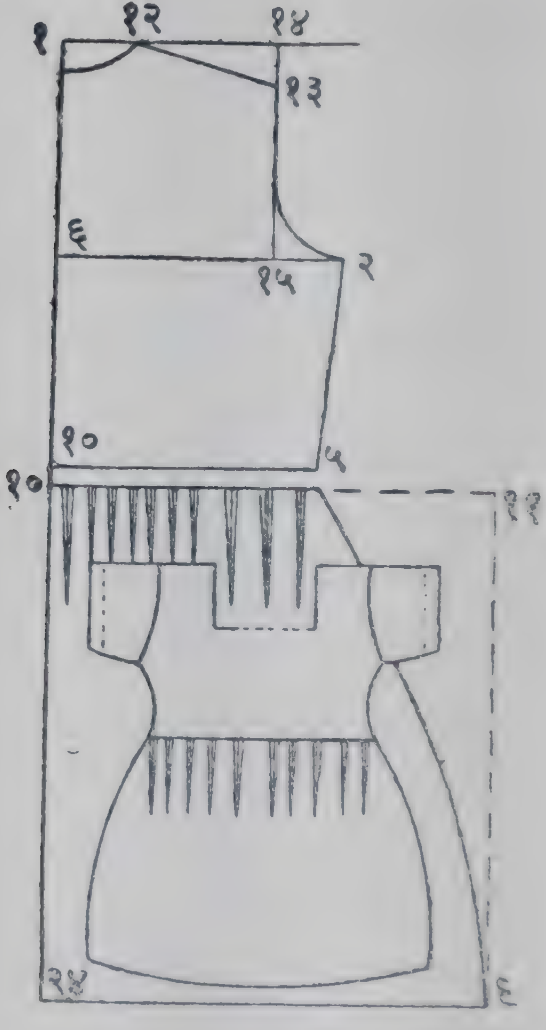
पहले लम्बाईके नापसे दूना और ४ इं० अधिक लो। इसका चौड़ा होगा जितना सीनाका नाप है उसके बराबर। हमारा यही नाप हुआ लम्बा २२ इं०, कपड़ाहोगा २२ का दूना ४४ इं० और ४ इं० अधिक ४८ इं लेना होगा। इसका चौड़ा रहेगा सीनाका नाप २४ इं० के बराबर। अभी इस कपड़ेके चौड़ाईको आधा भांज करके लम्बा २४ इं० के बराबर दो भांज करो। १, ८, २४, ६ जो इसका भांज किया हुआ कपड़ा है, इसी तरह फ्राक काटा जाता है।

१ से २४ लम्बाईके नापसे २ इं० अधिक अर्थात् २४ इं०।

१ से ६ मोढ़ा, सीनाके नापका $\frac{१}{४}$ अर्थात् ६ इं०। १ से १० सेस्तके नापके बराबर १० इं०।

१ से ४ पु० अ० का नाप १० इं० और १ इं० अधिक। ४ से ३ मोहरीके नाप से आधा और आधा इं० अधिक। ६ से २ सीनाका $\frac{१}{४}$ और १$\frac{१}{२}$ इं० अधिक।

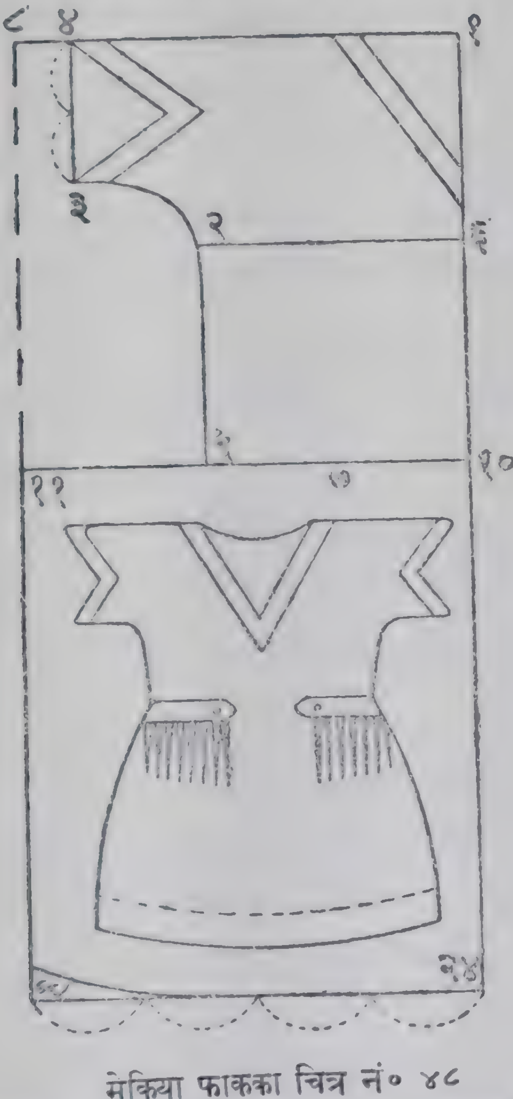
१० से ५ हुआ ६ से २ जितना दूर है उतना ही दूर।



कमरका कटा हुआ चित्र नं० ४७

अब ४, ३, २ और ५ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ करके ए रेखाके ऊपर से काटना चाहिये तब ११ से ७ तक की दूरी काटो।

११ से ७ तक जितना कपड़ा है, उसको इस तरह रखना होगा कि ११ बिन्दु ५ पर पड़े और ऊपरका कपड़ा ७ से मिल जाय।



मेकिया फ्राकका चित्र नं० ४८

उसके बाद दोनों बगलको सिलाई कर दो। सामना भागसे गला काट लो। इसका गला अंग्रेजी V अक्षरके ऐसा होना चाहिये।

कभी-कभी गोल और चौखुटा भी होता है। सामना गला सीनाके नापका $\frac{1}{2}$ और १ इं० अधिकसे जितना होता है १ से उतना ही ठीक नीचेमें सामना भाग खुला रहेगा। पहले इन सब फ्राकमें कालर रहता था, किन्तु अब कालर नहीं दिया जाता। इसी फ्राकको और दूसरे ढङ्गसे बना सकते हो। १० से ११ रेखा पूरा काट कर अलग करके नीचेमें चुन न देकर ऊपरकाभाग कमरके भागके बराबर कर दो। बराबर करके जोड़ देने पर उसके ऊपरमें बैंड लगा दो। तब देखोगे यह दूसरे तरहका फ्राक हुआ। मेकिया फ्राक काटकर किस तरह सिलाई होता है, चित्रमें देखनेसे अच्छी तरह समझ जाओगे। इच्छानुसार इसको या आस्तीनको अलग काट सकते हो। इस प्रकारका फतुहा जिस तरह कुर्ता वगैरहमें पुटके नापसे काटकर बनता है, ठीक उसी तरह काट कर अलग आस्तीन काट लो। घेराका शेप करके उसी तरह बना लेने पर यह ऊपरके ऐसा फ्राक हो जायगा।

अब दूसरी तरहके फ्राकका नियम देखो। यह तीन भाग करके काटा जाता है। पहले ६ और २ रेखाके ऊपर होकर काट दो। उसके बाद १० और ११ रेखाके ऊपर काट दो। अभी सीनाके नीचेका भाग ६, २ रेखाके ऊपर जोड़कर उसके पीछे भागमें बटन पट्टीसे बराबर दूरी पर दो अलग प्लेट सिलाई करके दो। उसके बाद कमरके नीचेका हिस्सा जोड़कर उसके बाद कमरको घुमाकर १ बेल्ट लगाकर सिलाई करो। तब देखोगे दूसरा ही फैशनका फ्राक तैयार हो गया। सभी तरहके फ्राक काटनेका तरीका एक ही है, लेकिन सिलाईके तरीकामें फर्क है।

कितने फ्राकमें दामनके नीचे और आस्तीनमें कमलके फूलकी तरह पंखुड़ी होती है। इसी तरह काट कर चित्र बिन्दूके ऐसा जो यह चिन्ह बनाया हुआ है ठीक उसी तरह बनाओ। पहले नीचेके घेराके समान लम्बी और ३ इं० चौड़ी एक पट्टी लेकर कमलके पंखुडी की तरह दाग देकर काट लो। उसके बाद यही पंखुड़ी फ्राकके नीचाके घेराके ऊपर जोड़कर मशीनसे या हाथसे सिलाई कर दो। उसके बाद घेराका कपड़ा ठीक सिलाई करके पंखुड़ीके ऐसाको भांज कर काटके पट्टीके भीतरमें देकर उल्टाकर तुरपाई सिलाई कर दो। आस्तीनमें भी इसी तरह करना होगा।

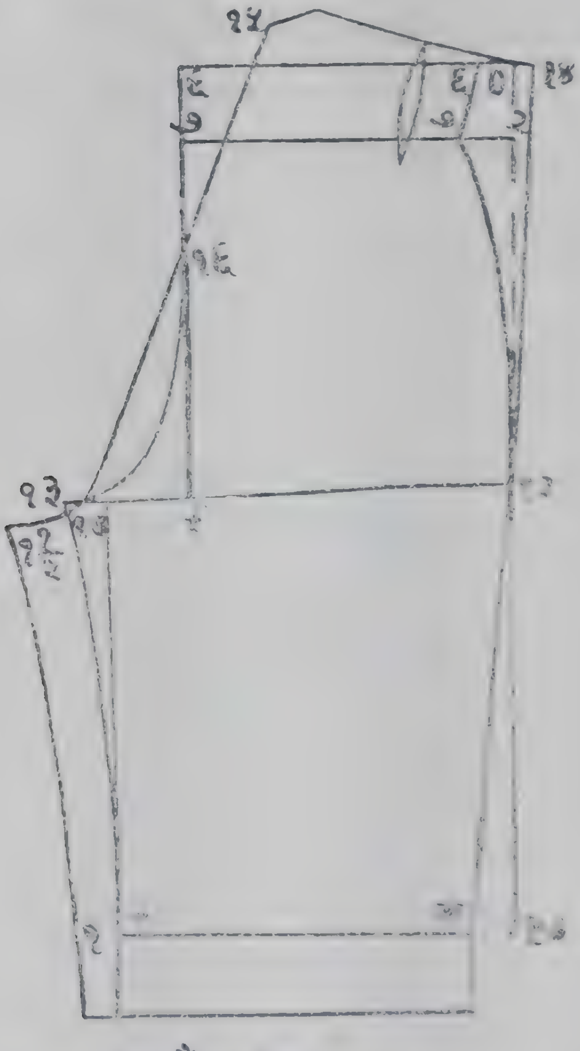
बच्चोंका हाफ पैंट

० से १७ लम्बाईके नापसे आधा इं० अधिक लेकर रेखा खींचो। ० से २. दो इं० नीचे। ० से १२ पीछाका $\frac{1}{3}$ भाग दूर पर। १२ से १३ पीछाके नापसे $\frac{1}{3}$ और १ इं० अधिक।

१३ से ६ भाग १२ से १३ जितना दूर है उसका $\frac{1}{4}$ भाग दूर पर। ६ से ७, ६ रेखा ऊपरमें ० रेखाके ऊपरसे लम्बा। ७ से ७ कमरका $\frac{1}{4}$ और आधा इं० अधिक। ६ से ६, ७ से ७ जितना दूर है उससे $\frac{1}{2}$ इं० अधिक।

१७ से क आधा इं० दूरपर। क से ८ घुटनाके नापका आधा। पैंटके ऐसा दाग देनेके बाद हाफ पैण्टका सामना भाग हो जायगा। इसका पीछा भाग ठीक साधारण पैंटके समान बनेगा। सिलाई भी

साधारण पैंटके ऐसी होगी। चित्र देखनेसे सब समझ जाओगे। १३ और ८ रेखासे १½ इं० दूर पर १½ रक्खो।



हाफ पैंटका चित्र नं० ४९

८ से १ इं० दूर पर १ रक्खो और १½ और १ बिन्दु तक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ६ से १½ इं० दूर पर १४ रखकर १४ और १२ चित्रके समान जोड़ दो।

१४ से १५ और ६ से ६ एक साथ मिलाकर कमरके नापका ¼ और १ इं० अधिक।

१४, १५ और १½ चित्रके ऐसा जोड़ देने पर हाफ पैंटका पीछा हो जायगा। काटनेके समय पैण्टके ऐसा मोड़कर सिलाई करनेके लिये कपड़ा लेकर काटना चाहिये।

बच्चोंका निकर (Knicker)

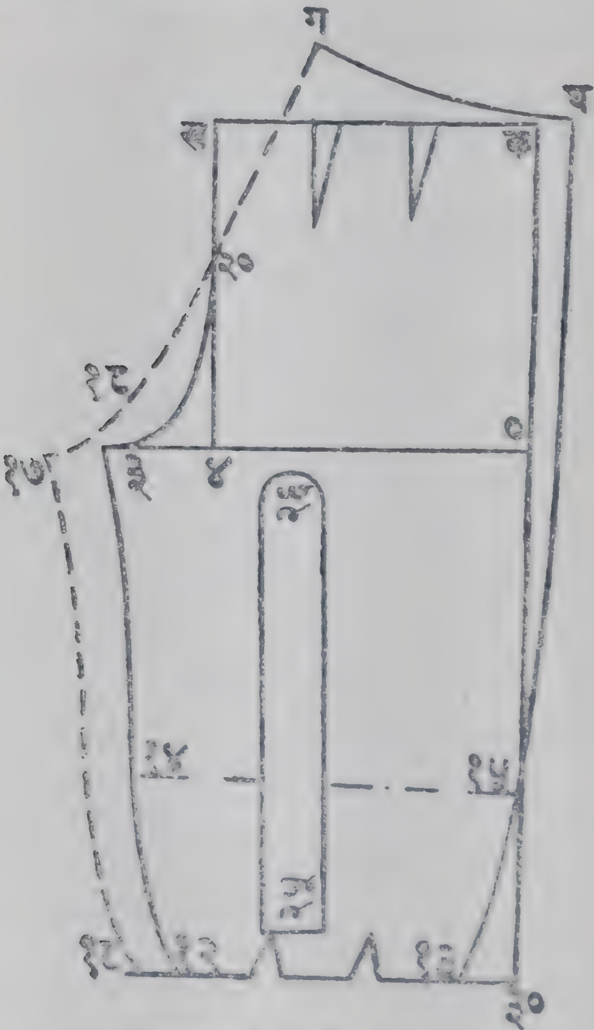
निकरका नाप हाफ पैण्टके नापसे ६, ७ इं० लम्बा अधिक रक्खा जाता है। क्योंकि इसमें ठीक घुटनाके नीचे बटन रहता है और उसके ऊपर कुछ ढीला रहता है, नहीं तो ऐसा न होनेसे घुटना मोड़ा नहीं जायगा और सब नाप ठीक साधारण पैण्टके ऐसा होगा।

१ से ३० लम्बा नापके बराबर। १ से ० पीछाका ⅓। ० से ३ पीछाके नापका ⅓ और १ इं० अधिक। ३ से ४ हुआ, ० से ३ जितना है उसका ¼। इसके ऊपरका हिस्सा ठीक साधारण पैण्ट या हाफ पैण्टके ऐसा बनेगा। ० से १५ घुटनाका नाप।

०, ३० रेखासे १५ आधा इं० दूर पर। ३० से १३ दो इञ्च दूर पर। १३ से १२ मोहरीके नापका आधा और ३ इञ्च अधिक। ३, १४, १२, और ०, १५, १३ ठीक चित्रके ऐसा बना लेने पर सामना भाग बन जायगा। यह पीछा भाग भी ठीक पैन्टके ऐसा।

३ से १७ डेढ़ इं०। १२ से १८ एक इं०। १७ और १२ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ७ से २२ डेढ़ इं०। ० से १ इं० दूरपर दाग देकर १३ और २२ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

२२ से १० और ७, ५, एक साथ जोड़ कर कमरके नापका ½ और १ इं० अधिक लेकर २०, १८, १७ रेखा खींचो। यह ठीक पैंटके ऐसा। ऊपरका हिस्सा ठीक पैन्टके ऐसा शेप कर दो, तब पीछा भाग हो जायगा।



नीकरका चित्र नं० ५१

२५ और २६ डेढ़ इं० चौड़ा और घुटनाके नापसे २ इं०

अधिक रखकर पट्टी काटकर १२ और १३ भागके नीचेका हिस्सा चुन देकर फीताके ऐसा सिलाई करना चाहिये। मोहरीके नापके समान रख कर इसी पट्टीके एक तरफ बटन तथा दूसरी तरफ काज घर करोगे। नहीं तो एक तरफ लेस लगा दोगे।

चाँद गला सेमीज

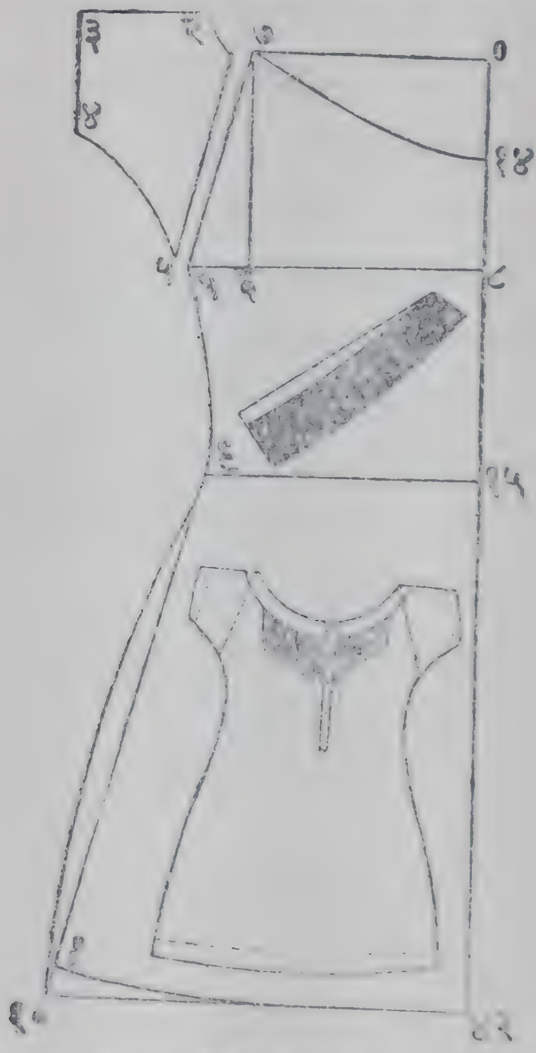
नापः—सेस्त १५, लम्बा ४०, पु० अ० १६, सीना ३६, कमर ३०।

साधारण सेमीज ज्यादा ढीला रहता है। परन्तु जाकिट सेमीज जो है सो शरीरमें कसा हुआ रहना चाहिये अर्थात् (टाइटफिटिंग) काटना चाहिये। यहाँपर हम चाँद गला सेमीजका वर्णन करेंगे।

पहले ऊपरमें नाप लिया गया है। कपड़ा लेनेके समय लम्बाका दूना और ४ इं० ज्यादा लो। इसका आस्तीन कपड़ाके बगलसे निकलेगा। समीजका घेरा सीनाके नापके बराबर होना चाहिये। ० से ४२, लम्बाईके नापसे २ इं ज्यादा। ० से ८ मोढ़ा, सीनाके नाप नापसे ¼ से १ इं० कम ८ इञ्च। ८ से ६, और ० से ७ हुआ पुटका नाप ७½ इं० और ½ इं० ज्यादा सब ८ इं०।

० से १५ सेस्तके नापके बराबर। ८ से ५, सीनाके नापका ¼ और २ इं० ज्यादा १५ से ६, कमरका चौथाई और १½ इं० ज्यादा। ४२ से १० सीनाके नापसे बराबर कपड़ा आधा भांज करके रखना होगा। १० से १, एक इं० ऊपर रखकर १ और १०, ४२ रेखाके साथ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

७, ५, ६ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से १४ सीनाका $\frac{1}{6}$ भाग नीचे रखकर १४ और ७ चित्रके ऐसा जोड़ दो। तब गलाका गोलाई याने खुली जगह तैयार हो जायगा।



चाँदगला सेमीज चित्र नं० ५२

आस्तीनका कपड़ा मोढ़ाके नापसे चौड़ाईमें २ इं० ज्यादा ले

लो। ७ से २, दो इं० ऊपर। २, ५, ३, ४ यही आस्तीन हुआ। पहले समीजका बगल (साइड) सिलाई करके तब आस्तीन जोड़ दो। इसके बाद १४ से ७ जितना है उसको बराबर करके कमीज का जैसा बैंड कालर होता है वैसा ही चार बैंड काट लो। यही चारों बैंडको २ सामनाके नीचे और ऊपरका २ पीछा भागके नीचे रखो। अभी देखो बाडीके गलामें बैंडसे ज्यादा कपड़ा है। उस ज्यादा कपड़ाको बराबर बैंडके करके चुन देकर सी लो। डबल कफ कमीजके आस्तीनमें कफ जिस तरह चुन देकर बैठाया जाता है उसी तरह यह भी बैठाया जाता है।

जिस तरह मेकिया फ्राक एक सलग कपड़ासे काटा जाता है सेमीज भी उसी तरह एक ही कपड़ासे कटेगा। उसमें ऐसा शेपका आस्तीन और गला नहीं होता। फतुहा काटनेका जो नियम बतलाया गया है उसी तरह पु० और पु० अ० सबका नाप लेकर दूसरी तरहका सेमीज काट सकते हो। जाकीट सेमीज उसी ढंगसे काटना होगा देख लो।

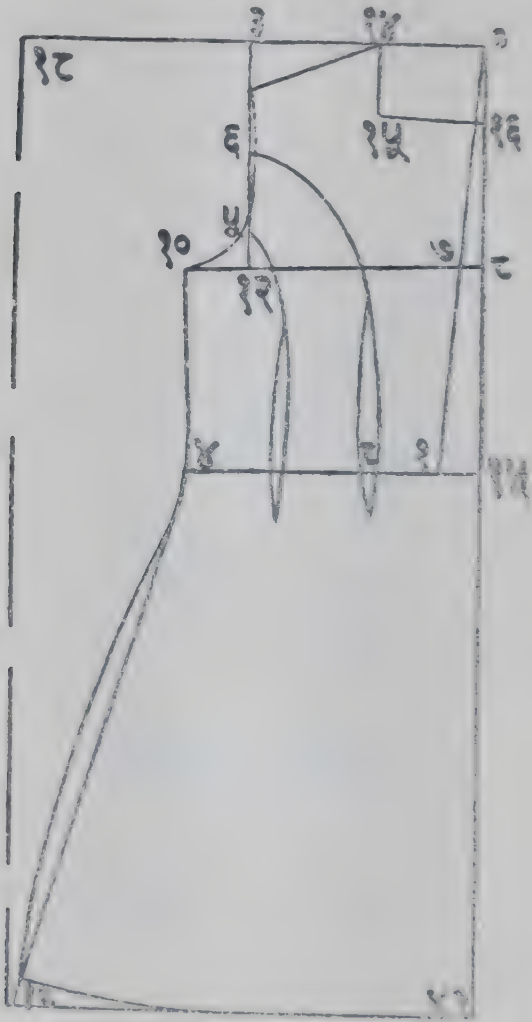
जाकीट सेमीज

इस सेमीजका पहले पीछा तब आगा काटना होगा। दूसरा कपड़ा जिस तरह सामना और पीछा एक साथ काटा जाता है इसमें वैसा नहीं होगा।

नाम—सेस्त १५, लम्बा ४०, पु० ७½, पु० अ० १५, सीना ३६, कमर ३०।

पीछा भाग

० से ४२, लम्बाका नापसे २ इं० अधिक। ० से ८, मोढ़ाका नाप। पहलेके सेमीजके ऐसा।



जाकीट सेमीजका पीछा भाग चित्र नं० ५३

० से १५, सेस्तके नापके बराबर १५ इं० नीचे। १५ से १ इं०

भीतरसे १ बैठाकर ० और १, एक सीधा रेखा चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से पुट के नापसे आधा इं० ज्यादा लेकर ८ इं० दूर पर ३ रक्खो ३ से नीचे तक ३ और १२ रेखा खींचो। तीनसे १ इं० नीचे एक दाग दो। ० से २ इं० दूर पर १६ और ३ इं० दूर पर १४ रक्खो। २ को चित्रके ऐसा जोड़ दो।

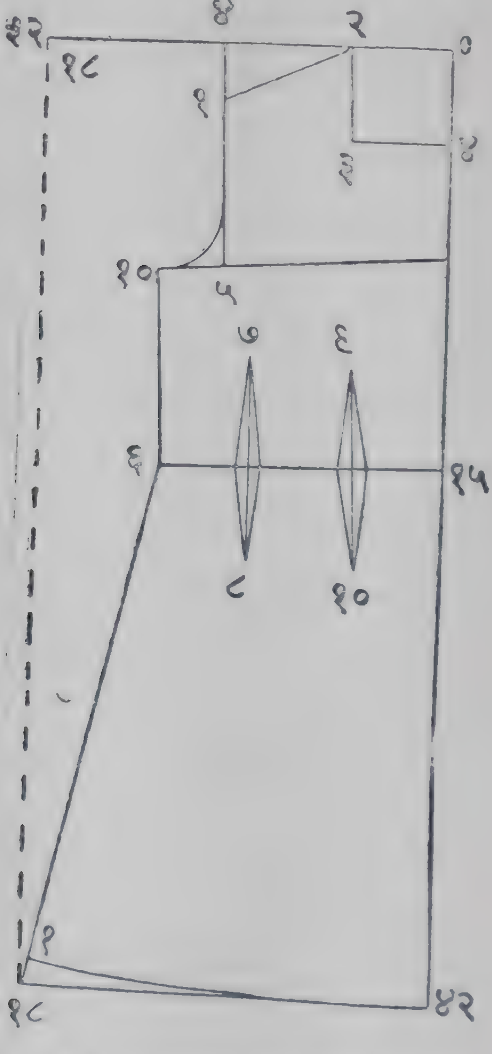
१४ से २ इं० नीचेमें १५ रखकर १४, १५ और १६ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ दो। तब पीछाका चौका गला हो जायगा। ७ से १० सीनाका $\frac{1}{4}$ और २ इं० ज्यादा। २ और १० चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके बाद २ और १० जितना होता है उसका $\frac{2}{3}$ करके ६ और ५ रक्खो। अभी ५ और ६ से ५, ६ और ६, ६ की तरह बना लो। इसी रेखाके ऊपरसे टेढ़ा करके सीना होगा ताकि १५ और ४ रेखा से २ इं० नीचे चलो जाय। १० से ४ एक सीधा रेखा खींचकर ४ और १८ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

पीछाको सीनेके वक्त पहले ० से एक तक सिलाई कर दो इसके बाद ६, ८ और ५, ६ रेखाके ऊपर सीना होगा। इसके बाद सामना का ७ जोड़ना होगा।

सामना भाग

० से ४२ लम्बाके नापसे २ इं० अधिक। ० से ८ इं० नीचे मोढ़ाका नाप जिस तरह पीछामें है। ० से १५ सेस्तका नाप जिस तरह पीछा भागमें है। ० से ४ और मोढ़ाके चिन्हसे ५, पुटका नाप और $\frac{1}{2}$ इं० अधिक। ० से २, तीन इं० दूर पर है। ० और २ से ४ और ३ चार इं० नीचे है। २, ३ और ४ ठीक चित्रके ऐसा

जोड़ लेने पर सामना भागमें चौड़ा (स्कायर) गला होगा। ४ से १ इं० नीचे १ रखकर २ और एक रेखा जोड़ दो।



जाकेट सेमीजका सामना भाग चित्र नं० ५३

८ से १० सीनाका चौथाई और १$\frac{१}{३}$ इं० अधिक। १० से सीधा रेखा १० और ६ नीचे १५ और ६ रेखाके ऊपर खींचो। १५

और ६ रेखाके समान तीन भाग करके बीचमें दो भागके ऊपर ७, ८ और ६, १० रेखा खींच कर कोटके ऐसा दो टेकिन लगाकर सिलाई करना होगा। इसके करनेसे कमरका सुन्दर शेप होगा। कुर्ताके ऐसा सेमीज काट लो। सिलाई करनेके समय पहले पीछा भागका टेकिन और शेप सिलाई करो। उसके बाद सामना भागमें यही टेकिन २ सिलाई करके कुर्ताके ऐसा ४ से १५ तक सामना भाग खुला रख कर बटन या काज पट्टी लगाओ। उसके बाद सामना और पीछ भाग जोड़ दो। इसका बगल (साइड) पहले नहीं जोड़ कर पुट पहले जोड़ कर $1\frac{1}{2}$ इं० चौड़ा कपड़ा काट कर गलामें पट्टी लगा लेनेसे आसान होगा। उसके बाद बगल और नीचेका पट्टी सिलाई कर दोगे। इसका आस्तीन ठीक कुर्ताके आस्तीनके ऐसा कटेगा। आस्तीन मोढ़ाके नापसे १ इं० अधिक चौड़ा रखना होगा। यही १ इं० चौड़ा मोढ़ाके साथ जोड़नेके समय ऊपर उठाकर मोढ़ाके बराबर करके बैठानेसे सुन्दर देखनेमें आता है। आस्तीन छोटा रहेगा और शेप भी साधारण या गोला रहेगा।

ब्लाउज

ब्लाउज, जाकीट और सलूकासे अधिक ढीला रहता है। नाप एक ही नियमसे लेना होगा।

नाप—सेस्त १४, पुट $7\frac{1}{2}$, पु० अ० १६, सीना ३६ कमर ३०।

० से सेस्तका नाप, १४ इं० से २ इं० अधिक लम्बा लेकर ० से १६ रेखा खींचो।

० से ६ मोढ़ा, सीनाका $\frac{१}{४}$ ६ इं० नीचे। ० और ६ से ८ हुआ और ८ रेखा पुट ७$\frac{१}{२}$ और $\frac{१}{२}$ इं० अधिक। ० से ३, सीनाका $\frac{१}{१२}$ तीन इं० दूर पर। ० से दो २ इं० नीचे। ८ से एक १ इं० नीचे। ६ से १० सीनाका $\frac{१}{४}$ भाग ६ इं० और १ इं० अधिक १० इं० दूर पर। १६ से ७ और १० इं० दूर पर। चित्रके ऐसा जोड़ लेने पर पीछा हो जायगा। ठीक रेखाके ऊपर होकर काटना होगा। आजकल ब्लाउज का पीछा भाग ठीक जाकीटके पीछाके ऐसा काटा जाता है। इससे पीछा ठीक फिट हो जायगा।

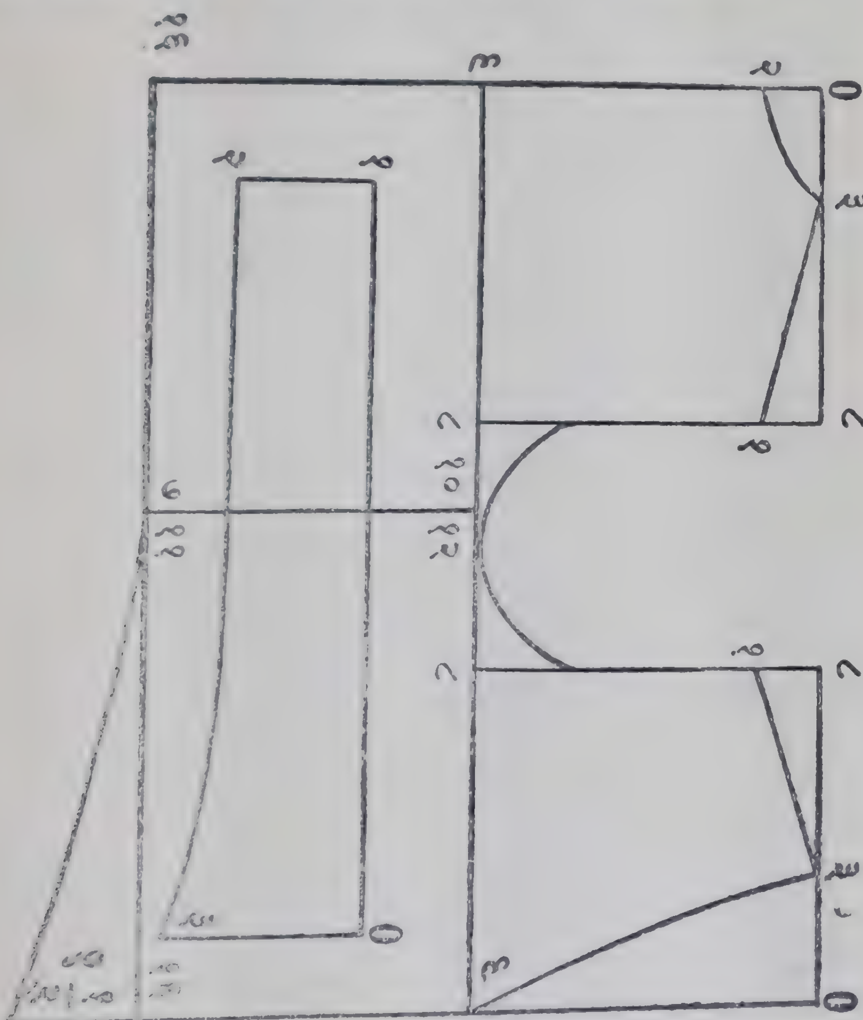
सामना भाग

० से सोलह १६ इं० बनाकर रेखा खींचो। ० से नौ ६ इं० नीचे मोढ़ाका दाग।

० और ६ से ८ और ८ रेखा पीछाके पुटके बराबर पुट ७$\frac{१}{२}$ और $\frac{१}{२}$ इं० अधिक। सब मिला कर ८ इं० दूर पर ८ से १ इं० नीचे।

० से ३ सीनाका $\frac{१}{१२}$ ३ इं०। ६ से १२ और १६ से ११ सीना का $\frac{१}{४}$ ६ इं० और २ इं० मिलाकर सब ११ इं० दूर पर। १६ से डेढ़ १$\frac{१}{२}$ इं० नीचे लेकर चित्रके ऐसा १६ और १$\frac{१}{२}$ को मिला कर बना लेने पर सामना भाग हो जायगा। ३ और ६ चित्रके ऐसा V की तरह गला तैयार होगा। स्कोआयर (चौड़ा) गला होनेसे जाकीट सेमीज के गलाके हिसाबसे काटना होगा। सामना और पीछा जोड़कर नीचे एक पट्टी देना होगा। यही पट्टी लम्बा कमरके नापसे २ इं० बड़ा और चौड़ा पीछामें २ इं० और सामनामें ३ इं० चौड़ा लेकर चित्रमें जैसा ड्राइंग किया हुआ है ठीक वैसा ही कटेगा। इस पट्टीका लम्बाई

ठीक पीछाके बीचसे जोड़ कर सामना भाग जितना बड़ा है उतना ऊपर पट्टीके बराबर करके उसके साथ मिलाकर सिलाई करना



ब्लाउजका पीछा भाग सामना भाग चित्र नं० ५४

होगा। एक सिया हुआ ब्लाउज देख लेने पर जो कहा गया है ठीक समझमें आ जायगा।

जाकिट

नाप—सेस्त १४, पुट ७½, पुट अ० १८, सीना ३६, कमर ३० ।

पीछा

० से १६ सेस्तके नापसे १ इं० बड़ा करके रेखा खींचो। ० से २ सीनाका १/१२ से १ इं० कम। ० से ८ मोढ़ानाप १/६ इं० नीचे। १६ से १ इं० दूर पर १ रख कर ० और १ चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद १ से १½ इं० नीचे १७½ तक दाग दो।

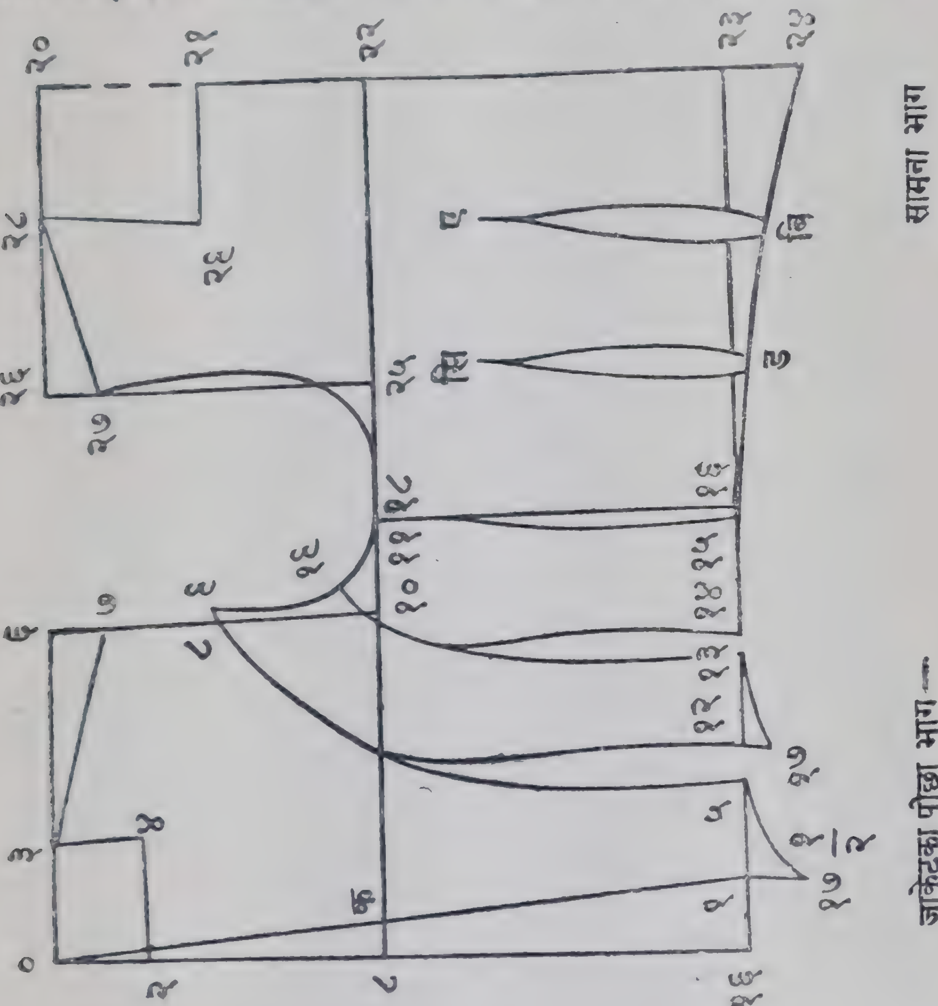
० से ३ सीनाका १/१२ भाग दूर पर। ० से २ जितना है ३ से इतना ही दूर पर ४ रखकर २, ४ और ३ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से ६ और ८ से १० पुटका नाप और ½ इं० अधिक दूर पर। ६ से १ इं० नीचे ७ रखकर ३ और ७ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

७ और १० उसके ठीक बीचमें ८ रक्खो। १ से २ इं० दूर पर ५ रखकर ८ और ५ ठीक चित्रके ऐसा आधा गोल रेखा जोड़ दो।

५ से १ इं० दूर पर १२ रखकर ६, १२ और १७ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ६ बिन्दू ८ से पाव इं० बाहरके तरफ। १२ से १७ आधा इं० नीचे।

६ और १८ के बीचमें १६ रखकर १६ और १३ चित्रके ऐसा जोड़ करके १७ और १३ जोड़ दो। १३ से १४ आधा इं० दूर पर। १४ से १५ साढ़े तीन इं० दूर पर। क से सीनाका [illegible] दूर पर ११ रखकर १८ और १६ लम्ब खींचो।

१६ से आधा इं० दूर पर १५ रखकर ११ और १५ चित्रके ऐसा जोड़ दो। सिलाई करनेके समय पहले ० से १७½ तक सिलाई



चित्र नं० ५५

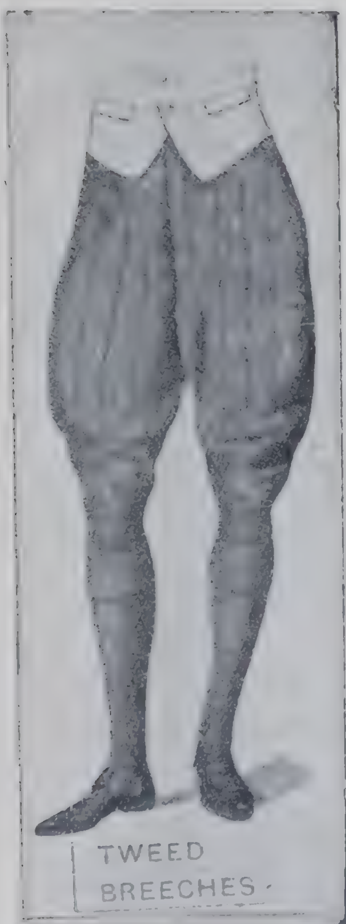
कर दो। उसके बाद ८ और ५ रेखा काटकर ६ और १३ रेखाके ऊपर रखकर सिलाई कर दो। १६ और १३ रेखाके ऊपरसे काटकर इसको १६ और १४ रेखाके ऊपर रखकर सिलाई करना होगा। तब पीछा भाग सिलाई हो जायगा।

सामना

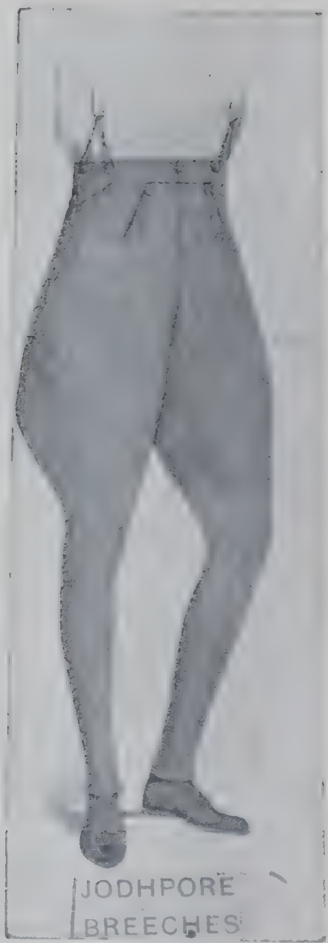
२०, २३ रेखा पीछा भागके ०, १६ रेखाके बराबर करके खींचो। २० से २१ सीनाका १/१२ और १ इं० नीचे। २० से २२ मोढ़ाका नाप २३ से २४ दो इं० नीचे। २० से २६ और २२ से २५ पुट और उससे आधा इं० अधिक। २६ से २७ एक इं० नीचे। २८ और २७ सीधा रेखा जोड़ दो। २२ से २६ और २० से २८ तीन इं० दूर पर चित्रके ऐसा जोड़ दो। २२ से १८ सीनाका १/६ और १½। २७ और १८ चित्रके ऐसा जोड़ दो। १६ और २४ जोड़ दो। अब ए, बी और सी, डी चित्रकी तरह दो टेकिन दो। इसके बीचमें १ इं० खुला। सि और ए, २२ और १८ रेखासे २ इं०नीचे रहेगा। दो टेकिन ठीक बीचमें रखकर रेखाके ऊपर सिलाई करना होगा।

इसका आस्तीन ठीक ब्लाउसके ऐसा कटेगा। आजकल बहुत ब्लाउजका पीछा भाग इसी जाकिटके पीछाके तरह काटा जाता है।

* समाप्त *



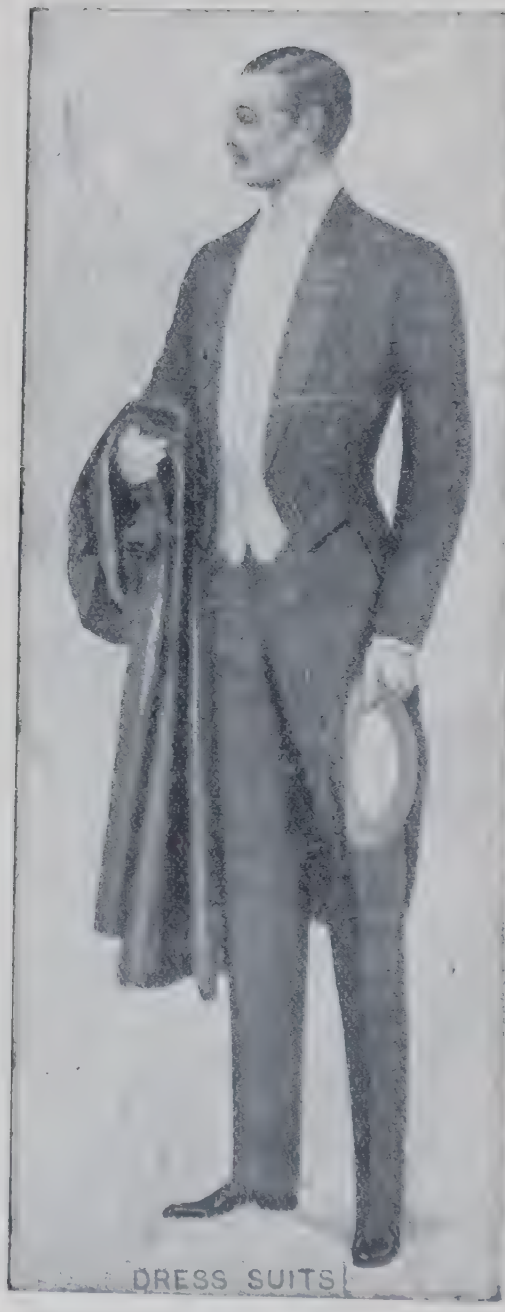
ट्वीड ब्रिचेज़



जोधपुर ब्रिचेज़



मार्निंग कोट



ड्रेस सूट



डबल ब्रेस्ट कोट



फ्राक कोट



(सामना)　　चोगा　　(पीछा)



शिकार सूट